गुप्त

कलीसिया

उसके वचन को जानें , उसके सताव को जानें ।

संसार भर के लाखों विश्वासियों के लिए, मसीह में विश्वास करने और बाईबल की शिक्षाओं में विश्वास करने को केवल हतोत्साहित ही नहीं किया गया बल्कि खतरनाक माना गया है।

उसके सताव को जानें ।

उसके वचन को जानें।

मियादी तौर पर,गुप्त कलीसियाओं में तेजी से छः घण्टों का बाइबल अध्ययन किया जाता है जिसमें हम सम्पूर्ण भूमण्डल में सताए गये सभी भाई और बहनों के बारे में चर्चा करते और उनके लिए प्रार्थना करते हैं।

गुप्त कलीसिया का उददेश्य यह है कि जो कुछ आप यहां पर जमा होकर सीखते हैं उसे दूसरों तक पहुंचा सकें ताकि आप मसीह की महिमा के लिए सारे देशों में शिष्य बना सकें।

secrearchurch.org

गुप्त कलीसिया क्या है?

गुप्त कलीसिया की शुरूआत चर्च ब्रूक हिल्स में उस समय के आधार पर हुई जो डा.प्लैट ने भाईयों और बहनों के साथ में भूमिगत एशियन धरेलू कलिसियाओं में बिताया था। इस सन्दर्भ में, वे अपनी जान का जोखिम उठाकर 8 से 12 घण्टे तक केवल प्रार्थना,अराधना और परमेश्वर के वचनों का अध्ययन करने के लिए मिला करते थे। यह साधारणतः सख्त,खतरनाक और सन्तुष्ट करने वाला.....सब कुछ एक ही समय में है।

ब्रूक हिल्स के अगुवे पूछने लगे कि क्या वे भी वही काम कर सकते हैं और उन्होने प्रयास करने को निर्णय लिया। उन्होने शुक्रवार की एक शाम को नियुक्त किया जहां पर वे सायं 6बजे से मध्यरात्रि तक दो मुख्य उददेश्यों के लिए जमा हो सकेंः परमेश्वर के वचन के गहन अध्ययन के द्वारा अराधना के लिए, सताए गये भाई बहनों की बातों को सुन सकें व उनके लिए विशेष रूप से प्रार्थना कर सकें। यह छः घण्टे सीधे सीधे प्रार्थना और अराधना के लिए थे।

उनकी पहली सभा में करीब 1000 लोग थे, और उसके पश्चात वह संख्या बढ़ने लगी। गुप्त कलीसिया'' आज वर्ष में बहुत सी बार लगती है जिसमें ज्यादातर लोग खडें रहते हैं। एक पासबान होने के नाते डा.प्लैट को एक दृश्य सर्वाधिक देखना

पसन्द करते हैं जब पूरा कमरा लोगों से भरा होता है और सभी लोग मध्य रात्रि को अपनी बाइबल को खोले परमेश्वर के वचनों में डूबे हुए होते हैं।

इन दिवारों के पार.....

हम बहुत ही खुश हैं कि आपने गुप्त कलीसियाओं में हिस्सा लेने का निर्णय किया है। लेकिन अगर यहां कोई नहीं भी आया होता, तो भी यह कार्य प्रयास करने योग्य है। असल में यह आशा की जाती है कि यह बाइबल अध्ययन यहां पर उपस्थित लोगों से कहीं ज्यादा लोगों को फायदा पहुंचायेगा।

देखें यह कैसे होगा.....

जब भी कभी हम अध्ययन के लिए जमा होते हैं तो हम सत्र को पूरा रिकोर्ड कर लेते हैं। उसके पश्चात उन रिकोर्डिगों को अलग अलग भाषाओं में जैसे स्पैनिश,मन्दारिन, हिन्दी,अरबी, इत्यादि में नकल किया जाता या अनुवादित किया जाता है। जैसे ही इसके अनुवाद का कार्य पूरा हो जाता है तुरन्त ही गुप्त कलीसिया के विदेशी भाषा के संस्करण को औन लाइन पर उपलब्द करा दिया जाता है। लेकिन यह तो मात्र शुरूआत है।

संसार भर के ज्यादातर मसीहियों का सेमिनरी या बाईबल कालेज तक जाना नहीं हो पाता। बल्कि,संसार के अनेकों हिस्सों में मसीहियों को कोई प्रारम्भिक औपचारिक शिक्षा प्राप्त ही नहीं होती। पास्टर डेविड गुप्त कलीसियाओं के अतिरिक्त अध्ययनों में, विभिन्न बाइबल और ईश्वर आधारित विषयों पर धण्टों की शिक्षा में अगुवाई करेगें। उसके पश्चात हमें उन साधनों को सार्वजनिक तौर पर वितरित कर पाएंगे। यह सत्र मिलकर एक लधु सेमिनरी का निर्माण करेगें, जिससे आप लघु कोर्सो की सहायता से सभी के लिए उपलब्द बाइबल परिक्षण पर बात कर सकें। हर एक जमा होने वाली गुप्त कलीसिया में हम लोग भेंट उठाते हैं। सम्पूर्ण जमा राशि संसार भर में सताए गये मसीहियों हेतू कार्यरत सेवकाई की पहल अथवा गुप्त कलीसिया की बाइबल शिक्षा सामग्री को विभिन्न भाषाओं में मुहैय्या करवाने के माध्यम से सहायता करने में खर्च की जाती है। कल्पना करके देखिये कि एशिया या मध्य पूर्वी क्षेत्र में रहने वाला एक धरेलू कलीसिया का अगुवा गुप्त कलीसिया के प्रयास से अपनी भाषा में घण्टों की बाइबल शिक्षाओं को सुन कर सकता है।

यदि आप गुप्त कलीसिया को अपने दान भेजना या किसी अन्य भाषा में गुप्त कलीसिया के संसाधनों को

प्राप्त करना चाहते हैं तो हमारी वैबसाइट *Disciplemakingintl.org.* पर जाएं।

मसीह की देह

वे तरीके जिनके द्वारा हम अधिकतर कलीसिया को सस्ता बनाते हैं.....

- हमारी स्वाधीनता में, हम कलीसिया को ————————— करते हैं।
- हमारी व्यवहारिकता, हम कलीसिया को भ्रष्ट करते हैं।
- हमारे कर्तव्यों में हम, कलीसिया को छोटा कर देते हैं।
- हम परमेश्वर की प्राथमिकताओं के ऊपर अपनी प्राथमिकताओं को ज्यादा मान्यता देते हैं।
- हम अपनी सहूलियत के हिसाब से व्यवहारिक तौर पर कलीसिया को परिभाषित करते हैं।

क्यों हमें कलीसिया में आनन्द मनाना चाहिये.....

- क्योंकि हम परमेश्वर की————————— से प्रेम करते हैं।
  - o परमेश्वर चाहता है कि उसकी महिमा इस संसार के अन्दर समाज की बुनियाद हो जाए।

> मैं केवल इन्हीं के लिये बिनती नहीं करता, परन्तु उन के लिये भी जो इन के वचन के द्वारा मुझ पर विश्वास करेंगे, कि वे सब एक हों। जैसा तू हे पिता मुझ में हैं, और मैं तुझ में हूं, वैसे ही वे भी हम में हों, इसलिये कि जगत प्रतीति करे, कि तू ही ने मुझे भेजा। और वह महिमा जो तू ने मुझे दी, मैं ने उन्हें दी है कि वे वैसे ही एक हों जैसे की हम एक हैं। मैं उन में और तू मुझ में कि वे सिद्ध होकर एक हो जाएं, और जगत जाने कि तू ही ने मुझे भेजा, और जैसा तू ने मुझ से प्रेम रखा, वैसा ही उन से प्रेम रखा।
>
> यूहन्ना 17:20–23

  - o परमेश्वर चाहता है कि उसकी महिमा इस संसार में प्रतिबिम्ब बन जाएं।

मैं उन में और तू मुझ में कि वे सिद्ध होकर एक हो जाएं, और जगत जाने कि तू ही ने मुझे भेजा, और जैसा तू ने मुझ से प्रेम रखा, वैसा ही उन से प्रेम रखा। कलीसिया में, और मसीह यीशु में, उस की महिमा पीढ़ी से पीढ़ी तक युगानुयुग होती रहे। आमीन।

इफिसियों 3:20–21

- क्योंकि हम परमेश्वर के पुत्र की प्रशसां करते हैं।
  - o यीशु ने कलीसिया को स्थापित किया।

और मैं भी तुझ से कहता हूं, कि तू पतरस है; और मैं इस पत्थर पर अपनी कलीसिया बनाऊंगाः और अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे।

मत्ती 16:18

यीशु ने कलीसिया का खरीदा।

इसलिये अपनी और पूरे झुंड की चौकसी करो; जिस से पवित्र आत्मा ने तुम्हें अध्यक्ष ठहराया है; कि तुम परमेश्वर की कलीसिया की रखवाली करो, जिसे उस ने अपने लोहू से मोल लिया है।

प्रेरितों के काम 20:28

  - o यीशु कलीसिया के साथ में खुद को जोड़ता है।

और वह भूमि पर गिर पड़ा, और यह शब्द सुना, कि हे शाऊल, हे शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है?

प्रेरितों के काम 9:45

- o क्योकि हम उसकी––––––––––ण्डार हैं।

क्या तुम नहीं जानते, कि तुम परमेश्वर का मन्दिर हो, और परमेश्वर का आत्मा तुम में वास करता है?यदि कोई परमेश्वर के मन्दिर को नाश करेगा तो परमेश्वर उसे नाश करेगा; क्योंकि परमेश्वर का मन्दिर पवित्र है, और वह तुम हो।

1 कुरिन्थियों 3:16–1

इसलिये तुम अब विदेशी और मुसाफिर नहीं रहे, परन्तु पवित्र लोगों के संगी स्वदेशी और परमेश्वर के घराने के हो गए।और प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की नेव पर जिस के कोने का पत्थर मसीह यीशु आप ही है, बनाए गए हो।जिस में सारी रचना एक साथ मिलकर प्रभु में एक पवित्र मन्दिर बनती जाती है।जिस में तुम भी आत्मा के द्वारा परमेश्वर का निवासस्थान होने के लिये एक साथ बनाए जाते हो।।

इफिसियों 2:19–22

- o क्योंकि हम उसके सुसमाचार को मान्यता प्रदान करते हैं।
- o कलीसिया को सुसमाचार करने के लिए तैयार किया गया है।

यीशु ने उन के पास आकर कहा, कि स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है।इसलिये तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्रत्मा के नाम से बपतिस्मा दो।और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओः और देखो, मैं जगत के अन्त तक सदैव तुम्हारे संग हूं।।

मत्ती 28:18–20

कलीसिया को सुमाचार को परिभाषित करने के लिए बनाया गया है।

जो खरी बातें तू ने मुझ से सुनी हैं उन को उस विश्वास और प्रेम के साथ जो मसीह यीशु में है, अपना आदर्श बनाकर रख।और पवित्र आत्मा के द्वारा जो हम में बसा हुआ है, इस अच्छी थाती की रखवाली कर।।

2 तीमुथियुस :1:13–14

- o कलीसिया को सुसमाचार प्रगट करने के लिए बनाया गया है।

ताकि अब कलीसिया के द्वारा, परमेश्वर का नाना प्रकार का ज्ञान, उन प्रधानों और अधिकारियों पर, जो स्वर्गीय स्थानों में हैं प्रगट किया जाए। उस सनातन मनसा के अनुसार, जो उस ने हमारे प्रभु मसीह यीशु में की थीं।

इफिसियों 3:10–11

- क्योंकि हम हमारे जीवन में –––––––––– को चाहते हैं।
- o परमेश्वर ने हमें उसमें जीवन का आनन्द मनाने के लिए बनाया है।

फिर परमेश्वर ने कहा, हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार अपनी समानता में बनाएं; और वे समुद्र की मछलियों, और आकाश के पक्षियों, और घरेलू पशुओं, और सारी पृथ्वी पर, और सब रेंगनेवाले जन्तुओं पर जो पृथ्वी पर रेंगते हैं, अधिकार

रखें।तब परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार उत्पन्न किया, अपने ही स्वरूप के अनुसार परमेश्वर ने उसको उत्पन्न किया, नर और नारी करके उस ने मनुष्यों की सृष्टि की।

उत्पत्ति 1:26–27

परमेश्वर ने हमें दूसरों के साथ में जीवन का अनुभव करने के लिए रचा है।

फिर यहोवा परमेश्वर ने कहा, आदम का अकेला रहना अच्छा नहीं; मै उसके लिये एक ऐसा सहायक बनाऊंगा जो उस से मेल खाए।

उत्पत्ति 2:18

- क्योंकि हम खोये हुओं के लिए ————————— को चाहते हैं।

मैं तुम्हें एक नई आज्ञा देता हूं, कि एक दूसरे से प्रेम रखोः जैसा मैं ने तुम से प्रेम रखा है, वैसा ही तुम भी एक दुसरे से प्रेम रखो।यदि आपस में प्रेम रखोगे तो इसी से सब जानेंगे, कि तुम मेरे चेले हो।।

यूहन्ना 13:34–35

परन्तु औरों में से किसी को यह हियाव न होता था, उन में जा मिलें; तौभी लोग उन की बड़ाई करते थे।और विश्वास करनेवाले बहुतेरे पुरूष और स्त्रियां प्रभु की कलीसिया में और भी अधिक आकर मिलते रहे।)

प्रेरितों 5:13–14

सो सारे यहूदिया, और गलील, और समरिया में कलीसिया को चैन मिला, और उसकी उन्नति होती गई; और वह प्रभु के भय और पवित्र आत्मा की शान्ति में चलती और बढ़ती जाती थी।।

प्रेरितों के काम 9:31

और वे यह नया गीत गाने लगे, कि तू इस पुस्तक के लेने, और उसकी मुहरें खोलने के योग्य है; क्योंकि तू ने वध होकर अपने लोहू से हर एक कुल, और भाषा, और लोग, और जाति में से परमेश्वर के लिये लोगों को मोल लिया है। और उन्हें हमारे परमेश्वर के लिये एक राज्य और याजक बनाया; और वे पृथ्वी पर राज्य करते हैं।

प्रकाशितवाक्य 5:9–10

अतः हम यहां से आगे कहां जाएं?

- कलीसिया कौन है?
  - हम कलीसिया के सन्दर्भ में परमेश्वर की परिभाषा को जानना चाहते हैं।
- कलीसिया क्या करती है?
  - हम कलीसिया के सन्दर्भ में परमेश्वर के नक्शे का पालन करना चाहते हैं।
- किस प्रकार से कलीसिया का संचालन होता है?

- हम कलीसिया के संगठन के क्षेत्र में स्पष्ट होना चाहते हैं।

- कलीसिया कहां जा रहीं है?
  - हम कलीसिया के भविष्य में विश्वास को चाहते हैं।

कलीसिया कौन हैं?

उसके लोगों के बारे में परमेश्वर की परिभाषा

कलीसिया की परिभाषा....

- कलीसिया ऐसे लोगो की देह जो परमेश्वर की दया में विश्वास के द्वारा मसीह में इस संसार के उसकी सेवा करने के द्वारा उसकी महिमा करने के लिए बुलाये गये हैं।
- लोगों की देह.....
  - कलीसिया एक झुण्ड है।
    - इकलीसिया : 114 बार नये नियम में इसका वर्णन हुआ है।
      - दो बार यह पुराने नियम की मण्डली के बारे में बताते हैं।

यह वही है, जिस ने जंगल में कलीसिया के बीच उस स्वर्गदूत के साथ सीनै पहाड़ पर उस से बातें की, और हमारे बापदादों के साथ थाः उसी को जीवित वचन मिले, कि हम तक पहुंचाए।

प्रेरितों के काम 7: 38

पर कहता है, कि मैं तेरा नाम अपने भाइयों को सुनाऊंगा, सभा के बीच में मैं तेरा भजन गाऊंगा।

इब्रानियों 2:12

- तीन बार यह असाम्प्रदायिक मण्डली के बारे में बताते हैं।

सो कोई कुछ चिल्लाया, और कोई कुछ; क्योंकि सभा में बड़ी गड़बड़ी हो रही थी, और बहुत से लोग तो यह जानते भी नहीं थे कि हम किस लिये इकट्ठे हुए हैं।

प्रेरितों के काम 19:32

परन्तु यदि तुम किसी और बात के विषय में कुछ पूछना चाहते हो, तो नियत सभा में फैसला किया जाएगा।

प्रेरितों के काम 19:39

और यह कह के उस ने सभा को विदा किया।।

प्रेरितों के काम 19:41

- 109 बार यह मसीही मण्डली के बारे में बताते हैं।

परमेश्वर की उस कलीसिया के नाम जो कुरिन्थुस में है, अर्थात् उन के नाम जो मसीह यीशु में पवित्र किए गए, और पवित्र होने के लिये बुलाए गए हैं; और उन सब के नाम भी जो हर जगह हमारे और अपने प्रभु यीशु मसीह के नाम की प्रार्थना करते हैं।

1 कुरिन्थियों 1:2

यहां तक कि हम आप परमेश्वर की कलीसिया में तुम्हारे विषय में घमंड करते हैं, कि जितने उपद्रव और क्लेश तुम सहते हो, उन सब में तुम्हारा धीरज और विश्वास प्रगट होता है।

2 थिस्लुनिकियों 1: 4

- जिनको परमेश्वर ने————————— बुलाया है।

जिन में से तुम भी यीशु मसीह के होने के लिये बुलाए गए हो।उन सब के नाम जो रोम में परमेश्वर के प्यारे हैं और पवित्र होने के लिये बुलाए गए हैं।।हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे।।

रोमियों 1:6–7

- जिनको परमेश्वर ने ————— ————— बुलाया है।

  वैसा ही हम जो बहुत हैं, मसीह में एक देह होकर आपस में एक दूसरे के अंग हैं।

रोमियों 12:5

इसलिये यदि एक अंग दुःख पाता है, तो सब अंग उसके साथ दुःख पाते हैं; और यदि एक अंग की बड़ाई होती है, तो उसके साथ सब अंग आनन्द मनाते हैं।

1 कुरिन्थियों 12:26

- कलीसिया स्वर्गीय मंजिल के साथ जमीनी मण्डली हैं

पर तुम सिय्योन के पहाड़ के पास, और जीवते परमेश्वर के नगर स्वर्गीय यरूशलेम के पास।और लाखों स्वर्गदूतों और उन पहिलौठों की साधारण सभा और कलीसिया जिन के नाम स्वर्ग में लिखे हुए हैं: और सब के न्यायी परमेश्वर के पास, और सिद्ध किए हुए धर्मियों की आत्माओं।और नई वाचा के मध्यस्थ यीशु, और छिड़काव के उस लोहू के पास आए हो, जो हाबिल के लोहू से उत्तम बातें कहता है।

इब्रानियों 12:22–22

- कलीसिया ————————— का समूह है।

पर तुम एक चुना हुआ वंश, और राज–पदधारी, याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हो, इसलिये कि जिस ने तुम्हें अन्धकार में से अपनी अद्‌भुत ज्योति में बुलाया है, उसके गुण प्रगट करो। तुम पहिले तो कुछ भी नहीं थे, पर अब परमेश्वर की प्रजा हो: तुम पर दया नहीं हुई थी पर अब तुम पर दया हुई है।।

1 पतरस 2:9–10

जैसा वह होशे की पुस्तक में भी कहता है, कि जो मेरी प्रजा न थी, उन्हें मैं अपनी प्रजा कहूंगा, और जो प्रिया न थी, उसे प्रिया कहूंगा। और ऐसा होगा कि जिस जगह में उन से यह कहा गया था, कि तुम मेरी प्रजा नहीं हो, उसी जगह वे जीवते परमेश्वर की सन्तान कहलाएंगे।

रोमियों 9:25–26

- कलीसिया एक ————————— है।
- ⊡ हम लोग उसके बेटे और बेटियां हैं।

क्योंकि तुम सब उस विश्वास करने के द्वारा जो मसीह यीशु पर है, परमेश्वर की सन्तान हो।

गलातियों 3:26

इसलिये प्रभु कहता है, कि उन के बीच में से निकलो और अलग रहो; और अशुद्ध वस्तु को मत छूओ, तो मैं तुम्हें ग्रहण करूंगा। और तुम्हारा पिता हूंगा, और तुम मेरे बेटे और बेटियां होगेः यह सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर का वचन है।।

2 कुरिन्थियों 6:17–18

- हम लोग भाई और बहन हैं।

किसी बूढ़े को न डांट; पर उसे पिता जानकर समझा दे, और जवानों को भाई जानकर; बूढ़ी स्त्रियों को माता जानकर।और जवान स्त्रियों को पूरी पवित्रता से बहिन जानकर, समझा दे।

1 तीमुथियुस 5:1–2

हम जानते हैं, कि हम मृत्यु से पार होकर जीवन में पहुंचे हैं; क्योंकि हम भाइयों से प्रेम रखते हैंः जो प्रेम नहीं रखता, वह मृत्यु की दशा में रहता है। जो कोई अपने भाई से बैर रखता है, वह हत्यारा है; और तुम जानते हो, कि किसी हत्यारे में अनन्त जीवन नहीं रहता। हम ने प्रेम इसी से जाना, कि उस ने हमारे लिये अपने प्राण दे दिए; और हमें भी भाइयों के लिये प्राण देना चाहिए। पर जिस किसी के पास संसार की संपत्ति हो और वह अपने भाई को कंगाल देखकर उस पर तरस न खाना चाहे, तो उस में परमेश्वर का प्रेम क्योंकर बना रह सकता है? हे बालको, हम वचन और जीभ ही से नहीं, पर काम और सत्य के द्वारा भी प्रेम करें।

1 यूहन्ना 3: 14–18

- कलीसिया एक ––––––––––है।

हे पतियों, अपनी अपनी पत्नी से प्रेम रखो, जैसा मसीह ने भी कलीसिया से प्रेम करके अपने आप को उसके लिये दे दिया। कि उस को वचन के द्वारा जल के स्नान से शुद्ध करके पवित्र बनाए। और उसे एक ऐसी तेजस्वी कलीसिया बनाकर अपने पास खड़ी करे, जिस में न कलंक, न झुर्री, न कोई ऐसी वस्तु हो, बरन पवित्र और निर्दोष हो।

इफिसियों 5:25–27

क्योंकि मैं तुम्हारे विषय मे ईश्वरीय धुन लगाए रहता हूं, इसलिये कि मैं ने एक ही पुरूष से तुम्हारी बात लगाई है, कि तुम्हें पवित्र कुंवारी की नाई मसीह को सौंप दूं।

2 कुरिन्थियों 11:2

- कलीसिया एक ––––––––– है।

क्योंकि हम परमेश्वर के सहकर्मी हैं; तुम परमेश्वर की खेती और परमेश्वर की रचना हो।

1 कुरिन्थियों 3:9

- कलीसिया एक ––––––––––है।

क्योंकि वह मूसा से इतना बढ़कर महिमा के योग्य समझा गया है, जितना कि घर बनानेवाला घर से बढ़कर आदर रखता है। क्योंकि हर एक घर का कोई न कोई बनानेवाला होता है, पर जिस ने सब कुछ बनाया वह परमेश्वर है। मूसा तो उसके सारे घर में सेवक की नाई विश्वासयोग्य रहा, कि जिन बातों का वर्णन होनेवाला था, उन की गवाही दे। पर मसीह पुत्र की नाई

उसके घर का अधिकारी है, और उसका घर हम हैं, यदि हम साहस पर, और अपनी आशा के घमंड पर अन्त तक दृढ़ता से स्थिर रहें।

इब्रानियों 3:3–6

- कलीसिया एक मन्दिर है।

कि यदि मेरे आने में देर हो तो तू जान ले, कि परमेश्वर का घर, जो जीवते परमेश्वर की कलीसिया है, और जो सत्य का खंभा, और नेव है; उस में कैसा बर्ताव करना चाहिए।

1 तीमुथियुस 3:15

- परमेश्वर की आत्मा कलीसिया के भीतर वास करती है।

इसलिये तुम अब विदेशी और मुसाफिर नहीं रहे, परन्तु पवित्र लोगों के संगी स्वदेशी और परमेश्वर के घराने के हो गए।और प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की नेव पर जिस के कोने का पत्थर मसीह यीशु आप ही है, बनाए गए हो। जिस में सारी रचना एक साथ मिलकर प्रभु में एक पवित्र मन्दिर बनती जाती है। जिस में तुम भी आत्मा के द्वारा परमेश्वर का निवासस्थान होने के लिये एक साथ बनाए जाते हो।।

इफिसियों 2:19–22

- परमेश्वर की महिमा कलीसिया के द्वारा प्रगट की जाती है।

उसके पास आकर, जिसे मनुष्यों ने तो निकम्मा ठहराया, परन्तु परमेश्वर के निकट चुना हुआ, और बहुमूल्य जीवता पत्थर है। तुम भी आप जीवते पत्थरों की नाई आत्मिक घर बनते जाते हो, जिस से याजकों का पवित्र समाज बनकर, ऐसे आत्मिक बलिदान चढ़ाओ, जो यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर को ग्राह्य हो।

1 पतरस 2:4–5

- कलीसिया एक ————————— है।

मैं ने लगाया, अपुल्लोस ने सींचा, परन्तु परमेश्वर ने बढ़ाया।इसलिये न तो लगानेवाला कुछ है, और न सींचनेवाला, परन्तु परमेश्वर जो बढ़ानेवाला है। लगानेवाला और सींचनेवाला दोनों एक हैं; परन्तु हर एक व्यक्ति अपने ही परिश्रम के अनुसार अपनी ही मजदूरी पाएगा। क्योंकि हम परमेश्वर के सहकर्मी हैं; तुम परमेश्वर की खेती और परमेश्वर की रचना हो।

1 कुरिन्थियों 3:6–9

- कलीसिया एक पेड़ है।

और यदि कई एक डाली तोड़ दी गई, और तू जंगली जलपाई होकर उन में साटा गया, और जलपाई की जड़ की चिकनाई का भागी हुआ है।तो डालियों पर घमंड न करनाः और यदि तू घमंड करे, तो जान रख, कि तू जड़ को नहीं, परन्तु जड़ तुझे सम्भालती है।फिर तू कहेगा डालियां इसलिये तोड़ी गई, कि मैं साटा जाऊं। भला, वे तो अविश्वास के कारण तोड़ी गई, परन्तु तू विश्वास से बना रहता है इसलिये अभिमानी न हो, परन्तु भय कर।क्योंकि जब परमेश्वर ने स्वाभाविक डालियां न छोड़ी, तो तुझे भी न छोड़ेगा।इसलिये परमेश्वर की कृपा और कड़ाई को देख! जो गिर गए, उन पर कड़ाई, परन्तु तुझ पर कृपा, यदि तू उस में बना रहे, नहीं तो, तू भी काट डाला जाएगा।और वे भी यदि अविश्वास में न रहें, तो साटे जाएंगे क्योंकि परमश्वेर उन्हें फिर साट सकता है। क्योंकि यदि तू उस जलपाई से, जो स्वभाव से जंगली है काटा गया और स्वभाव के विरूद्ध अच्छी जलपाई में साटा गया तो ये जो स्वाभाविक डालियां हैं, अपने ही जलपाई में साटे क्यों न जाएंगे।

रोमियों 11:17–24

मैं दाखलता हूं: तुम डालियां हो; जो मुझ में बना रहता है, और मैं उस में, वह बहुत फल फलता है, क्योंकि मुझ से अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते।

यूहन्ना 15:5

o कलीसिया एक ————————— ————————— है।

उसके पास आकर, जिसे मनुष्यों ने तो निकम्मा ठहराया, परन्तु परमेश्वर के निकट चुना हुआ, और बहुमूल्य जीवता पत्थर है। तुम भी आप जीवते पत्थरों की नाई आत्मिक घर बनते जाते हो, जिस से याजकों का पवित्र समाज बनकर, ऐसे आत्मिक बलिदान चढ़ाओ, जो यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर को ग्राह्य हो। इस कारण पवित्र शास्त्र में भी आया है, कि देखो, मैं सिय्योन में कोने के सिरे का चुना हुआ और बहुमूल्य पत्थर धरता हूं: और जो कोई उस पर विश्वास करेगा, वह किसी रीति से लज्जित नहीं होगा।सो तुम्हारे लिये जो विश्वास करते हो, वह तो बहुमूल्य है, पर जो विश्वास नहीं करते उन के लिये जिस पत्थर को राजमिस्त्रीयों ने निकम्मा ठहराया था, वही कोने का सिरा हो गया।और ठेस लगने का पत्थर और ठोकर खाने की चट्टान हो गया है: क्योंकि वे तो वचन को न मानकर ठोकर खाते हैं और इसी के लिये वे ठहराए भी गए थे।पर तुम एक चुना हुआ वंश, और राज–पदधारी, याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हो, इसलिये कि जिस ने तुम्हें अन्धकार में से अपनी अद्‌भुत ज्योति में बुलाया है, उसके गुण प्रगट करो।

1 पतरस:4–9

और यीशु मसीह की ओर से, जो विश्वासयोग्य साक्षी और मरे हुओं में से जी उठनेवालों में पहिलौठा, और पृथ्वी के राजाओं का हाकिम है, तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे: जो हम से प्रेम रखता है, और जिस ने अपने लोहू के द्वारा हमें पापों से छुड़ाया है। और हमें एक राज्य और अपने पिता परमेश्वर के लिये याजक भी बना दिया; उसी की महिमा और पराक्रम युगानुयुग रहे। आमीन।

प्रकाशित वाक्य 11:5–6

और उन्हें हमारे परमेश्वर के लिये एक राज्य और याजक बनाया; और वे पृथ्वी पर राज्य करते हैं।

प्रकाशितवाक्य 5:10

o कलीसिया एक ————————— है।

इसलिये, कि एक ही रोटी है सो हम भी जो बहुत हैं, एक देह हैं: क्योंकि हम सब उसी एक रोटी में भागी होते हैं।

1कुरिन्थियों 10:17

और सब कुछ उसके पांवों तले कर दिया: और उसे सब वस्तुओं पर शिरोमणि ठहराकर कलीसिया को दे दिया।यह उसकी देह है, और उसी की परिपूर्णता है, जो सब में सब कुछ पूर्ण करता है।।

इफिसियों 1:22–23

o हम एक गठित देह हैं।

एक ही देह है, और एक ही आत्मा; जैसे तुम्हें जो बुलाए गए थे अपने बुलाए जाने से एक ही आशा है।एक ही प्रभु है, एक ही विश्वास, एक ही बपतिस्मा। और सब का एक ही परमेश्वर और पिता है, जो सब के ऊपर और सब के मध्य में, और सब में है। इफिसियों 4: 4–6

o हम————————— प्रकार की एक देह हैं।

इसलिये कि देह में एक ही अंग नहीं, परन्तु बहुत से हैं।

1 कुरिन्थियों 12:14

क्योंकि जैसे हमारी एक देह में बहुत से अंग हैं, और सब अंगों का एक ही सा काम नहीं।वैसा ही हम जो बहुत हैं, मसीह में एक देह होकर आपस में एक दूसरे के अंग हैं।

रोमियों 12:4–5

परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा मसीह में विश्वास से.....

- हम अपने पापों में क्या ————————— ....

और उस ने तुम्हें भी जिलाया, जो अपने अपराधों और पापों के कारण मरे हुए थे।जिन में तुम पहिले इस संसार की रीति पर, और आकाश के अधिकार के हाकिम अर्थात् उस आत्मा के अनुसार चलते थे, जो अब भी आज्ञा न माननेवालों में कार्य करता है।इन में हम भी सब के सब पहिले अपने शरीर की लालसाओं में दिन बिताते थे, और शरीर, और मन की मनसाएं पूरी करते थे, और और लोगों के समान स्वभाव ही से क्रोध की सन्तान थे।

इफिसियों 2:1–3

- हम ————————— थे।

यीशु ने उस को उत्तर दिया; कि मैं तुझ से सच सच कहता हूं, यदि कोई नये सिरे से न जन्में तो परमेश्वर का राज्य देख नहीं सकता। नीकुदेमुस ने उस से कहा, मनुष्य जब बूढ़ा हो गया, तो क्योंकर जन्म ले सकता है? यीशु ने उत्तर दिया, कि मैं तुझ से सच सच कहता हूं; जब तक कोई मनुष्य जल और आत्मा से न जन्मे तो वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता। क्योंकि जो शरीर से जन्मा है, वह शरीर है; और जो आत्मा से जन्मा है, वह आत्मा है। अचम्भा न कर, कि मैं ने तुझ से कहा; कि तुम्हें नये सिरे से जन्म लेना अवश्य है। हवा जिधर चाहती है उधर चलती है, और तू उसका शब्द सुनता है, परन्तु नहीं जानता, कि वह कहां से आती और किधर को जाती है? जो कोई आत्मा से जन्मा है वह ऐसा ही है।

यूहन्ना 3:3–8

- हम अन्धकार में जीवन बिता रहे थे।

क्योंकि जो कोई बुराई करता है, वह ज्योति से बैर रखता है, और ज्योति के निकट नहीं आता, ऐसा न हो कि उसके कामों पर दोष लगाया जाए।

यूहन्ना 3:20

परन्तु यदि हमारे सुसमाचार पर परदा पड़ा है, तो यह नाश होनेवालों ही के लिये पड़ा है।और उन अविश्वासियों के लिये, जिन की बुद्धि को इस संसार के ईश्वर ने अन्धी कर दी है, ताकि मसीह जो परमेश्वर का प्रतिरूप है, उसके तेजोमय सुसमाचार का प्रकाश उन पर न चमके।

2 कुरिन्थियों 4:3–4

क्योंकि तुम तो पहले अन्धकार थे परन्तु अब प्रभु में ज्योति हो, सो ज्योति की सन्तान की नाई चलो।

इफिसियों 5:8

- हम अनाज्ञाकारिता की सन्तान थे।

इसलिये जैसा एक मनुष्य के द्वारा पाप जगत में आया, और पाप के द्वारा मृत्यु आई, और इस रीति से मृत्यु सब मनुष्यों में फैल गई, इसलिये कि सब ने पाप किया। क्योंकि व्यवस्था के दिए जाने तक पाप जगत में तो था, परन्तु जहां व्यवस्था नहीं, वहां पाप गिना नहीं जाता।तौभी आदम से लेकर मूसा तक मृत्यु ने उन लोगों पर भी राज्य किया, जिन्हों ने उस आदम के अपराध की नाईं जो उस आनेवाले का चिन्ह है, पाप न किया।

रोमियों 5:12–14

इस पर यहोवा ने सुखदायक सुगन्ध पाकर सोचा, कि मनुष्य के कारण मैं फिर कभी भूमि को शाप न दूंगा, यद्यपि मनुष्य के मन में बचपन से जो कुछ उत्पन्न होता है सो बुरा ही होता है; तौभी जैसा मैं ने सब जीवों को अब मारा है, वैसा उनको फिर कभी न मारूंगा।

उत्पत्ति 8:21

- हम पापमय इच्छाओं के द्वारा घिरे हुए थे।

क्या तुम नहीं जानते, कि जिस की आज्ञा मानने के लिये तुम अपने आप को दासों की नाईं सौंप देते हो, उसी के दास होः और जिस की मानते हो, चाहे पाप के, जिस का अन्त मृत्यु है, चाहे आज्ञा मानने के, जिस का अन्त धार्मिकता है?परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, कि तुम जो पाप के दास थे तौभी मन से उस उपदेश के माननेवाले हो गए, जिस के सांचे में ढाले गए थे।

रोमियों 6:16–17

और विरोधियों को नम्रता से समझाए, क्या जाने परमेश्वर उन्हें मन फिराव का मन दे, कि वे भी सत्य को पहिचानें।और इस के द्वारा उस की इच्छा पूरी करने के लिये सचेत होकर शैतान के फंदे से छूट जाए।।

2 तीमुथियुस 2:25–26

- हम नरक के लिए ————————— थे।

जो उस पर विश्वास करता है, उस पर दंड की आज्ञा नहीं होती, परन्तु जो उस पर विश्वास नहीं करता, वह दोषी ठहरा चुका; इसलिये कि उस ने परमेश्वर के एकलौते पुत्र के नाम पर विश्वास नहीं किया।

यूहन्ना 3:18

- परमेश्वर ने अपने अनुग्रह के द्वारा क्या ————————— ।

हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो, कि उस ने हमें मसीह में स्वर्गीय स्थानों में सब प्रकार की आशीष दी है।जैसा उस ने हमें जगत की उत्पति से पहिले उस में चुन लिया, कि हम उसके निकट प्रेम में पवित्र और निर्दोष हों। और अपनी इच्छा की सुमति के अनुसार हमें अपने लिये पहिले से ठहराया, कि यीशु मसीह के द्वारा हम उसके लेपालक पुत्र हों, कि उसके उस अनुग्रह की महिमा की स्तुति हो, जिसे उस ने हमें उस प्यारे में सेंत मेंत दिया। हम को उस में उसके लोहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात् अपराधों की क्षमा, उसके उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है। जिसे उस ने सारे ज्ञान और समझ सहित हम पर बहुतायत से किया। कि उस ने अपनी इच्छा का भेद उस सुमति के अनुसार हमें बताया जिसे उस ने अपने आप में ठान लिया था।कि समयों के पूरे होने का ऐसा प्रबन्ध हो कि जो कुछ स्वर्ग में है, और जो कुछ पृथ्वी पर है, सब कुछ वह मसीह में एकत्र करे। उसी में जिस में हम भी उसी की मनसा से जो अपनी इच्छा के मत के अनुसार सब कुछ करता है, पहिले से ठहराए जाकर मीरास बने। कि हम जिन्हों ने पहिले से मसीह पर आशा रखी थी, उस की महिमा की स्तुति के कारण हों। और उसी में तुम पर भी जब तुम ने सत्य का वचन सुना, जो तुम्हारे उद्धार का सुसमाचार है, और जिस

पर तुम ने विश्वास किया, प्रतिज्ञा किए हुए पवित्र आत्मा की छाप लगी।वह उसके मोल लिए हुओं के छुटकारे के लिये हमारी मीरास का बयाना है, कि उस की महिमा की स्तुति हो।।

इफिसियों 1:3—14

- ⊡ पिता ने हमारे उद्धार की योजना को बनाया।
- ⊡ पुत्र ने हमारे उद्धार को ————————
- ⊡ पवित्र आत्मा ने हमारे उद्धार को सुरक्षित किया।
- o कलीसिया होने के नाते अभी हम क्या हैं।

सो हे भाइयो, जब कि हमें यीशु के लोहू के द्वारा उस नए और जीवते मार्ग से पवित्र स्थान में प्रवेश करने का हियाव हो गया है। जो उस ने परदे अर्थात् अपने शरीर में से होकर, हमारे लिये अभिषेक किया है, और इसलिये कि हमारा ऐसा महान याजक है, जो परमेश्वर के घर का अधिकारी है। तो आओ; हम सच्चे मन, और पूरे विश्वास के साथ, और विवेक को दोष दूर करने के लिये हृदय पर छिड़काव लेकर, और देह को शुद्ध जल से धुलवाकर परमेश्वर के समीप जाएं। और अपनी आशा के अंगीकार को दृढ़ता से थामें रहें; क्योंकि जिस ने प्रतिज्ञा किया है, वह सच्चा है। और प्रेम, और भले कामों में उस्काने के लिये एक दूसरे की चिन्ता किया करें। और एक दूसरे के साथ इकट्ठा होना न छोड़ें, जैसे कि कितनों की रीति है, पर एक दूसरे को समझाते रहें; और ज्यों ज्यों उस दिन को निकट आते देखो, त्यों त्यों और भी अधिक यह किया करो।।

इब्रानियों 10:19—25

- ⊡ हम नयी वाचा को ग्रहण करने वाले हैं।
  - ◆ हमारे पास परमेश्वर के पास पहुचने का रास्ता है।
    - o पुरानी वाचा
      - ◆ आज्ञाः भय के साथ पीछे खड़े रहें।

जब तीसरा दिन आया तब भोर होते बादल गरजने और बिजली चमकने लगी, और पर्वत पर काली घटा छा गई, फिर नरसिंगे का शब्द बड़ा भरी हुआ, और छावनी में जितने लोग थे सब कांप उठे। तब मूसा लोगों को परमेश्वर से भेंट करने के लिये छावनी से निकाल ले गया; और वे पर्वत के नीचे खड़े हुए। और यहोवा जो आग में होकर सीनै पर्वत पर उतरा था, इस कारण समस्त पर्वत धुएं से भर गया; और उसका धुआं भट्टे का सा उठ रहा था, और समस्त पर्वत बहुत कांप रहा था फिर जब नरसिंगे का शब्द बढ़ता और बहुत भारी होता गया, तब मूसा बोला, और परमेश्वर ने वाणी सुनाकर उसको उत्तर दिया। और यहोवा सीनै पर्वत की चोटी पर उतरा; और मूसा को पर्वत की चोटी पर बुलाया और मूसा ऊपर चढ़ गया। तब यहोवा ने मूसा से कहा, नीचे उतरके लोगों को चितावनी दे, कहीं ऐसा न हो कि वे बाड़ा तोड़ के यहोवा के पास देखने को घुसें, और उन में से बहुत नाश हों जाएं। और याजक जो यहोवा के समीप आया करते हैं वे भी अपने को पवित्र करें, कहीं ऐसा न हो कि यहोवा उन पर टूट पड़े।

निर्गमन 19:16—22

- प्रयोजनः प्रायश्चित के दिन में एक वार्षिक बलिदान।

और तुम लोगों के लिये यह सदा की विधि होगी कि सातवें महीने के दसवें दिन को तुम अपने अपने जीव को दुःख देना, और उस दिन कोई, चाहे वह तुम्हारे निज देश को हो चाहे तुम्हारे बीच रहने वाला कोई परदेशी हो, कोई भी किसी प्रकार का काम काज न करे;क्योंकि उस दिन तुम्हें शुद्ध करने के लिये तुम्हारे निमित्त प्रायश्चित्त किया जाएगा; और तुम अपने सब पापों से यहोवा के सम्मुख पवित्र ठहरोगे।

लैवव्यवस्था 16:29–30

- तत्व....

o ————— पवित्र स्थान में याजक प्रवेश करता है।

और जब हारून पवित्रस्थान में प्रवेश करे तब इस रीति से प्रवेश करे, अर्थात् पापबलि के लिये एक बछड़े को और होमबलि के लिये एक मेढ़े को लेकर आए। वह सनी के कपड़े का पवित्र अंगरखा, और अपने तन पर सनी के कपड़े की जांघिया पहिने हुए, और सनी के कपड़े का कटिबन्द, और सनी के कपड़े की पगड़ी बांधे हुए प्रवेश करे; ये पवित्र स्थान हैं, और वह जल से स्नान करके इन्हें पहिने।

लैवव्यवस्था 16:3–4

o निष्कलंक मेम्ने का लहू।

और हारून उस पापबलि के बछड़े को जो उसी के लिये होगा समीप ले आए, और उसको बलिदान करके अपने और अपने घराने के लिये प्रायश्चित्त करे।

लैवव्यवस्था 16:11

फिर वह उस पापबलि के बकरे को जो साधारण जनता के लिये होगा बलिदान करके उसके लोहू को बीचवाले पर्दे के भीतर ले आए, और जिस प्रकार बछड़े के लोहू से उस ने किया था ठीक वैसा ही वह बकरे के लोहू से भी करे, अर्थात् उसको प्रायश्चित्त के ढकने के ऊपर और उसके साम्हने छिड़के।और वह इस्राएलियों की भांति भांति की अशुद्धता, और अपराधों, और उनके सब पापों के कारण पवित्रस्थान के लिये प्रायश्चित्त करे; और मिलापवाला तम्बू जो उनके संग उनकी भांति भांति की अशुद्धता के बीच रहता है उसके लिये भी वह वैसा ही करे।

लैवव्यवस्था 16:15–16

o एक बलिदान जिसे ———————— की जरूरत होगी।

और यह तुम्हारे लिये सदा की विधि होगी, कि इस्राएलियों के लिये प्रतिवर्ष एक बार तुम्हारे सारे पापों के लिये प्रायश्चित्त किया जाए। यहोवा की इस आज्ञा के अनुसार जो उस ने मूसा को दी थी हारून ने किया।।

लैवव्यवस्थ 16:34

o प्रभाव.....

- हमारे सारे पापों को याद दिलाता है।

परन्तु उन के द्वारा प्रति वर्ष पापों का स्मरण हुआ करता है।क्योंकि अनहोना है, कि बैलों और बकरों का लोहू पापों को दूर करे।

इब्रानियों 19:3–4

- नयी वाचा.....
  - आज्ञाः विश्वास के द्वारा नजदीक आयें।

तुम तो उस पहाड़ के पास जो छूआ जा सकता था और आग से प्रज्वलित था, और काली घटा, और अन्धेरा, और आन्धी के पास।और तुरही की ध्वनि, और बोलनेवाले के ऐसे शब्द के पास नहीं आए, जिस के सुननेवालों ने बिनती की, कि अब हम से और बातें न की जाएं।क्योंकि वे उस आज्ञा को न सह सके, कि यदि कोई पशु भी पहाड़ को छूए, तो पत्थरवाह किया जाए।और वह दर्शन ऐसा डरावना था, कि मूसा ने कहा; मैं बहुत डरता और कांपता हूं।पर तुम सिय्योन के पहाड़ के पास, और जीवते परमेश्वर के नगर स्वर्गीय यरूशलेम के पास।और लाखों स्वर्गदूतों और उन पहिलौठों की साधारण सभा और कलीसिया जिन के नाम स्वर्ग में लिखे हुए हैंः और सब के न्यायी परमेश्वर के पास, और सिद्ध किए हुए धर्मियों की आत्माओं। और नई वाचा के मध्यस्थ यीशु, और छिड़काव के उस लोहू के पास आए हो, जो हाबिल के लोहू से उत्तम बातें कहता है।

इब्रानियों 12:18–24

- प्रयोजनः मसीह की मृत्यु में हमेशा तक बने रहने वाला बलिदान।

उसी इच्छा से हम यीशु मसीह की देह के एक ही बार बलिदान चढ़ाए जाने के द्वारा पवित्र किए गए हैं।

इब्रानियों 10:10

- तत्व....
  - महायाजक स्वर्गीय पवित्र स्थान में प्रवेश कर रहा है।

क्योंकि मसीह ने उस हाथ के बनाए हुए पवित्र स्थान में जो सच्चे पवित्र स्थान का नमूना है, प्रवेश नहीं किया, पर स्वर्ग ही में प्रवेश किया, ताकि हमारे लिये अब परमेश्वर के साम्हने दिखाई दे।

इब्रानियों 9:24

- एक निष्पाप मनुष्य का लोहू।

क्योंकि जब बकरों और बैलों का लोहू और कलोर की राख अपवित्र लोगों पर छिड़के जाने से शरीर की शुद्धता के लिये पवित्र करती है। तो मसीह का लोहू जिस ने अपने आप को सनातन आत्मा के द्वारा परमेश्वर के साम्हने निर्दोष चढ़ाया, तुम्हारे विवेक को मरे हुए कामों से क्यों न शुद्ध करेगा, ताकि तुम जीवते परमेश्वर की सेवा करो।

इब्रानियों 9:13–14

- एक बलिदान जो ———————— तक बना रहेगा।

और हर एक याजक तो खड़े होकर प्रति दिन सेवा करता है, और एक ही प्रकार के बलिदान को जो पापों को कभी भी दूर नहीं कर सकते; बार बार चढ़ाता है।पर यह व्यक्ति तो पापों के बदले एक ही बलिदान सर्वदा के लिये चढ़ाकर परमेश्वर के दहिने जा बैठा। और उसी समय से इस की बाट जोह रहा है, कि उसके बैरी उसके पांवों के नीचे की पीढ़ी बनें।क्योंकि उस ने एक ही चढ़ावे के द्वारा उन्हें जो पवित्र किए जाते हैं, सर्वदा के लिये सिद्ध कर दिया है।

इब्रानियों 10: 11–14

- प्रभाव...
- हमारे सारे पाप का ———————— जाना

(फिर वह यह कहता है, कि) मैं उन के पापों को, और उन के अधर्म के कामों को फिर कभी स्मरण न करूंगा। और जब इन की क्षमा हो गई है, तो फिर पाप का बलिदान नहीं रहा।।

इब्रानियों 10:17–18

- ☑ हमारी लज्जा खत्म हो गयी।
- ☑ हमारा विवेक शुद्ध।
- हमारे पास परमेश्वर के सम्मुख एक———————— है।
- यीशु एक अनन्त राजा है जो हमेशा के लिए हम पर राज्य करता है।

और हर एक याजक तो खड़े होकर प्रति दिन सेवा करता है, और एक ही प्रकार के बलिदान को जो पापों को कभी भी दूर नहीं कर सकते; बार बार चढ़ाता है।पर यह व्यक्ति तो पापों के बदले एक ही बलिदान सर्वदा के लिये चढ़ाकर परमेश्वर के दहिने जा बैठा।और उसी समय से इस की बाट जोह रहा है, कि उसके बैरी उसके पांवों के नीचे की पीढ़ी बनें।क्योंकि उस ने एक ही चढ़ावे के द्वारा उन्हें जो पवित्र किए जाते हैं, सर्वदा के लिये सिद्ध कर दिया है।

इब्रानियों 10:11–14

- यीशु वह ———————— है जो हमारा प्रतिनिधित्व करता है।

वे तो बहुत से याजक बनते आए, इस का कारण यह था कि मृत्यु उन्हें रहने नहीं देती थी। पर यह युगानुयुग रहता है; इस कारण उसका याजक पद अटल है। इसी लिये जो उसके द्वारा परमेश्वर के पास आते हैं, वह उन का पूरा पूरा उद्धार कर सकता है, क्योंकि वह उन के लिये बिनती करने को सर्वदा जीवित है।।

इब्रानियों 7:23–25

- हम एक नये ———————— के सदस्य है।

तो आओ; हम सच्चे मन, और पूरे विश्वास के साथ, और विवेक को दोष दूर करने के लिये हृदय पर छिड़काव लेकर, और देह को शुद्ध जल से धुलवाकर परमेश्वर के समीप जाएं और अपनी आशा के अंगीकार को दृढ़ता से थामें रहें; क्योंकि जिस ने प्रतिज्ञा किया है, वह सच्चा है और प्रेम, और भले कामों में उस्काने के लिये एक दूसरे की चिन्ता किया करें।और एक दूसरे के साथ इकट्ठा होना न छोड़ें, जैसे कि कितनों की रीति है, पर एक दूसरे को समझाते रहें; और ज्यों ज्यों उस दिन को निकट आते देखो, त्यों त्यों और भी अधिक यह किया करो।।

इब्रानियों 10:22–25

- हम ————————— के द्वारा परमेश्वर के नजदीक एक साथ आते हैं।
  - हम ईमानदार इच्छाओं के साथ में उसके सामने आते हैं
  - हम ————————— के साथ में उसके सामने आते हैं।
  - हम शुद्ध हृदय के साथ उसके सामने आते हैं।
  - हम ————————— के साथ उसके सामने आते हैं
- हम एक साथ मिलकर आशा में परमेश्वर को पकड़े रहते हैं।
  - हमारी ————————— में बाधा...
  - ☐ हम ————————— का सामना करेंगे।
  - ☐ हम परीक्षाओं का सामना करेगें।

परन्तु उन पहिले दिनों को स्मरण करो, जिन में तुम ज्योति पाकर दुखों के बड़े झमेले में स्थिर रहे।कुछ तो यों, कि तुम निन्दा, और क्लेश सहते हुए तमाशा बने, और कुछ यों, कि तुम उन के साझी हुए जिन की दुर्दशा की जाती थीं।क्योंकि तुम कैदियों के दुख में भी दुखी हुए, और अपनी संपत्ति भी आनन्द से लुटने दी; यह जानकर, कि तुम्हारे पास एक और भी उत्तम और सर्वदा ठहरनेवाली संपत्ति है।

इब्रानियों 32–34

- हमारी आशा का आधार....
  - ☐ परमेश्वर की अपनी प्रतिज्ञाओं के प्रति विश्वासयोग्यता।

और परमेश्वर ने इब्राहीम को प्रतिज्ञा देते समय जब कि शपथ खाने के लिये किसी को अपने से बड़ा न पाया, तो अपनी ही शपथ खाकर कहा।कि मैं सचमुच तुझे बहुत आशीष दूंगा, और तेरी सन्तान को बढ़ाता जाऊंगा।और इस रीति से उस ने धीरज धरकर प्रतिज्ञा की हुई बात प्राप्त की। मनुष्य तो अपने से किसी बड़े की शपथ खाया करते हैं और उन के हर एक विवाद का फैसला शपथ से पक्का होता है।इसलिये जब परमेश्वर ने प्रतिज्ञा के वारिसों पर और भी साफ रीति से प्रगट करना चाहा, कि उसकी मनसा बदल नहीं सकती तो शपथ को बीच में लाया।ताकि दो बे–बदल बातों के द्वारा जिन के विषय में परमेश्वर का झूठा ठहरना अन्होना है, हमारा दृढ़ता से ढाढ़स बन्ध जाए, जो शरण लेने को इसलिये दौड़े है, कि उस आशा को जो साम्हने रखी हुई है प्राप्त करें।वह आशा हमारे प्राण के लिये ऐसा लंगर है जो स्थिर और दृढ़ है, और परदे के भीतर तक पहुंचता है।जहां यीशु मलिकिसिदक की रीति पर सदा काल का महायाजक बनकर, हमारे लिये अगुआ की रीति पर प्रवेश हुआ है।।

इब्रानियों 6:13–20

- अपने लोगों के लिए यीशु की ————————— ।

और जैसे मनुष्यों के लिये एक बार मरना और उसके बाद न्याय का होना नियुक्त है। वैसे ही मसीह भी बहुतों के पापों को उठा लेने के लिये एक बार बलिदान हुआ और जो लोग उस की बाट जोहते हैं, उन के उद्धार के लिये दूसरी बार बिना पाप के दिखाई देगा।।

इब्रानियों 9:27–28

सो अपना हियाव न छोड़ो क्योंकि उसका प्रतिफल बड़ा है। क्योंकि तुम्हें धीरज धरना अवश्य है, ताकि परमेश्वर की इच्छा को पूरी करके तुम प्रतिज्ञा का फल पाओ। क्योंकि अब बहुत ही थोड़ा समय रह गया है जब कि आनेवाला आएगा, और देर न करेगा।और मेरा धर्मी जन विश्वास से जीवित रहेगा, और यदि वह पीछे हट जाए तो मेरा मन उस से प्रसन्न न होगा। पर हम हटनेवाले नहीं, कि नाश हो जाएं पर विश्वास करनेवाले हैं, कि प्राणों को बचाएं।।

इब्रानियों 10:35–39

- हम एक साथ मिलकर एक दूसरे के प्रेम को प्रेरित करते हैं।

और आपस में भजन और स्तुतिगान और आत्मिक गीत गाया करो, और अपने अपने मन में प्रभु के साम्हने गाते और कीर्तन करते रहो।और सदा सब बातों के लिये हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम से परमेश्वर पिता का धन्यवाद करते रहो। और मसीह के भय से एक दूसरे के आधीन रहो।।

इफिसियों 5:19–21

- हम एक दूसरे के साथ लगातार मिलते हैं।
- हम नियमित तौर पर एक दूसरे को ————————— करते हैं।
- इस दुनिया में उसकी सेवा करने के द्वारा उसको महिमित करना।
  - हम मसीह की सामर्थ्य के द्वारा भरे गये हैं।

इस कारण, मैं भी उस विश्वास का समाचार सुनकर जो तुम लोगों में प्रभु यीशु पर है और सब पवित्र लोगों पर प्रगट है। तुम्हारे लिये धन्यवाद करना नहीं छोड़ता, और अपनी प्रार्थनाओं में तुम्हें स्मरण किया करता हूं।कि हमारे प्रभु यीशु मसीह का परमेश्वर जो महिमा का पिता है, तुम्हें अपनी पहचान में, ज्ञान और प्रकाश का आत्मा दे।और तुम्हारे मन की आंखें ज्योतिर्मय हों कि तुम जान लो कि उसके बुलाने से कैसी आशा होती है, और पवित्र लोगों में उस की मीरास की महिमा का धन कैसा है।और उस की सामर्थ हमारी ओर जो विश्वास करते हैं, कितनी महान है, उस की शक्ति के प्रभाव के उस कार्य्य के अनुसार।जो उस ने मसीह के विषय में किया, कि उस को मरे हुओं में से जिलाकर स्वर्गीय स्थानों में अपनी दहिनी ओर। सब प्रकार की प्रधानता, और अधिकार, और सामर्थ, और प्रभुता के, और हर एक नाम के ऊपर, जो न केवल इस लोक में, पर आनेवाले लोक में भी लिया जाएगा, बैठाया।और सब कुछ उसके पांवों तले कर दियाः और उसे सब वस्तुओं पर शिरोमणि ठहराकर कलीसिया को दे दिया।यह उसकी देह है, और उसी की परिपूर्णता है, जो सब में सब कुछ पूर्ण करता है।।

इफिसियों 1:15–23

- ⊡ मसीह के पास सारा अधिकार है।

क्योंकि पिता की प्रसन्नता इसी में है कि उस में सारी परिपूर्णता वास करे।

कुलुस्सियों 1:19

क्योंकि उस में ईश्वरत्व की सारी परिपूर्णता सदेह वास करती है।

कुलुस्सियों 2:9

- वह मृतकों में से जी उठा उद्धारकर्ता है।

इसी कारण मैं ने सब से पहिले तुम्हें वही बात पहुंचा दी, जो मुझे पहुंची थी, कि पवित्र शास्त्र के वचन के अनुसार यीशु मसीह हमारे पापों के लिये मर गया।ओर गाड़ा गया; और पवित्र शास्त्र के अनुसार तीसरे दिन जी भी उठा। और कैफा को तब बारहों को दिखाई दिया।

1 कुरिन्थियों 15:3–5

- वह एक ऊपर उठाया गया राजा है ।

और स्वर्गदूतों से उतना ही उत्तम ठहरा, जितना उस ने उन से बड़े पद का वारिस होकर उत्तम नाम पाया।

इब्रानियों 1:4

- वह सर्वश्रेष्ठ परमेश्वर है।

कि जो स्वर्ग में और पृथ्वी पर और जो पृथ्वी के नीचे है; वे सब यीशु के नाम पर घुटना टेकें।और परमेश्वर पिता की महिमा के लिये हर एक जीभ अंगीकार कर ले कि यीशु मसीह ही प्रभु है।।

फिलिप्पियों 2:10–11

- कलीसिया के पास मसीह की ———————— है।

क्योंकि उस में ईश्वरत्व की सारी परिपूर्णता सदेह वास करती है।और तुम उसी में भरपूर हो गए हो जो सारी प्रधानता और अधिकार का शिरोमणि है।

कुलुस्सियों 2:9–10

- ⊡ सारी धरती पर सारा अधिकार ———————— का है।

इसलिये मनुष्यों पर कोई घमंड न करे, क्योंकि सब कुछ तुम्हारा है।क्या पौलुस, क्या अपुल्लोस, क्या कैफा, क्या जगत, क्या जीवन, क्या मरण, क्या वर्तमान, क्या भविष्य, सब कुछ तुम्हारा है, और तुम मसीह के हो, और मसीह परमेश्वर का है।।

1 कुरिन्थियों 3:21–23

और मसीह यीशु में उसके साथ उठाया, और स्वर्गीय स्थानों में उसके साथ बैठाया। कि वह अपनी उस कृपा से जो मसीह यीशु में हम पर है, आनेवाले समयों में अपने अनुग्रह का असीम धन दिखाए।

इफिसियों 2:6–7

⊡ अब हम परमेश्वर की ————————— के प्रगट करने वाले हैं।

यीशु ने उन के पास आकर कहा, कि स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिये तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्रत्मा के नाम से बपतिस्मा दो।और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओः और देखो, मैं जगत के अन्त तक सदैव तुम्हारे संग हूं।।

मत्ती 28:18–20

⊡ परमेश्वर ने अपने पुत्र की देह को सारे संसार में अपनी महिमा को प्रगट करने के लिए बनाया हैं।

ताकि अब कलीसिया के द्वारा, परमेश्वर का नाना प्रकार का ज्ञान, उन प्रधानों और अधिकारियों पर, जो स्वर्गीय स्थानों में हैं प्रगट किया जाए।

इफिसियों 3:10

क्योंकि हमारा यह मल्लयुद्ध, लोहू और मांस से नहीं, परन्तु प्रधानों से और अधिकारियों से, और इस संसार के अन्धकार के हाकिमों से, और उस दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में हैं।

इफिसियों 6:12

⊡ परमेश्वर कहते हैं कि मेरे कलीसिया को देखो और तुम मेरे पुत्र को देख पाओगे।

कलीसिया का उल्लेख.....

- कलीसिया सार्वभौमिक और स्थानीय है।
  - कलीसिया एक घर है।

और उस कलीसिया को भी नमस्कार जो उन के घर में है। मेरे प्रिय इपैनितुस को जो मसीह के लिये आसिया का पहिला फल है, नमस्कार।

रोमियों 16:5

आसिया की कलीसियाओं की ओर से तुम को नमस्कार; अक्विला और प्रिसका का और उन के घर की कलीसिया को भी तुम को प्रभु में बहुत बहुत नमस्कार।

1 कुरिन्थियों 16:19

- शहर में कलीसिया .....

सो सारे यहूदिया, और गलील, और समरिया में कलीसिया को चैन मिला, और उसकी उन्नति होती गई; और वह प्रभु के भय और पवित्र आत्मा की शान्ति में चलती और बढ़ती जाती थी।।

प्रेरितों के काम 9:31

- संसार के अन्दर कलीसिया.....

हे पतियों, अपनी अपनी पत्नी से प्रेम रखो, जैसा मसीह ने भी कलीसिया से प्रेम करके अपने आप को उसके लिये दे दिया।

इफिसियों 5:25

और परमेश्वर ने कलीसिया में अलग अलग व्यक्ति नियुक्त किए हैं; प्रथम प्रेरित, दूसरे भविष्यद्वक्ता, तीसरे शिक्षक, फिर सामर्थ के काम करनेवाले, फिर चंगा करनेवाले, और उपकार करनेवाले, और प्रधान, और नाना प्रकार की भाषा बालनेवाले।

1 कुरिन्थियों 12:28

- नये नियम की कलीसिया में ज्यादातर जोर कलीसिया पर दिया गया है।
- ⊡ 114 बार इस्तेमाल किये जाने वाले इकिलिया शब्द में से, कम से कम ————————केवल विश्वासियों मण्डली के लिए जिक्र किया गया है।
- ⊡ स्थानीय कलीसिया सार्वभौमिक कलीसिया का एक ————————— प्रतिबिम्ब है।
- ◆ कलीसिया सदृश और ————————— दोनो ही है।
- अदृश्य कलीसियाः वह कलीसिया जैसा ————————— स्वर्ग से देखता है।

तौभी परमेश्वर की पक्की नेव बनी रहती है, और उस पर यह छाप लगी है, कि प्रभु अपनों को पहिचानता है; और जो कोई प्रभु का नाम लेता है, वह अधर्म से बचा रहे।

तीमुथियुस 2:19

- ⊡ जिसमें सच्चे विश्वासी शामिल होते हैं।
- o एक सदृश्य कलीसियाः वह कलीसिया जिसे हम धरती पर देखते हैं।

पौलुस और सिलवानुस और तीमुथियुस की ओर से थिस्सलुनीकियों की कलीसिया के नाम, जो हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह में है।। थिस्लुनिकियों 1:1

- ⬥ जिसमें कुछ झूठे विश्वासी भी शामिल होते हैं ।

और उन का वचन सड़े–घाव की नाईं फैलता जाएगाः हुमिनयुस और फिलेतुस उन्हीं में से हैं।जो यह कहकर कि पुनरूत्थान हो चुका है सत्य से भटक गए हैं, और कितनों के विश्वास को उलट पुलट कर देते हैं।

2 तीमुथियुस 2:17–18

मैं जानता हूं, कि मेरे जाने के बाद फाड़नेवाले भेड़िए तुम में आएंगे, जो झुंड को न छोड़ेंगे। तुम्हारे ही बीच में से भी ऐसे ऐसे मनुष्य उठेंगे, जो चेलों को अपने पीछे खींच लेने को टेढ़ी मेढ़ी बातें कहेंगे।

प्रेरितों के काम 20:29–30

''बहुत सी भेड़ें बाहर हैं और बहुत से भेड़िये अन्दर हैं ''

अगस्टिन

- ⬥ कलीसिया के भीतर नये नियम और पुराने नियम दोनों के विश्वासी पाये जाते हैं।
- o पुराने नियम की मण्डली.....

विशेष करके उस दिन की बातें जिस में तुम होरेब के पास अपने परमेश्वर यहोवा के साम्हने खड़े थे, जब यहोवा ने मुझ से कहा था, कि उन लोगों को मेरे पास इकट्ठा कर कि मैं उन्हें अपने वचन सुनाऊं, जिस से वे सीखें, ताकि जितने दिन वे पृथ्वी पर जीवित रहें उतने दिन मेरा भय मानते रहें, और अपने लड़के बालों को भी यही सिखाएं।

व्यवस्थाविवरण 4:10

यह वही है, जिस ने जंगल में कलीसिया के बीच उस स्वर्गदूत के साथ सीनै पहाड़ पर उस से बातें की, और हमारे बापदादों के साथ थाः उसी को जीवित वचन मिले, कि हम तक पहुंचाए।

प्रेरितों के काम 7:38

मैं अपने भइयों के सामने तेरे नाम का प्रचार करूँगा; सभों के बीच में मैं तेरी प्रशसां करूँगा।

(भजन संहिता 22:22 जिसका इस्तेमाल इब्रानियों 2:12 में किया गया)

विश्वास ही से मूसा ने सयाना होकर फिरौन की बेटी का पुत्र कहलाने से इन्कार किया। इसलिये कि उसे पाप में थोड़े दिन के सुख भोगने से परमेश्वर के लोगों के साथ दुख भोगना और उत्तम लगा। और मसीह के कारण निन्दित होने को मिसर के भंडार से बड़ा धन समझाः क्योंकि उस की आंखे फल पाने की ओर लगी थीं। विश्वास ही से राजा के क्रोध से न डरकर उस ने मिसर को छोड़ दिया, क्योंकि वह अनदेखे को मानों देखता हुआ दृढ़ रहा। विश्वास ही से उस ने फसह और लोहू छिड़कने की विधि मानी, कि पहिलौठों का नाश करनेवाला इस्राएलियों पर हाथ न डाले।

इब्रानियों 11:24–28

संसार उन के योग्य न थाः और विश्वास ही के द्वारा इन सब के विषय में अच्छी गवाही दी गई, तोभी उन्हें प्रतिज्ञा की हुई वस्तु न मिली।क्योंकि परमेश्वर ने हमारे लिये पहिले से एक उत्तम बात ठहराई, कि वे हमारे बिना सिद्धता को न पहुंचे।।

इब्रानियों 11:39–40

इस कारण जब कि गवाहों का ऐसा बड़ा बादल हम को घेरे हुए है, तो आओ, हर एक रोकनेवाली वस्तु, और उलझानेवाले पाप को दूर करके, वह दौड़ जिस में हमें दौड़ना है, धीरज से दौड़ें।

इब्रानियों 12:1

पर तुम सिय्योन के पहाड़ के पास, और जीवते परमेश्वर के नगर स्वर्गीय यरूशलेम के पास। और लाखों स्वर्गदूतों और उन पहिलौठों की साधारण सभा और कलीसिया जिन के नाम स्वर्ग में लिखे हुए हैंः और सब के न्यायी परमेश्वर के पास, और सिद्ध किए हुए धर्मियों की आत्माओं।और नई वाचा के मध्यस्थ यीशु, और छिड़काव के उस लोहू के पास आए हो, जो हाबिल के लोहू से उत्तम बातें कहता है।

इब्रानियों 12:22–24

- मुख्य भिन्नताएं.....
  - ⊡ पुराने नियम के विश्वासियों ने आने वाल मसीह पर विश्वास किया।
    - नये नियम के विश्वासी ————————— गये मसीह पर विश्वास करते हैं।
  - ⊡ पुराने नियम की कलीसियाएं पूर्णरूप में भिन्न थी।
    - नये नियम की कलीसियाओं में ————————— पायी जाती हैं।
  - ⊡ पुराने नियम की कलीसियाएं परमेश्वर के द्वारा प्राप्त व्यवस्थाओं के हिसाब से अपने समय की सरकार की अधीनता में जिए।
    - नये नियम की कलीसिया —————————` राजाओं के अधिकार में रहे।
  - ⊡ पुराने नियम में सारे लड़कों का खतना करने की मांग की गयी थी।
    - नये नियम में विश्वासियों से सारे विश्वासियों का————————— करने की मांग की गयी।
    - कलीसिया के भी यहूदी और ————————— दोनों ही आते हैं।

क्योंकि वही हमारा मेल है, जिस ने दोनों को एक कर लियाः और अलग करनेवाली दीवार को जो बीच में थी, ढा दिया।और अपने शरीर में बैर अर्थात् वह व्यवस्था जिस की आज्ञाएं विधियों की रीति पर थीं, मिटा दिया, कि दोनों से अपने में एक नया मनुष्य उत्पन्न करके मेल करा दे।और क्रूस पर बैर को नाश करके इस के द्वारा दोनों को एक देह बनाकर परमेश्वर से मिलाए। और उस ने आकर तुम्हें जो दूर थे, और उन्हें जो निकट थे, दोनों को मेल–मिलाप का सुसमाचार सुनाया।क्योंकि उस ही के द्वारा हम दोनों की एक आत्मा में पिता के पास पंहुच होती है। इसलिये तुम अब विदेशी और मुसाफिर नहीं रहे, परन्तु पवित्र लोगों के संगी स्वदेशी और परमेश्वर के घराने के हो गए।और प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की नेव पर जिस के कोने का पत्थर मसीह यीशु आप ही है, बनाए गए हो।

इफिसियों 2:14–20

- कलीसिया————————— के साथ एकत्रित किया गया है।

जैसा तू हे पिता मुझ में हैं, और मैं तुझ में हूं, वैसे ही वे भी हम में हों, इसलिये कि जगत प्रतीति करे, कि तू ही ने मुझे भेजा। और वह महिमा जो तू ने मुझे दी, मैं ने उन्हें दी है कि वे वैसे ही एक हों जैसे की हम एक हैं। मैं उन में और तू मुझ में कि वे सिद्ध होकर एक हो जाएं, और जगत जाने कि तू ही ने मुझे भेजा, और जैसा तू ने मुझ से प्रेम रखा, वैसा ही उन से प्रेम रखा।

यूहन्ना 17:21–23

परमेश्वर की उस कलीसिया के नाम जो कुरिन्थुस में है, अर्थात् उन के नाम जो मसीह यीशु में पवित्र किए गए, और पवित्र होने के लिये बुलाए गए हैं; और उन सब के नाम भी जो हर जगह हमारे और अपने प्रभु यीशु मसीह के नाम की प्रार्थना करते हैं।

1 कुरिन्थियों 1:2

- हम स्थानीय कलीसिया के भीतर एकता के लिए कार्य करते हैं।

हे भाइयो, मैं तुम से यीशु मसीह जो हमारा प्रभु है उसके नाम के द्वारा बिनती करता हूं, कि तुम सब एक ही बात कहो; और तुम में फूट न हो, परन्तु एक ही मन और एक ही मत होकर मिले रहो।

1 कुरिन्थियों 1:10

तो मेरा यह आनन्द पूरा करो कि एक मन रहो और एक ही प्रेम, एक ही चित्त, और एक ही मनसा रखो।

फिलिप्पियों 2:2

- विभाजन ————————— है।

अब हे भाइयो, मैं तुम से बिनती करता हूं, कि जो लोग उस शिक्षा के विपरीत जो तुम ने पाई है, फूट पड़ने, और ठोकर खाने के कारण होते हैं, उन्हें ताड़ लिया करो; और उन से दूर रहो।

रोमियों 16:17—18

ये तो वे है, जो फूट डालते हैं; ये शारीरिक लोग हैं, जिन में आत्मा नहीं।

यहूदा 1:19

- विभाजन ————————— है।

शरीर के काम तो प्रगट हैं, अर्थात् व्यभिचार, गन्दे काम, लुचपन।मूर्त्ति पूजा, टोना, बैर, झगड़ा, ईर्ष्या, क्रोध, विरोध, फूट, विधर्म।डाह, मलवालापन, लीलाक्रीड़ा, और इन के ऐसे और और काम हैं, इन के विषय में मैं तुम को पहिले से कह देता हूं जैसा पहिले कह भी चुका हूं, कि ऐसे ऐसे काम करनेवाले परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे।

गलातियों 5:19—21

- हम सार्वभौमिक कलीसिया में एकता के लिए कार्य करते हैं।

एक ही देह है, और एक ही आत्मा; जैसे तुम्हें जो बुलाए गए थे अपने बुलाए जाने से एक ही आशा है।एक ही प्रभु है, एक ही विश्वास, एक ही बपतिस्मा। और सब का एक ही परमेश्वर और पिता है, जो सब के ऊपर और सब के मध्य में, और सब में है।

इफिसियों 4:4—6

- कलीसिया और परमेश्वर का इस्राएल.....

और उन सब के साथ विश्वास की ढाल लेकर स्थिर रहो जिस से तुम उस दुष्ट के सब जलते हुए तीरों को बुझा सको।

गलातियों 6:16

क्योंकि वह यहूदी नहीं, जो प्रगट में यहूदी है; और न वह खतना है, जो प्रगट में है, और देह में है पर यहूदी वही है, जो मन में है; और खतना वही है, जो ह्रदय का और आत्मा में है; न कि लेख काः ऐसे की प्रशंसा मनुष्यों की ओर से नहीं, परन्तु परमेश्वर की ओर से होती है।।

रोमियों 2:28—29

- हम इस्राएल के पिता की सन्ताने हैं।

और उस ने खतने का चिन्ह पाया, कि उस विश्वास की धार्मिकता पर छाप हो जाए, जो उस ने बिना खतने की दशा में रखा थाः जिस से वह उन सब का पिता ठहरे, जो बिना खतने की दशा में विश्वास करते हैं, और कि वे भी धर्मी ठहरें।और उन

खतना किए हुओं का पिता हो, जो न केवल खतना किए हुए हैं, परन्तु हमारे पिता इब्राहीम के उस विश्वास की लीक पर भी चलते हैं, जो उस ने बिन खतने की दशा में किया था।

रोमियों 4:11–12

परन्तु यह नहीं, कि परमेश्वर का वचन टल गया, इसलिये कि जो इस्राएल के वंश हैं, वे सब इस्राएली नहीं।और न इब्राहीम के वंश होने के कारण सब उस की सन्तान ठहरे, परन्तु (लिखा है) कि इसहाक ही से तेरा वंश कहलाएगा। अर्थात् शरीर की सन्तान परमेश्वर की सन्तान नहीं, परन्तु प्रतिज्ञा के सन्तान वंश गिने जाते हैं।

रोमियों 9: 6–8

जैसा वह होशे की पुस्तक में भी कहता है, कि जो मेरी प्रजा न थी, उन्हें मैं अपनी प्रजा कहूंगा, और जो प्रिया न थी, उसे प्रिया कहूंगा।

रोमियों 9:25

- हम इस्राएल की प्रतिज्ञाओं के————————— हैं।

और यदि तुम मसीह के हो, तो इब्राहीम के वंश और प्रतिज्ञा के अनुसार वारिस भी हो।।

गलातियों 3:29

क्योंकि यह प्रतिज्ञा कि वह जगत का वारिस होगा, न इब्राहीम को, न उसके वंश को व्यवस्था के द्वारा दी गई थी, परन्तु विश्वास की धार्मिकता के द्वारा मिली। क्योंकि यदि व्यवस्थावाले वारिस हैं, तो विश्वास व्यर्थ और प्रतिज्ञा निष्फल ठहरी।व्यवस्था तो क्रोध उपजाती है और जहां व्यवस्था नहीं वहां उसका टालना भी नहीं।इसी कारण वह विश्वास के द्वारा मिलती है, कि अनुग्रह की रीति पर हो, कि प्रतिज्ञा सब वंश के लिये दृढ़ हो, न कि केवल उसके लिये जो व्यवस्थावाला है, बरन उन के लिये भी जो इब्राहीम के समान विश्वासवाले हैं: वही तो हम सब का पिता है।(जैसा लिखा है, कि मैं ने तुझे बहुत सी जातियों का पिता ठहराया है) उस परमश्वेर के साम्हने जिस पर उस ने विश्वास किया और जो मरे हुओं को जिलाता है, और जो बातें हैं ही नहीं, उन का नाम ऐसा लेता है, कि मानो वे हैं।उस ने निराशा में भी आशा रखकर विश्वास किया, इसलिये कि उस वचन के अनुसार कि तेरा वंश ऐसा होगा वह बहुत सी जातियों का पिता हो।और वह जो एक सौ वर्ष का था, अपने मरे हुए से शरीर और सारा के गर्भ की मरी हुई की सी दशा जानकर भी विश्वास में निर्बल न हुआ।और न अविश्वासी होकर परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर संदेह किया, पर विश्वास में दृढ़ होकर परमेश्वर की महिमा की।और निश्चय जाना, कि जिस बात की उस ने प्रतिज्ञा की है, वह उसे पूरी करने को भी सामर्थी है।इस कारण, यह उसके लिये धार्मिकता गिना गया। और यह वचन, कि विश्वास उसके लिये धार्मिकता गिया गया, न केवल उसी के लिये लिखा गया।बरन हमारे लिये भी जिन के लिये विश्वास धार्मिकता गिना जाएगा, अर्थात् हमारे लिये जो उस पर विश्वास करते हैं, जिस ने हमारे प्रभु यीशु को मरे हुओं में से जिलाया।वह हमारे अपराधों के लिये पकड़वाया गया, और हमारे धर्मी ठहरने के लिये जिलाया भी गया।।

रोमियों 4:13–25

- हम इस्राएल की आशीषों को प्राप्त करने वाले हैं।

उसके पास आकर, जिसे मनुष्यों ने तो निकम्मा ठहराया, परन्तु परमेश्वर के निकट चुना हुआ, और बहुमूल्य जीवता पत्थर है। तुम भी आप जीवते पत्थरों की नाई आत्मिक घर बनते जाते हो, जिस से याजकों का पवित्र समाज बनकर, ऐसे आत्मिक बलिदान चढ़ाओ, जो यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर को ग्राह्य हो। इस कारण पवित्र शास्त्र में भी आया है, कि देखो, मैं सिय्योन में कोने के सिरे का चुना हुआ और बहुमूल्य पत्थर धरता हूं: और जो कोई उस पर विश्वास करेगा, वह किसी रीति से लज्जित नहीं होगा। सो तुम्हारे लिये जो विश्वास करते हो, वह तो बहुमूल्य है, पर जो विश्वास नहीं करते उन के लिये जिस पत्थर को राजमिस्त्रीयों ने निकम्मा ठहराया था, वही कोने का सिरा हो गया। और ठेस लगने का पत्थर और ठोकर खाने की चट्टान हो गया है: क्योंकि वे तो वचन को न मानकर ठोकर खाते हैं और इसी के लिये वे ठहराए भी गए थे। पर तुम एक चुना हुआ वंश, और राज–पदधारी, याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हो, इसलिये कि जिस ने तुम्हें अन्धकार में से अपनी अद्‌भुत ज्योति में बुलाया है, उसके गुण प्रगट करो। तुम पहिले तो कुछ भी नहीं थे, पर अब परमेश्वर की प्रजा हो: तुम पर दया नहीं हुई थी पर अब तुम पर दया हुई है।।

1 पतरस 2:4–10

- कलीसिया और परमेश्वर का ———————— .....
- कलीसिया कोई राज्य नहीं है।

परन्तु जब उन्हों ने फिलिप्पुस की प्रतीति की जो परमेश्वर के राज्य और यीशु के नाम का सुसमाचार सुनाता था तो लोग, क्या पुरूष, क्या स्त्री बपतिस्मा लेने लगे।

प्रेरितों के काम 8:12

और वह आराधनालय में जाकर तीन महीने तक निडर होकर बोलता रहा, और परमेश्वर के राज्य के विषय में विवाद करता और समझाता रहा।

प्रेरितों के काम 19:8

और अब देखो, मैं जानता हूं, कि तुम सब जिन से मैं परमेश्वर के राज्य का प्रचार करता फिरा, मेरा मुंह फिर न देखोगे।

प्रेरितों के काम 20:25

और जो उसके पास आते थे, उन सब से मिलता रहा और बिना रोक टोक बहुत निडर होकर परमेश्वर के राज्य का प्रचार करता और प्रभु यीशु मसीह की बातें सिखाता रहा।।

प्रेरितों के काम 28: 31

- राज्य कलीसिया का ———————— करता है।

धन्य हैं वे, जो मन के दीन हैं, क्योंकि स्वर्ग का राज्य उन्हीं का है।

मत्ती 5:3

जो मुझ से, हे प्रभु, हे प्रभु कहता है, उन में से हर एक स्वर्ग के राज्य में प्रवेश न करेगा, परन्तु वही जो मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चलता है।

मत्ती 7:21

सो जैसे जंगली दाने बटोरे जाते और जलाए जाते हैं वैसा ही जगत के अन्त में होगा।मनुष्य का पुत्र अपने स्वर्गदूतों को भेजेगा, और वे उसके राज्य में से सब ठोकर के कारणों को और कुकर्म करनेवालों को इकट्ठा करेंगे।और उन्हें आग के कुंड में डालेंगे, वहां रोना और दांत पीसना होगा।उस समय धर्मी अपने पिता के राज्य में सूर्य की नाई चमकेंगे; जिस के कान हों वह सुन ले।।

मत्ती 13:40–43

- कलीसिया परमेश्वर के राज्य का ———————— करता है।

और राज्य का यह सुसमाचार सारे जगत में प्रचार किया जाएगा, कि सब जातियों पर गवाही हो, तब अन्त आ जाएगा।।

मत्ती 24:14

- कलीसिया राज्य का औजार है।

बीमारों को चंगा करोः मरे हुओं को जिलाओः कोढ़ियों को शुद्ध करोः दुष्टात्माओं को निकालोः तुम ने सेंतमेंत पाया है, सेंतमेंत दो।

मत्ती 10:8

वे सत्तर आनन्द से फिर आकर कहने लगे, हे प्रभु, तेरे नाम से दुष्टात्मा भी हमारे वश में है।

लूका 10:17

- कलीसिया राज्य की देखभाल करने वाली है।

मैं तुझे स्वर्ग के राज्य की कुंजियां दूंगाः और जो कुछ तू पृथ्वी पर बान्धेगा, वह स्वर्ग में बन्धेगा; और जो कुछ तू पृथ्वी पर खोलेगा, वह स्वर्ग में खुलेगा।

मत्ती 16:19

- यीशु अपनी कलीसिया के लिए वापस आयेगा।

तब मनुष्य के पुत्र का चिन्ह आकाश में दिखाई देगा, और तब पृथ्वी के सब कुलों के लोग छाती पीटेंगे; और मनुष्य के पुत्र को बड़ी सामर्थ और ऐश्वर्य के साथ आकाश के बादलों पर आते देखेंगे। और वह तुरही के बड़े शब्द के साथ, अपने दूतों को भेजेगा, और वे आकाश के इस छोर से उस छोर तक, चारों दिशा से उसके चुने हुओं को इकट्ठे करेंगे।

मत्ती 24:30–31

अब हमारा परमेश्वर और पिता आप ही और हमारा प्रभु यीशु, तुम्हारे यहां आने के लिये हमारी अगुवाई करे। और प्रभु ऐसा करे, कि जेसा हम तुम से प्रेम रखते हैं; वैसा ही तुम्हारा प्रेम भी आपस में, और सब मनुष्यों के साथ बढ़े, और उन्नति करता जाए। ताकि वह तुम्हारे मनों को ऐसा स्थिर करे, कि जब हमारा प्रभु यीशु अपने सब पवित्र लोगों के साथ आए, तो वे हमारे परमेश्वर और पिता के साम्हने पवित्रत में निर्दोष ठहरें।।

1 थिस्लुनिकियों 13:11–13

- यीशु अपनी कलीसिया को पूरा करेगा।

इस के बाद अन्त होगा; उस समय वह सारी प्रधानता और सारा अधिकार और सामर्थ का अन्त करके राज्य को परमेश्वर पिता के हाथ में सौंप देगा।

1 कुरिन्थियों 15:24

कलीसिया के प्रति भक्ति.....

- क्या कलीसिया की सदस्या जरूरी है?
- कलीसिया के अन्दर सदस्यता को लेना बाईबल के अन्दर कोई ————————— नहीं है।
- कलीसिया मे सदस्या को स्थानीय कलीसिया में बाइबल के आधार पर————————— किया गया है ।

आंख हाथ से नहीं कह सकती, कि मुझे तेरा प्रयोजन नहीं, और न सिर पांवों से कह सकता है, कि मुझे तुम्हारा प्रयोजन नहीं। परन्तु देह के वे अंग जो औरों से निर्बल देख पड़ते हैं, बहुत ही आवश्यक हैं। और देह के जिन अंगो को हम आदर के योग्य नहीं समझते हैं उन्ही को हम अधिक आदर देते हैं; और हमारे शोभाहीन अंग और भी बहुत शोभायमान हो जाते हैं।फिर भी हमारे शोभायमान अंगो को इस का प्रयोजन नहीं, परन्तु परमेश्वर ने देह को ऐसा बना दिया है, कि जिस अंग को घटी थी उसी को और भी बहुत आदर हो। ताकि देह में फूट न पड़े, परन्तु अंग एक दूसरे की बराबर चिन्ता करें। इसलिये यदि एक अंग दुःख पाता है, तो सब अंग उसके साथ दुःख पाते हैं; और यदि एक अंग की बड़ाई होती है, तो उसके साथ सब अंग आनन्द मनाते हैं।

1 कुरिन्थियों 12:21–26

- सदस्यता को कलीसिया की ————————— के द्वारा समावेशित किया गया।

आसिया की कलीसियाओं की ओर से तुम को नमस्कार; अक्विला और प्रिसल्लि का और उन के घर की कलीसिया को भी तुम को प्रभु में बहुत बहुत नमस्कार।

1 कुरिन्थियों 16:19

सदस्यता को कलीसिया अनुशासन के द्वारा समावेशित नहीं किया गया।

यदि तेरा भाई तेरा अपराध करे, तो जा और अकेले में बातचीत करके उसे समझा; यदि वह तेरी सुने तो तू ने अपने भाई को पा लिया।और यदि वह न सुने, तो और एक दो जन को अपने साथ ले जा, कि हर एक बात दो या तीन गवाहों के मुंह से ठहराई जाए।यदि वह उन की भी न माने, तो कलीसिया से कह दे, परन्तु यदि वह कलीसिया की भी न माने, तो तू उसे अन्यजाति और महसूल लेनेवाले के ऐसा जान।

मत्ती 18:15–17

मैं ने अपनी पत्री में तुम्हें लिखा है, कि व्यभिचारियों की संगति न करना।यह नहीं, कि तुम बिल्कुल इस जगत के व्यभिचारियों, या लोभियों, या अन्धेर करनेवालों, या मूर्त्तिपूजकों की संगति न करो; क्योंकि इस दशा में तो तुम्हें जगत में से निकल जाना ही पड़ता। मेरा कहना यह है; कि यदि कोई भाई कहलाकर, व्यभिचारी, या लोभी, या मूर्त्तिपूजक, या गाली देनेवाला, या पियक्कड़, या अन्धेर करनेवाला हो, तो उस की संगति मत करना; बरन ऐसे मनुष्य के साथ खाना भी न खाना। क्योंकि मुझे बाहरवालों का न्याय करने से क्या काम? क्या तुम भीतरवालों का न्याय नहीं करते? परन्तु बाहरवालों का न्याय परमेश्वर करता है: इसलिये उस कुकर्मी को अपने बीच में से निकाल दो।।

1 कुरिन्थियों 5:9–13

⊡ सदस्यता कलीसिया की ————————— के द्वारा समावेशित किया गया है।

अपने अगुवों की मानो; और उनके अधीन रहो, क्योंकि वे उन की नाई तुम्हारे प्राणों के लिये जागते रहते, जिन्हें लेखा देना पड़ेगा, कि वे यह काम आनन्द से करें, न कि ठंडी सांस ले लेकर, क्योंकि इस दशा में तुम्हें कुछ लाभ नहीं।

इब्रानियों 13:17

इसलिये अपनी और पूरे झुंड की चौकसी करो; जिस से पवित्र आत्मा ने तुम्हें अध्यक्ष ठहराया है; कि तुम परमेश्वर की कलीसिया की रखवाली करो, जिसे उस ने अपने लोहू से मोल लिया है।

प्रेरितों के काम20:28

कि परमेश्वर के उस झुंड की, जो तुम्हारे बीच में हैं रखवाली करो; और यह दबाव से नहीं, परन्तु परमेश्वर की इच्छा के अनुसार आनन्द से, और नीच–कमाई के लिये नहीं, पर मन लगा कर।और जो लोग तुम्हें सौंपे गए हैं, उन पर अधिकार न जताओ, बरन झुंड के लिये आदर्श बनो।

1 पतरस 5:2–3

- सदस्यता को कलीसिया के ————————— के द्वारा समावेशित किया गया।
- कलीसिया अगुवों को चुनने के लिए जिम्मेदार है।

तब उन बारहों ने चेलों की मंडली को अपने पास बुलाकर कहा, यह ठीक नहीं कि हम परमेश्वर का वचन छोड़कर खिलानेपिलाने की सेवा में रहें। इसलिये हे भाइयो, अपने में से सात सुनाम पुरूषों को जो पवित्र आत्मा और बुद्धि से परिपूर्ण

हो, चुन लो, कि हम उन्हें इस काम पर ठहरा दें। परन्तु हम तो प्रार्थना में और वचन की सेवा में लगे रहेंगे।यह बात सारी मंडली को अच्छी लगी, और उन्हों ने स्तिुफनुस नाम एक पुरूष को जो विश्वास और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण था, और फिलिप्पुस और प्रखुरूस और नीकानोर और तीमोन और परमिनास और अन्ताकीवाला नीकुलाउस को जो यहूदी मत में आ गया था, चुन लिया।और इन्हें प्रेरितों के साम्हने खड़ा किया और उन्हों ने प्रार्थना करके उन पर हाथ रखे।

प्रेरितों के काम 6:2–6

- कलीसिया सुसमाचार को प्रचार करने के लिए जिम्मेदार है।

मुझे आश्चर्य होता है, कि जिस ने तुम्हें मसीह के अनुग्रह से बुलाया उस से तुम इतनी जल्दी फिर कर और ही प्रकार के सुसमाचार की ओर झुकने लगे। परन्तु वह दूसरा सुसमाचार है ही नहीं: पर बात यह है, कि कितने ऐसे हैं, जो तुम्हें घबरा देते, और मसीह के सुसमाचार को बिगाड़ना चाहते हैं। परन्तु यदि हम या स्वर्ग से कोई दूत भी उस सुसमाचार को छोड़ जो हम ने तुम को सुनाया है, कोई और सुसमाचार तुम्हें सुनाए, तो श्रापित हो।जैसा हम पहिले कह चुके हैं, वैसा ही मैं अब फिर कहता हूं, कि उस सुसमाचार को छोड़ जिसे तुम ने ग्रहण किया है, यदि कोई और सुसमाचार सुनाता है, तो श्रापित हो। अब मैं क्या मनुष्यों को मनाता हूं या परमेश्वर को? क्या मैं मनुष्यों को प्रसन्न करना चाहता हूं?

गलातियों 1:6–9

- कलीसिया ————————को पहिचानने के लिए जिम्मेदार है।

क्योंकि मुझे बाहरवालों का न्याय करने से क्या काम? क्या तुम भीतरवालों का न्याय नहीं करते?परन्तु बाहरवालों का न्याय परमेश्वर करता है: इसलिये उस कुकर्मी को अपने बीच में से निकाल दो।।

1कुरिन्थियों 5:12–13

- कलीसिया मिशनरियों केा भेजने के लिए जिम्मेदार है।

अन्ताकिया की कलीसिया में कितने भविष्यद्वक्ता और उपदेशक थे; अर्थात् बरनबास और शमौन जो नीगर कहलाता है; और लूकियुस कुरेनी, और देश की चौथाई के राजा हेरोदेस का दूधभाई मनाहेम और शाऊल। जब वे उपवास सहित प्रभु की उपासना कर रहे थे, तो पवित्र आत्मा ने कहा; मेरे निमित्त बरनबास और शाऊल को उस काम के लिये अलग करो जिस के लिये मैं ने उन्हें बुलाया है।तब उन्हों ने उपवास और प्रार्थना करके और उन पर हाथ रखकर उन्हें विदा किया।।

प्रेरितों के काम 13:1–3

- क्या कलीसिया की वाचा मूल्यवान है?
- o परिभाषा.....
- ⊡ एक परिभाषित वाचा.....
- किसी कार्य के लिए दो लोगों या पक्षों के द्वारा मुहरबन्द पत्र पर लिखित सहमती किया जाना।

एक कलीसिया की वाचा की परिभाषा....

- कलीसिया के समपर्ण का अर्थ विश्वास के समाज के नाते एक दूसरे से प्रेम करना।
- o बुनियादें.....

इस सब के कारण, हम सच्चाई के साथ वाचा बान्धते, और लिख भी देते हैं, और हमारे हाकिम, लेवीय और याजक उस पर छाप लगाते हैं।

नहेम्याह 9:38

⊡ कलीसिया ————————— में जड़ पकड़े हुए लोगों का समाज है।

जब सातवां महीना निकट आया, उस समय सब इस्राएली अपने अपने नगर में थे। तब उन सब लोगों ने एक मन होकर, जलफाटक के साम्हने के चौक में इकट्ठे होकर, एज्रा शास्त्री से कहा, कि मूसा की जो व्यवस्था यहोवा ने इस्राएल को दी थी, उसकी पुस्तक ले आ। तब एज्रा याजक सातवें महीने के पहिले दिन को क्या स्त्री, क्या पुरुष, जितने सुनकर समझ सकते थे, उन सभों के साम्हने व्यवस्था को ले आया। और वह उसकी बातें भोर से दो पहर तक उस चौक के साम्हने जो जलफाटक के साम्हने था, क्या स्त्री, क्या पुरुष और सब समझने वालों को पढ़कर सुनाता रहा; और लोग व्यवस्था की पुस्तक पर कान लगाए रहे। एज्रा शास्त्री, काठ के एक मचान पर जो इसी काम के लिये बना था, खड़ा हो गया; और उसकी दाहिनी अलंग मत्तित्याह, शेमा, अनायाह, ऊरिय्याह, हिल्किय्याह और मासेयाह; और बाई अलंग, पदायाह, मीशाएल, मल्किय्याह, हाशूम, हश्बद्दाना, जकर्याह और मशुल्लाम खड़े हुए। तब एज्रा ने जो सब लोगों से ऊंचे पर था, सभों के देखते उस पुस्तक को खोल दिया; और जब उस ने उसको खोला, तब सब लोग उठ खड़े हुए।तब एज्रा ने महान परमेश्वर यहोवा को धन्य कहा; और सब लोगों ने अपने अपने हाथ उठाकर आमेन, आमेन, कहा; और सिर झुकाकर अपना अपना माथा भूमि पर टेक कर यहोवा को दंडवत किया।

नहेमायाह 8:1–6

कलीसिया परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा सम्भाली गया समाज है।

अब तो हे हमारे परमेश्वर ! हे महान पराक्रमी और भययोग्य ईश्वर ! जो अपनी वाचा पालता और करुणा करता रहा है, जो बड़ा कष्ट, अश्शूर के राजाओं के दिनों से ले आज के दिन तक हमें और हमारे राजाओं, हाकिमों, याजकों, नबियों, पुरखाओं, वरन तेरी समस्त प्रजा को भोगना पड़ा है, वह तेरी दृष्टि में थोड़ा न ठहरे।तौभी जो कुछ हम पर बीता है उसके विषय तू तो धर्मी है; तू ने तो सच्चाई से काम किया है, परन्तु हम ने दुष्टता की है।

नहेमायाह 9:32–33

कलीसिया एक दूसरे की भलाई को प्रगट करने वाला समाज है।

शेष लोग अर्थात् याजक, लेवीय, द्वारपाल, गवैये और नतीन लोग, निदान जितने परमेश्वर की व्यवस्था मानने के लिये देश देश के लोगों से अलग हुए थे, उन सभों ने अपनी स्त्रियों और उन बेटें–बेटियों समेत जो समझनेवाले थे, अपने भाई रईसों से मिलकर शपथ खाई, कि हम परमेश्वर की उस व्यवस्था पर चलेंगे जो उसके दास मूसा के द्वारा दी गई है, और अपने प्रभु यहोवा की सब आज्ञाएं, नियम और विधियां मानने में चौकसी करेंगे।और हम न तो अपनी बेटियां इस देश के लोगों को ब्याह देंगे, और न अपने बेटों के लिये उनकी बेटियां ब्याह लेंगे।

नहेमायाह 10:28–30

कलीसिया परमेश्वर की महिमा को प्रगट करने वाला समाज है।

उसी दिन लोगों ने बड़े बड़े मेलबलि चढ़ाए, और आनन्द किया; क्योंकि परमेश्वर ने उनको बहुत ही आनन्दित किया था; स्त्रियों ने और बालबच्चों ने भी आनन्द किया। और यरूशलेम के आनन्द की ध्वनि दूर दूर तक फैल गई।

नहेमायाह 12:43

कलीसिया को साराशं....

कलीसिया क्या है?

- कलीसिया ऐसे लोगो की देह जो परमेश्वर की दया में विश्वास के द्वारा मसीह में इस संसार के उसकी सेवा करने के द्वारा उसकी महिमा करने के लिए ————————` गये हैं।

स्थानीय कलीसिया क्या है?

स्थानीय कलीसिया मसीह में विश्वासियों का एक स्थानीय समूह है जिन्होने इस संसार में उसकी सेवा करने के द्वारा उसकी महिमा करने की वाचा बांधी है।

मसीही और स्थानीय कलीसिया.....

एक मसीह के अनुयायी होने के नाते हम,स्थानीय कलीसिया के रूप में अपने जीवन को एक दूसरे के लिए सौपते हैं.....

हमारी भलाईयों के लिएं

दूसरे मसीहियों की भलाई के लिए

गैर मसीहियों की भलाई के लिए

परमेश्वर की महिमा के लिए।

कलीसिया क्या करती है?

परमेश्वर के लोगों के लिए उसकी योजना

कलीसिया की सात गतिविधियां...

पतरस ने उन से कहा, मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने अपने पापों की क्षमा के लिये यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले; तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम, और तुम्हारी सन्तानों, और उन सब दूर दूर के लोगों के लिये भी है जिनको प्रभु हमारा परमेश्वर अपने पास बुलाएगा। उस ने बहुत ओर बातों में भी गवाही दे देकर समझाया कि अपने आप को इस टेढ़ी जाति से बचाओ। सो जिन्हों ने उसका वचन ग्रहण किया उन्हों ने बपतिस्मा लिया; और उसी दिन तीन हजार मनुष्यों के लगभग उन में मिल गए। और वे प्ररितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने में और रोटी तोड़ने में और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।। और वे प्ररितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने में और रोटी तोड़ने में और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।। और सब लोगों पर भय छा गया, और बहुत से अद्भुत काम और चिन्ह प्रेरितों के द्वारा प्रगट होते

थे।और वे सब विश्वास करनेवाले इकट्ठे रहते थे, और उन की सब वस्तुएं साझे की थी। और वे अपनी अपनी सम्पत्ति और सामान बेच बेचकर जैसी जिस की आवश्यकता होती थी बांट दिया करते थे। और वे प्रति दिन एक मन होकर मन्दिर में इकट्ठे होते थे, और घर घर रोटी तोड़ते हुए आनन्द और मन की सीधाई से भोजन किया करते थे। और परमेश्वर की स्तुति करते थे, और सब लोग उन से प्रसन्न थेः और जो उद्धार पाते थे, उनको प्रभु प्रति दिन उन में मिला देता था।।

प्रेरितों के काम 2:38–47

- कलीसिया वचन प्रचार करती है।
- कलीसिया बपतिस्मा देती है।
- कलीसिया शिक्षा प्रदान करती है।
- कलीसिया पोषण करती है।
- कलीसिया अराधना करती है।
- कलीसिया प्रार्थना करती है।
- कलीसिया बढती है।

कलीसिया वचन प्रचार करती है

- कलीसिया मसीह की महिमा का ————————— करती है

और उस ने दुःख उठाने के बाद बहुत से पक्के प्रमाणों से अपने आप को उन्हें जीवित दिखाया, और चालीस दिन तक वह उन्हें दिखाई देता रहाः और परमेश्वर के राज्य की बातें करता रहा। ओर उन से मिलकर उन्हें आज्ञा दी, कि यरूशलेम को न छोड़ो, परन्तु पिता की उस प्रतिज्ञा के पूरे होने की बाट जोहते रहो, जिस की चर्चा तुम मुझ से सुन चुके हो। क्योंकि यूहन्ना ने तो पानी में बपतिस्मा दिया है परन्तु थोड़े दिनों के बाद तुम पवित्रत्मा से बपतिस्मा पाओगे। सो उन्हों ने इकट्ठे होकर उस से पूछा, कि हे प्रभु, क्या तू इसी समय इस्त्रएल को राज्य फेर देगा?उस ने उन से कहा; उन समयों या कालों को जानना, जिन को पिता ने अपने ही अधिकार में रखा है, तुम्हारा काम नहीं।परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ पाओगे; और यरूशलेम और सारे यहूदिया और सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होगे। यह कहकर वह उन के देखते देखते ऊपर उठा लिया गया; और बादल ने उसे उन की आंखों से छिपा लिया। और उसके जाते समय जब वे आकाश की ओर ताक रहे थे, तो देखो, दो पुरूष श्वेत वस्त्र पहिने हुए उन के पास आ खड़े हुए। और कहने लगे; हे गलीली पुरूषों, तुम क्यों खड़े स्वर्ग की ओर देख रहे हो ? यही यीशु, जो तुम्हारे पास से स्वर्ग पर उठा लिया गया है, जिस रीति से तुम ने उसे स्वर्ग को जाते देखा है उसी रीति से वह फिर आएगा।। तब वे जैतून नाम के पहाड़ से जो यरूशलेम के निकट एक सब्त के दिन की दूरी पर है, यरूशलेम को लौटे।

प्रेरितों के काम 1:3–11

- वह फिर से जी उठा उद्धारकर्ता है।

- वह प्रशसनीय परमेश्वर है।
- वह राजा है।
- राजा के प्रति जुनून राज्य के प्रति जुनून को पैदा करता है।

मैं ने रात में स्वप्न में देखा, और देखो, मनुष्य के सन्तान सा कोई आकाश के बादलों समेत आ रहा था, और वह उस अति प्राचीन के पास पहुंचा, और उसको वे उसके समीप लाए। तब उसको ऐसी प्रभुता, महिमा और राज्य दिया गया, कि देश–देश और जाति–जाति के लोग और भिन्न–भिन्न भाषा बालनेवाले सब उसके अधीन हों; उसकी प्रभुता सदा तक अटल, और उसका राज्य अविनाशी ठहरा।।

दानिययेल 7:13–14

परन्तु उस ने पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होकर स्वर्ग की ओर देखा और परमेश्वर की महिमा को और यीशु को परमेश्वर की दहिनी ओर खड़ा देखकर। कहा; देखों, मैं स्वर्ग को खुला हुआ, और मनुष्य के पुत्र को परमेश्वर के दहिनी ओर खड़ा हुआ देखता हूं। तब उन्हों ने बड़े शब्द से चिल्लाकर कान बन्द कर लिए, और एक चित्त होकर उस पर झपटे।और उसे नगर के बाहर निकालकर पत्थरवाह करने लगे, और गवाहों ने अपने कपड़े उतार रखे। और वे स्तिुफनुस को पत्थरवाह करते रहे, और वह यह कहकर प्रार्थना करता रहा; कि हे प्रभु यीशु, मेरी आत्मा को ग्रहण कर। फिर घुटने टेककर ऊंचे शब्द से पुकारा, हे प्रभु, यह पाप उन पर मत लगा, और यह कहकर सो गयाः और शाऊल उसके बध में सहमत था।।

प्रेरितो के काम 7:55–60

- कलीसिया मसीह के सुसमाचार की ————————— करती है।

परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ पाओगे; और यरूशलेम और सारे यहूदिया और सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होगे।

प्रेरितों के काम 1:8

जब पिन्तेकुस्त का दिन आया, तो वे सब एक जगह इकट्ठे थे। और एकाएक आकाश से बड़ी आंधी की सी सनसनाहट का शब्द हुआ, और उस से सारा घर जहां वे बैठे थे, गूंज गया। और उन्हें आग की सी जीभें फटती हुई दिखाई दीं; और उन में से हर एक पर आ ठहरीं। और वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और जिस प्रकार आत्मा ने उन्हें बोलने की सामर्थ दी, वे अन्य अन्य भाषा बोलने लगे।। और आकाश के नीचे की हर एक जाति में से भक्त यहूदी यरूशलेम में रहते थे।जब वह शब्द हुआ तो भीड़ लग गई और लोग घबरा गए, क्योंकि हर एक को यही सुनाई देता था, कि ये मेरी ही भाषा में बोल रहे हैं।और वे सब चकित और अचम्भित होकर कहने लगे; देखो, ये जो बोल रहे हैं क्या सब गलीली नहीं? तो फिर क्यों हम में से हर एक अपनी अपनी जन्म भूमि की भाषा सुनता है? हम जो पारथी और मेदी और एलामी लोग और मिसुपुतामिया और यहूदिया और कप्दूकिया और पुन्तुस और आसिया। और फ्रूगिया और पमफूलिया और मिसर और लिबूआ देश जो कुरेने के आस पास है, इन सब देशों के रहनेवाले और रोमी प्रवासी, क्या यहूदी क्या यहूदी मत धारण करनेवाले, क्रेती और अरबी भी हैं।परन्तु अपनी अपनी भाषा में उन से परमेश्वर के बड़े बड़े कामों की चर्चा सुनते हैं। और वे सब चकित हुए, और घबराकर एक दूसरे से कहने लगे कि यह क्या हुआ चाहता है? परन्तु औरों ने ठट्ठा करके कहा, कि वे तो नई मदिरा के नशे में हैं।।

प्रेरितो के काम 2:1–14

- कलीसिया यीशु की उपस्थिति में होकर सुसमाचार प्रचार करते हैं।

और उन से कहा, यों लिखा है; कि मसीह दुःख उठाएगा, और तीसरे दिन मरे हुओं में से जी उठेगा। और यरूशलेम से लेकर सब जातियों में मन फिराव का और पापों की क्षमा का प्रचार, उसी के नाम से किया जाएगा।तुम इन सब बातों के गवाह हो। और देखो, जिस की प्रतिज्ञा मेरे पिता ने की है, मैं उस को तुम पर उतारूंगा और जब तक स्वर्ग में सामर्थ न पाओ, तब तक तुम इसी नगर में ठहरे रहो।।

लूका 24:46–49

- वह हमारे साथ है।

और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओः और देखो, मैं जगत के अन्त तक सदैव तुम्हारे संग हूं।।

मत्ती 28:20

- वह हम में वास करता है ।

मैं तुम से सच सच कहता हूं, कि जो मुझ पर विश्वास रखता है, ये काम जो मैं करता हूं वह भी करेगा, बरन इन से भी बड़े काम करेगा, क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूं।

यूहन्ना 14:12

- वह हमें ————————— बनाता है।

मैं तुम को नया मन दूंगा, और तुम्हारे भीतर नई आत्मा उत्पन्न करूंगा; और तुम्हारी देह में से पत्थर का हृदय निकालकर तुम को मांस का हृदय दूंगा। और मैं अपना आत्मा तुम्हारे भीतर देकर ऐसा करूंगा कि तुम मेरी विधियों पर चलोगे और मेरे नियमों को मानकर उनके अनुसार करोगे।

यजेहकेल 36:26–27

1 यहोवा की शक्ति मुझ पर हुई, और वह मुझ में अपना आत्मा समवाकर बाहर ले गया और मुझे तराई के बीच खड़ा कर दिया; वह तराई हड्डियों से भरी हुई थी।तब उस ने मुझे उनके चारों ओर घुमाया, और तराई की तह पर बहुत ही हड्डियों थीं; और वे बहुत सूखी थीं।तब उस ने मुझ से पूछा, हे मनुष्य के सन्तान, क्या ये हड्डियां जी सकती हैं? मैं ने कहा, हे परमेश्वर यहोवा, तू ही जानता है।तब उस ने मुझ से कहा, इन हड्डियों से भविष्यद्वाणी करके कह, हे सूखी हड्डियो, यहोवा का वचन सुनो। परमेश्वर यहोवा तुम हड्डियों से यों कहता हे, देखो, मैं आप तुम में सांस समवाऊंगा, और तुम जी उठोगी। और मैं तुम्हारी नसें उपजाकर मांस चढ़ाऊंगा, और तुम को चमड़े से ढांपूंगा; और तुम में सांस समवाऊंगा और तुम जी जाओगी; और तुम जान लोगी कि मैं यहोवा हूँ। इस आज्ञा के अनुसार मैं भविष्यद्वाणी करने लगा; और मैं भविष्यद्वाणी कर ही रहा था, कि एक आहट आई, और भुईडोल हुआ, और वे हड्डियां इकट्ठी होकर हड्डी से हड्डी जुड़ गई।और मैं देखता रहा, कि उन में नसें

उत्पन्न हुई और मांस चढ़ा, और वे ऊपर चमड़े से ढंप गई; परन्तु उन में सांस कुछ न थी।तब उस ने मुझ से कहा, हे मनुष्य के सन्तान सांस से भविष्यद्वाणी कर, और सांस से भविष्यद्वाणी करके कह, हे सांस, परमेश्वर यहोवा यों कहता है कि चारों दिशाओं से आकर इन घात किए हुओं में समा जा कि ये जी उठें। उसकी इस आज्ञा के अनुसार मैं ने भविष्यद्वाणी की, तब सांस उन में आ गई, ओर वे जीकर अपने अपने पांवों के बल खड़े हो गए; और एक बहुत बड़ी सेना हो गई।फिर उस ने मुझ से कहा, हे मनुष्य के सन्तान, ये हड्डियां इस्राएल के सारे घराने की उपमा हैं। वे कहत हैं, हमारी हड्डियां सूख गई, और हमारी आशा जाती रही; हम पूरी रीति से कट चूके हैं।इस कारण भविष्यद्वाणी करके उन से कह, परमेश्वर यहोवा यों कहता है, हे मेरी प्रजा के लोगो, देखो, मैं तुमहारी कबरें खोलकर तुम को उन से निकालूंगा, और इस्राएल के देश में पहुंचा दूंगा।सो जब मैं तुमहारी कबरें खोलूं, और तुम को उन से निकालूं, तब हे मेरी प्रजा के लोगो, तुम जान लोगे कि मैं यहोवा हूँ।और मैं तुम में अपना आत्मा समवाऊंगा, और तुम जीओगे, और तुम को तुम्हारे निज देश में बसाऊंगा; तब तुम जान लोगे कि मुझ यहोवा ही ने यह कहा, और किया भी है, यहोवा की यही वाणी है।

यहेजकेल 37:1—14

वह हमारे दावों को मजबूत बनाता है।

हम सुसमाचार प्रचार करते हैं।

धर्मी और अनुग्रह कारी सृष्टिकर्ता ने असाह पापमय मनुष्य की ओर देखा और अपने पुत्र को भेजा, जिसने पाप के खिलाफ अपने क्रोध को क्रूस पर उठाने के लिए और अपने पुनरूत्थान के द्वारा अपनी सामर्थ्य को प्रगट करने के लिए देह धारण किया ताकि जो कोई अपने आप से और उस पर उद्धारकर्ता और परमेश्वर के रूप में भरोसा करता है उसका परमेश्वर के साथ में हमेशा हमेशा के लिए मेल हो जाएगा।

- सुसमाचार बताता है...
- परमेश्वर के चरित्र को ।
- मनुष्य की पापमयता को।
- मसीह की पर्याप्तता को।
- विश्वास की आवश्यकता को।
- अनन्तता की आपातकालीनता को।
- सुसमाचार की गवाहियां.....

पर जैसा तुम्हार बुलानेवाला पवित्र है, वैसे ही तुम भी अपने सारे चाल चलन में पवित्र बनो। क्योंकि लिखा है, कि पवित्र बनो, क्योंकि मैं पवित्र हूं। और जब कि तुम, हे पिता, कह कर उस से प्रार्थना करते हो, जो बिना पक्षपात हर एक के काम के अनुसार न्याय करता है, तो अपने परदेशी होने का समय भय से बिताओ।

1पतरस 3:15—16

परमेश्वर लोगों के ह्रदय को जागरूक करते हैं।

यह सुनकर अन्यजाति आनन्दित हुए, और परमेश्वर के वचन की बड़ाई करने लगेः और जितने अनन्त जीवन के लिये ठहराए गए थे, उन्हों ने विश्वास किया।

प्रेरितों के काम 13:48

कलीसिया यीशु के उददेश्य में होकर सुसमाचार का प्रचार करती है।

- हम अराधक हैं।
- हम गवाह हैं।
- पुराने नियम का पूर्वानुमान....

मूसा ने उन से कहा, क्या तू मेरे कारण जलता है? भला होता कि यहोवा की सारी प्रजा के लोग नबी होते, और यहोवा अपना आत्मा उन सभों में समवा देता!

गिनती 11:29

और बिलाम ने आंखे उठाई, और इस्राएलियों को अपने गोत्र गोत्र के अनुसार बसे हुए देखा। और परमेश्वर का आत्मा उस पर उतरा। तब उसने अपनी गूढ़ बात आरम्भ की, और कहने लगा, कि बोर के पुत्र बिलाम की यह वाणी है, जिस पुरूष की आंखें बन्द थीं उसी की यह वाणी है, ईश्वर के वचनों का सुननेवाला, जो दण्डवत में पड़ा हुआ खुली हुई आंखों से सर्वशक्तिमान का दर्शन पाता है, उसी की यह वाणी हैः कि

गिनती 24:2–4 शमूएल

यहोवा का आत्मा मुझ में होकर बोला, और उसी का वचन मेरे मुंह में आया।

2शमूएल 23:2

तब यहोवा का आत्मा मुझ पर उतरा, और मुझ से कहा, ऐसा कह, यहोवा यों कहता है, कि हे इस्राएल के घराने तुम ने ऐसा ही कहा हे; जो कुछ तुम्हारे मन में आता है, उसे मैं जानता हूँ।

यजेहकेल 11:5

उन बातों के बाद मैं सब प्राणियों पर अपना आत्मा उण्डेलूंगा; तुम्हारे बेटे–बेटियां भविष्यद्वाणी करेंगी, और तुम्हारे पुरनिये स्वप्न देखेंगे, और तुम्हारे जवान दर्शन देखेंगे।तुम्हारे दास और दासियों पर भी मैं उन दिनों में अपना आत्मा उण्डेलूंगा।।और मैं आकाश में और पृथ्वी पर चमत्कार, अर्थात् लोहू और आग और धूएं के खम्भे दिखाऊंगा।

योएल 2:28–32

- नये नियम में पहिचाना जाना.....

परन्तु स्वर्गदूत ने उस से कहा, हे जकरयाह, भयभीत न हो क्योंकि तेरी प्रार्थना सुन ली गई है और तेरी पत्नी इलीशिबा से तेरे लिये एक पुत्र उत्पन्न होगा, और तू उसका नाम यूहन्ना रखना।और तुझे आनन्द और हर्ष होगाः और बहुत लोग उसके

जन्म के कारण आनन्दित होंगे। क्योंकि वह प्रभु के साम्हने महान होगा; और दाखरस और मदिरा कभी न पिएगा; और अपनी माता के गर्भ ही से पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाएगा।

लूका 1:13–15

उन दिनों में मरियम उठकर शीघ्र ही पहाड़ी देश में यहूदा के एक नगर को गई। और जकरयाह के घर में जाकर इलीशिबा को नमस्कार किया। ज्योंही इलीशिबा ने मरियम का नमस्कार सुना, त्योंही बच्चा उसके पेट में उछला, और इलीशिबा पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो गई।और उस ने बड़े शब्द से पुकार कर कहा, तू स्त्रियों में धन्य है, और तेरे पेट का फल धन्य है।

लूका 1: 39–42

और उसका पिता जकरयाह पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो गया, और भविष्यद्वाणी करने लगा। कि प्रभु इस्राएल का परमेश्वर धन्य हो, कि उस ने अपने लोगों पर दृष्टि की और उन का छुटकारा किया है। ओर अपने सेवक दाऊद के घराने में हमारे लिये एक उद्धार का सींग निकाला।

लूका 1: 67–69

और एकाएक आकाश से बड़ी आंधी की सी सनसनाहट का शब्द हुआ, और उस से सारा घर जहां वे बैठे थे, गूंज गया।और उन्हें आग की सी जीभें फटती हुई दिखाई दीं; और उन में से हर एक पर आ ठहरीं।और वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और जिस प्रकार आत्मा ने उन्हें बोलने की सामर्थ दी, वे अन्य अन्य भाषा बोलने लगे।।

प्रेरितों के काम 2:2–4

तब पतरस ने पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होकर उन से कहा।

प्रेरितों के काम 4:8

जब वे प्रार्थना कर चुके, तो वह स्थान जहां वे इकट्ठे थे हिल गया, और वे सब पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो गए, और परमेश्वर का वचन हियाव से सुनाते रहे।।

प्रेरितो के काम 4:31

तब हनन्याह उठकर उस घर में गया, और उस पर अपना हाथ रखकर कहा, हे भाई शाऊल, प्रभु, अर्थात् यीशु, जो उस रास्ते में, जिस से तू आया तुझे दिखाई दिया था, उसी ने मुझे भेजा है, कि तू फिर दृष्टि पाए और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाए। और तुरन्त उस की आंखों से छिलके से गिरे, और वह देखने लगा और उठकर बपतिस्मा लिया; फिर भोजन करके बल पाया।।और वह कई दिन उन चेलों के साथ रहा जो दमिश्क में थे।और वह तुरन्त आराधनालयों में यीशु का प्रचार करने लगा, कि वह परमेश्वर का पुत्र है।

प्रेरितों के काम 9:17–20

परन्तु इलीमास टोन्हे ने, क्योंकि यही उसके नाम का अर्थ है उन का साम्हना करके, सूबे को विश्वास करने से रोकना चाहा। तब शाऊल ने जिस का नाम पौलुस भी है, पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो उस की ओर टकटकी लगाकर कहा। हे सारे कपट और सब चतुराई से भरे हुए शैतान की सन्तान, सकल धर्म के बैरी, क्या तू प्रभु के सीधे मार्गों को टेढ़ा करना न छोड़ेगा?अब देख, प्रभु का हाथ तुझ पर लगा है; और तू कुछ समय तक अन्धा रहेगा और सूर्य को न देखेगाः तब तुरन्त धुन्धलाई और अन्धेरा उस पर छा गया, और वह इधर उधर टटोलने लगा, ताकि कोई उसका हाथ पकड़के ले चले।

प्रेरितों के काम 13:8–11

- कलीसिया यीशु की————————— आज्ञापालन करने के लिए सुसमाचार प्रचार करती है।

परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ पाओगे; और यरूशलेम और सारे यहूदिया और सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होगे।

प्रेरितों के काम 1:8

और परमेश्वर का वचन फैलता गया और यरूशलेम में चेलों की गिनती बहुत बढ़ती गई; और याजकों का एक बड़ा समाज इस मत के अधीन हो गया।

प्रेरितों के काम 6:7

उसी दिन यरूशलेम की कलीसिया पर बड़ा उपद्रव होने लगा और प्रेरितों को छोड़ सब के सब यहूदिया और सामरिया देशों में तित्तर बित्तर हो गए।और भक्तों ने स्तिफनुस को कब्र में रखा; और उसके लिये बड़ा विलाप किया। शाऊल कलीसिया को उजाड़ रहा था; और घर घर घुसकर पुरूषों और स्त्रियों को घसीट घसीटकर बन्दीगृह में डालता था।।जो तित्तर बित्तर हुए थे, वे सुसमाचार सुनाते हुए फिरे।और फिलिप्पुस सामरिया नगर में जाकर लोगों में मसीह का प्रचार करने लगा।

प्रेरितो के काम 8:1–5

सो सारे यहूदिया, और गलील, और समरिया में कलीसिया को चैन मिला, और उसकी उन्नति होती गई; और वह प्रभु के भय और पवित्र आत्मा की शान्ति में चलती और बढ़ती जाती थी।।

प्रेरितों के काम 9:31

सो तुम जानो, कि परमेश्वर के इस उद्धार की कथा अन्यजातियों के पास भेजी गई है, और वे सुनेंगे।जब उस ने यह कहा तो यहूदी आपस में बहुत विवाद करने लगे और वहां से चले गए।।और वह पूरे दो वर्ष अपने भाड़े के घर में रहा।और जो उसके पास आते थे, उन सब से मिलता रहा और बिना रोक टोक बहुत निडर होकर परमेश्वर के राज्य का प्रचार करता और प्रभु यीशु मसीह की बातें सिखाता रहा।।

प्रेरितों के काम 28:28–31

पुराना नियमः परमेश्वर की आशीष सारे ही राष्ट्रों के लिए.....

सारी पृथ्वी पर एक ही भाषा, और एक ही बोली थी।उस समय लोग पूर्व की और चलते चलते शिनार देश में एक मैदान पाकर उस में बस गए।तब वे आपस में कहने लगे, कि आओ; हम ईंटें बना बना के भली भांति आग में पकाएं, और उन्हों ने पत्थर के स्थान में ईंट से, और चूने के स्थान में मिट्टी के गारे से काम लिया। फिर उन्हों ने कहा, आओ, हम एक नगर और एक गुम्मट बना लें, जिसकी चोटी आकाश से बात करे, इस प्रकार से हम अपना नाम करें ऐसा न हो कि हम को सारी पृथ्वी पर फैलना पड़े।जब लोग नगर और गुम्मट बनाने लगे; तब इन्हें देखने के लिये यहोवा उतर आया।और यहोवा ने कहा, मैं क्या देखता हूं, कि सब एक ही दल के हैं और भाषा भी उन सब की एक ही है, और उन्हों ने ऐसा ही काम भी आरम्भ किया; और अब जितना वे करने का यत्न करेंगे, उस में से कुछ उनके लिये अनहोना न होगा इसलिये आओ, हम उतर के उनकी भाषा में बड़ी गड़बड़ी डालें, कि वे एक दूसरे की बोली को न समझ सकें।इस प्रकार यहोवा ने उनको, वहां से सारी पृथ्वी के ऊपर फैला दिया; और उन्हों ने उस नगर का बनाना छोड़ दिया। इस कारण उस नगर का नाम बाबुल पड़ा; क्योंकि सारी पृथ्वी की भाषा में जो गड़बड़ी है, सो यहोवा ने वहीं डाली, और वहीं से यहोवा ने मनुष्यों को सारी पृथ्वी के ऊपर फैला दिया।।

उत्पत्ति 11:1–9

यहोवा ने अब्राम से कहा, अपने देश, और अपनी जन्मभूमि, और अपने पिता के घर को छोड़कर उस देश में चला जा जो मैं तुझे दिखाऊंगा। और मैं तुझ से एक बड़ी जाति बनाऊंगा, और तुझे आशीष दूंगा, और तेरा नाम बड़ा करूंगा, और तू आशीष का मूल होगा।और जो तुझे आशीर्वाद दें, उन्हें मैं आशीष दूंगा; और जो तुझे कोसे, उसे मैं शाप दूंगा; और भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएंगे।

उत्पत्ति 12:1–3

- नया नियम : परमेश्वर का सुसमाचार सारे राष्ट्रों के लिए ————————— किया गया...

और राज्य का यह सुसमाचार सारे जगत में प्रचार किया जाएगा, कि सब जातियों पर गवाही हो, तब अन्त आ जाएगा।।

मत्ती 24:14

इसलिये तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्रात्मा के नाम से बपतिस्मा दो।

मत्ती 28:19

इस के बाद मैं ने दृष्टि की, और देखो, हर एक जाति, और कुल, और लोग और भाषा में से एक ऐसी बड़ी भीड़, जिसे कोई गिन नहीं सकता था श्वेत वस्त्र पहिने, और अपने हाथों में खजूर की डालियां लिये हुए सिंहासन के साम्हने और मेम्ने के साम्हने खड़ी है। और बड़े शब्द से पुकारकर कहती है, कि उद्धार के लिये हमारे परमेश्वर का जो सिंहासन पर बैठा है, और मेम्ने का जय–जय–कार हो।

प्रकाशितवाक्य 7:9–10

कलीसिया बपतिस्मा देती है

सो जिन्हों ने उसका वचन ग्रहण किया उन्हों ने बपतिस्मा लिया; और उसी दिन तीन हजार मनुष्यों के लगभग उन में मिल गए। प्रेरितों के काम 2:41

सो जिन्हों ने उसका वचन ग्रहण किया उन्हों ने बपतिस्मा लिया; और उसी दिन तीन हजार मनुष्यों के लगभग उन में मिल गए।

प्रेरितों के काम 10:48

यह सुनकर उन्हों ने प्रभु यीशु के नाम का बपतिस्मा लिया।

प्रेरितों के काम 19:5

- बुनियाद....
  - हम नई वाचा को प्राप्त करने वाले हैं ...
    - ⊡ बपतिस्मा इस बात की धोषणा है कि हम यीशु के हैं।

मसीही होने का मतलब व्यक्तिगत तौर पर यीशु के साथ में अपनी पहिचान करवाना होता है, और इस गठबन्धन को बपतिस्मा के द्वारा बड़े ही नाटकीय ढंग से प्रकट किया जाता है।

जौन स्टौट

- हम नये समाज के सदस्य हैं।
  - बपतिस्मा इस बात की धोषणा है कि हम एक दूसरे से सम्बन्ध रखते हैं।
- प्रश्न....
  - मसीही लोग बपतिस्मा क्यों लेते हैं
    - ⊡ हम मसीह के उदहारण का अनुसरण करते हैं।

उस समय यीशु मसीह गलील से यरदन के किनारे पर यूहन्ना के पास उस से बपतिस्मा लेने आया। परन्तु यूहन्ना यह कहकर उसे रोकने लगा, कि मुझे तेरे हाथ से बपतिस्मा लेने की आवश्यक्ता है, और तू मेरे पास आया है?यीशु ने उस को यह उत्तर दिया, कि अब तो ऐसा ही होने दे, क्योंकि हमें इसी रीति से सब धार्मिकता को पूरा करना उचित है, तब उस ने उस की बात मान ली।और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और देखो, उसके लिये आकाश खुल गया; और उस ने परमेश्वर के आत्मा को कबूतर की नाई उतरते और अपने ऊपर आते देखा। और देखो, यह आकाशवाणी हुई, कि यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिस से मैं अत्यन्त प्रसन्न हूं।।

मत्ती 3:13–17

- ⊡ हम मसीह की आज्ञाओं का पालन करते हैं।

इसलिये तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्रत्मा के नाम से बपतिस्मा दो।

मत्ती 28:19

- ⊡ हम मसीह की देह के साथ एक हो जाते हैं।

क्योंकि जिस प्रकार देह तो एक है और उसके अंग बहुत से हैं, और उस एक देह के सब अंग, बहुत होने पर भी सब मिलकर एक ही देह हैं, उसी प्रकार मसीह भी है। क्योंकि हम सब ने क्या यहूदी हो, क्या युनानी, क्या दास, क्या स्वतंत्रता एक ही आत्मा के द्वारा एक देह होने के लिये बपतिस्मा लिया, और हम सब को एक ही आत्मा पिलाया गया।

1 कुरिन्थियों 12:12–13

एक ही देह है, और एक ही आत्मा; जैसे तुम्हें जो बुलाए गए थे अपने बुलाए जाने से एक ही आशा है।एक ही प्रभु है, एक ही विश्वास, एक ही बपतिस्मा।और सब का एक ही परमेश्वर और पिता है, जो सब के ऊपर और सब के मध्य में, और सब में है।

इफिसियों 4:4–6

- o बपतिस्में का मतलब क्या है?
- ⊡ मसीह के अनुग्रह का उत्सव मनाया जाना।

  सो हम क्या कहें? क्या हम पाप करते रहें, कि अनुग्रह बहुत हो?कदापि नहीं, हम जब पाप के लिये मर गए तो फिर आगे को उस में क्योंकर जीवन बिताएं?कदापि नहीं, हम जब पाप के लिये मर गए तो फिर आगे को उस में क्योंकर जीवन बिताएं?सो उस मृत्यु का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए, ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नए जीवन की सी चाल चलें।

रोमियों 6:1–4

- ⬥ वह क्रूस पर हमारा विकल्प बनकर मरा।
- ⬥ वह कब्र में से हमारा उद्धारकर्ता बनकर जी उठा।
- ⊡ मसीह के सुसमाचार को उल्लेख।

क्योंकि यदि हम उस की मृत्यु की समानता में उसके साथ जुट गए हैं, तो निश्चय उसके जी उठने की समानता में भी जुट जाएंगे।क्योंकि हम जानते हैं कि हमारा पुराना मनुष्यत्व उसके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया, ताकि पाप का शरीर व्यर्थ हो जाए, ताकि हम आगे को पाप के दासत्व में न रहें। क्योंकि जो मर गया, वह पाप से छूटकर धर्मी ठहरा।सो यदि हम मसीह के साथ मर गए, तो हमारा विश्वास यह है, कि उसके साथ जीएंगे भी।क्योंकि यह जानते हैं, कि मसीह मरे हुओं में से जी उठकर फिर मरने का नहीं, उस पर फिर मृत्यु की प्रभुता नहीं होने की।क्योंकि वह जो मर गया तो पाप के लिये एक ही बार मर गया; परन्तु जो जीवित है, तो परमेश्वर के लिये जीवित है।

रोमियों 6:5–10

- ⬥ पानी में= उसकी मृत्यु की समानता को प्रगट करना
- ⊡ पानी से बाहर= उसके पुररूत्थान में भागीदार होना

मसीह की महिमा की धोषणा करना। उसी में तुम्हारा ऐसा खतना हुआ है, जो हाथ से नहीं होता, अर्थात् मसीह का खतना, जिस से शारीरिक देह उतार दी जाती है। और उसी के साथ बपतिस्मा में गाड़े गए, और उसी में परमेश्वर की शक्ति पर विश्वास करके, जिस ने उस को मरे हुओं में से जिलाया, उसके साथ जी भी उठे। और उस ने तुम्हें भी, जो अपने अपराधों, और अपने शरीर की खतनारहित दशा में मुर्दा थे, उसे साथ जिलाया, और हमारे सब अपराधों को क्षमा किया। और विधियों का वह लेख जो हमारे नाम पर और हमारे विरोध में था मिटा डाला; और उस को क्रूस पर कीलों से जड़कर साम्हने से हटा दिया है। और उस ने प्रधानताओं और अधिकारों को अपने ऊपर से उतार कर उन का खुल्लमखुल्ला तमाशा बनाया और क्रूस के कारण उन पर जय–जय–कार की ध्वनि सुनाई ।।

कुलुस्सियों 2:12–15

उसी में तुम्हारा ऐसा खतना हुआ है, जो हाथ से नहीं होता, अर्थात् मसीह का खतना, जिस से शारीरिक देह उतार दी जाती हैऔर उसी के साथ बपतिस्मा में गाड़े गए, और उसी में परमेश्वर की शक्ति पर विश्वास करके, जिस ने उस को मरे हुओं में से जिलाया, उसके साथ जी भी उठे।और उस ने तुम्हें भी, जो अपने अपराधों, और अपने शरीर की खतनारहित दशा में मुर्दा थे, उसे साथ जिलाया, और हमारे सब अपराधों को क्षमा किया।और विधियों का वह लेख जो हमारे नाम पर और हमारे विरोध में था मिटा डाला; और उस को क्रूस पर कीलों से जड़कर साम्हने से हटा दिया है। और उस ने प्रधानताओं और अधिकारों को अपने ऊपर से उतार कर उन का खुल्लमखुल्ला तमाशा बनाया और क्रूस के कारण उन पर जय–जय–कार की ध्वनि सुनाई ।।

कुलुस्सियों 2:11–15

कलीसिया में।

कलीसिया के बाहर

मसीहियों को बपतिस्ता किस प्रकार से होता है?

बाइबल संगत बपतिस्मे का तरीका डुबकी का है।

यीशु की मिसाल....

उन दिनों में यीशु ने गलील के नासरत से आकर, यरदन में यूहन्ना से बपतिस्मा लिया।और जब वह पानी से निकलकर ऊपर आया, तो तुरन्त उस ने आकाश को खुलते और आत्मा को कबूतर की नाईं अपने ऊपर उतरते देखा।और यह आकाशवाणी हुई, कि तू मेरा प्रिय पुत्र है, तुझ से मैं प्रसन्न हूं।।

मरकुस 1:9–11

प्रारम्भिक कलीसिया का नमूना।

मार्ग में चलते चलते वे किसी जल की जगह पहुंचे, तब खोजे ने कहा, देख यहां जल है, अब मुझे बपतिस्मा लेने में क्या रोक है। फिलिप्पुस ने कहा, यदि तू सारे मन से विश्वास करता है तो हो सकता हैः उस ने उत्तर दिया मैं विश्वास करता हूं कि यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है। तब उस ने रथ खड़ा करने की आज्ञा दी, और फिलिप्पुस और खोजा दोनों जल में उतर पड़े, और उस ने उसे बपतिस्मा दिया।जब वे जल में से निकलकर ऊपर आए, तो प्रभु का आत्मा फिलिप्पुस को उठा ले गया, सो खोजे ने उसे फिर न देखा, और वह आनन्द करता हुआ अपने मार्ग चला गया।

प्रेरितों के काम 8:36–39

सुसमाचार की तस्वीर.....

सो उस मृत्यु का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए, ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नए जीवन की सी चाल चलें।

रोमियों 6:4

किस को बपतिस्मा देना चाहिए?

हर एक वो जन जिसने प्रभु यीशु में नया जन्म पाया है।

उसी में तुम्हारा ऐसा खतना हुआ है, जो हाथ से नहीं होता, अर्थात् मसीह का खतना, जिस से शारीरिक देह उतार दी जाती है। और उसी के साथ बपतिस्मा में गाड़े गए, और उसी में परमेश्वर की शक्ति पर विश्वास करके, जिस ने उस को मरे हुओं में से जिलाया, उसके साथ जी भी उठे।

कुलुस्सियों 2:11–12

पुरानी वाचा : खतना के द्वारा शारीरिक समाज में शारीरिक जन्म होता है।
नयी वाचाः बपतिस्मा के द्वारा आत्मिक समाज में आत्मिक जन्म होता है।
आत्मिक जन्म शारीरिक डुबकी की मिसाल को प्रगट करता है।
बाहरी प्रगटिकरण अन्दरूनी रूपान्तरण का अनुसरण करता है।
मसीहीयों को कब बपतिस्मा प्रदान करना चाहिए?
जिस क्षण वे मसीह पर उद्धार के लिए भरोसा कर लेते हैं

परन्तु जब उन्हों ने फिलिप्पुस की प्रतीति की जो परमेश्वर के राज्य और यीशु के नाम का सुसमाचार सुनाता था तो लोग, क्या पुरूष, क्या स्त्री बपतिस्मा लेने लगे।तब शमौन ने आप भी प्रतीति की और बपतिस्मा लेकर फिलिप्पुस के साथ रहने लगा और चिन्ह और बड़े बड़े सामर्थ के काम होते देखकर चकित होता था।

प्रेरितों के काम 8:12–13

मार्ग में चलते चलते वे किसी जल की जगह पहुंचे, तब खोजे ने कहा, देख यहां जल है, अब मुझे बपतिस्मा लेने में क्या रोक है।फिलिप्पुस ने कहा, यदि तू सारे मन से विश्वास करता है तो हो सकता हैः उस ने उत्तर दिया मैं विश्वास करता हूं कि यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है। तब उस ने रथ खड़ा करने की आज्ञा दी, और फिलिप्पुस और खोजा दोनों जल में उतर पड़े, और उस ने उसे बपतिस्मा दिया।

प्रेरितों के काम 8:36–38

और तुरन्त उस की आंखों से छिलके से गिरे, और वह देखने लगा और उठकर बपतिस्मा लिया; फिर भोजन करके बल पाया।।

प्रेरितों के काम 9:18

इस पर पतरस ने कहा; क्या कोई जल की रोक कर सकता है, कि ये बपतिस्मा न पाएं, जिन्हों ने हमारी नाई पवित्र आत्मा पाया है?और उस ने आज्ञा दी कि उन्हें यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा दिया जाएः तब उन्हों ने उस से बिनती की कि कुछ दिन हमारे साथ रह।।

प्रेरितो के काम 10:47–48

और जब उस ने अपने घराने समेत बपतिस्मा लिया, तो उस ने बिनती की, कि यदि तुम मुझे प्रभु की विश्वासिनी समझते हो, तो चलकर मेरे घर में रहो; और वह हमें मनाकर ले गई।।

प्रेरितों के काम 16:15

और रात को उसी घड़ी उस ने उन्हें ले जाकर उन के घाव धोए, और उस ने अपने सब लोगों समेत तुरन्त बपतिस्मा लिया।

प्रेरितों के काम 16:33

तब आराधनालय के सरदार क्रिस्पुस ने अपने सारे घराने समेत प्रभु पर विश्वास किया; और बहुत से कुरिन्थी सुनकर विश्वास लाए और बपतिस्मा लिया।

प्रेरितों के काम 18:8

अब क्यों देर करता है? उठ, बपतिस्मा ले, और उसका नाम लेकर अपने पापों को धो डाल।

प्रेरितों के काम 22:16

जिस क्षण वे बुद्धि के साथ में अपने उद्धार के बारे में गवाही दे सकें।

कलीसिया शिक्षा प्रदान करती है।

और वे **प्ररितों से शिक्षा** पाने, और संगति रखने में और रोटी तोड़ने में और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।।

सो विश्वास सुनने से, और सुनना मसीह के वचन से होता है।

प्रेरितो के काम 4:42

''यदि प्रभु यीशु मसीह कलीसिया के सिर हैं और इसलिए उसके सम्पूर्ण जीवन के स्रोत और लक्ष्य,उसकी आज्ञाकारिता में ही सच्ची बढ़ौतरी सम्भव है। इसी प्रकार से यदि कलीसिया यीशु मसीह और उसके वचनों से अलग हो जाती है, तो चाहे वह कितनी भी सफल या सक्रिय नजर आये वह कभी नहीं बढ़ सकती है। ''

ओस ग्यूनस

- कलीसिया परमेश्वर के वचनों से ———————— समाज है।
  - हम उसके वचनों द्वारा बचे हैं।

वचन सुनने से और सुनना मसीह के वचन से होता है।

रोमियों 10: 17

  - हम वचन के द्वारा शुद्ध हुए हैं।

हर एक पवित्रशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया है और उपदेश, और समझाने, और सुधारने, और धर्म की शिक्षा के लिये लाभदायक है। ताकि परमेश्वर का जन सिद्ध बने, और हर एक भले काम के लिये तत्पर हो जाए।।

2 तीमुथियुस 3:16

  - हम परमेश्वर के वचन के दास हैं।

परमेश्वर और मसीह यीशु को गवाह करके, जो जीवतों और मरे हुओं का न्याय करेगा, उसे और उसके प्रगट होने, और राज्य को सुधि दिलाकर मैं तुझे चिताता हूं। कि तू वचन को प्रचार कर; समय और असमय तैयार रह, सब प्रकार की सहनशीलता, और शिक्षा के साथ उलाहना दे, और डांट, और समझा।क्योंकि ऐसा समय आएगा, कि लोग खरा उपदेश न सह सकेंगे पर कानों की खुजली के कारण अपनी अभिलाषाओं के अनुसार अपने लिये बहुतेरे उपदेशक बटोर लेंगे।और अपने कान सत्य से फेरकर कथा–कहानियों पर लगाएंगे।पर तू सब बातों में सावधान रह, दुख उठा, सुसमाचार प्रचार का काम कर और अपनी सेवा को पूरा कर।

2तीमुथियुस 4:1–5

- कलीसिया परमेश्वर के वचनों पर ———————— समाज है।
  - कलीसिया परमेश्वर के वचन के महत्व को प्रगट करती है।
    - कलीसिया परमेश्वर के प्रकाशन के अर्थ को जानती है।
      - ☒ परमेश्वर अपने आपको वचन के ———————— में प्रगट करता है।

आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था।

यूहन्ना 1:1

और यहोवा ने शीलो में फिर दर्शन दिया, क्योंकि यहोवा ने अपने आप को शीलो में शमूएल पर अपने वचन के द्वारा प्रगट किया।। 1शमूएल 3:21

- ☒ परमेश्वर अपने आप को वचनों ———————— प्रगट करता है।
  - सृष्टि का निर्माण परमेश्वर के वचनों के द्वारा हुआ है।

विश्वास ही से हम जान जाते हैं, कि सारी सृष्टि की रचना परमेश्वर के वचन के द्वारा हुई है। यह नहीं, कि जो कुछ देखने में आता है, वह देखी हुई वस्तुओं से बना हो।

इब्रानियों 11:3

- उसके वचनों के द्वारा तूफान गये.....

तब उस ने उठकर आन्धी को डांटा, और पानी से कहा; "शान्त रह, थम जा" : और आन्धी थम गई और बड़ा चैन हो गया।

मरकुस 4:39

- उसके वचनों के द्वारा ज्वर जाता रहा.....

उस ने उसके निकट खड़े होकर ज्वर को डांटा और वह उस पर से उतर गया और वह तुरन्त उठकर उन की सेवा टहल करने लगी।।

लूका 4:39

- दुष्टात्माएं उसके वचनों के द्वारा निकाली गयी।

यीशु ने उसे डांटकर कहा, चुप रह; और उस में से निकल जा।

मरकुस 1:25

- उसके वचनों के द्वारा पाप क्षमा किये गये....

यीशु ने, उन का विश्वास देखकर, उस झोले के मारे हुए से कहा; हे पुत्र, तेरे पाप क्षमा हुए।

मरकुस 2:5

- उसके वचनों के द्वारा अन्धे देखने लगे....

यीशु ने कहा; देखने लग, तेरे विश्वास ने तुझे अच्छा कर दिया है।

लूका 18:42

- उसके वचनों के द्वारा मृतक जी उठे.....

यह कहकर उस ने बड़े शब्द से पुकारा, कि हे लाजर, निकल आ।जो मर गया था, वह कफन से हाथ पांव बन्धे हुए निकल आया और उसका मुंह अंगोछे से लिपटा हुआ था; यीशु ने उन से कहा, उसे खोलकर जाने दो।।

यूहन्ना 11:43–44

- सारा सौर्यमण्डल उसके वचनों को प्रतिउत्तर देता है।

सो तुम मुझे किस के समान बताओगे कि मैं उसके तुल्य ठहरूं? उस पवित्र का यही वचन है।अपनी आंखें ऊपर उठाकर देखो, किस ने इनको सिरजा? वह इन गणों को गिन गिनकर निकालता, उन सब को नाम ले लेकर बुलाता है? वह ऐसा सामर्थी और अत्यन्त बली है कि उन में के कोई बिना आए नहीं रहता।।

यशायाह 40:25–26

सौर्यमण्डल का नक्शा अति प्रशसनीय है अतः उसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। बल्कि मैं विश्वास करता हूँ कि शायद इसलिए आइस्टीन ने व्यवस्थित धर्म को बहुत कम इस्तेमाल किया,जबकि वह मुझे एक अति धार्मिक व्यक्ति प्रतीत होता है। उसने शायद प्रचारकों की ओर देखाा होगा कि वे परमेश्वर के बारे में क्या कहते हैं और उसने सोचा कि यह तो परमेश्वर की निन्दा के बराबर है। उसने उनसे कहीं परमेश्वर के प्रताप को देखा था जिसकी वे कल्पना भी नहीं कर सकते थे, और वे मूल बात को नहीं बोल रहे थे। मेरे हिसाब से उसने यह सोचा होगा कि जितने भी धर्म इस समय पर चल रहें हैं उनमें से किसी में भी परमेश्वर के प्रति उचित आदर नहीं है। चार्ल्स मिसनर

⊡ कलीसिया मनुष्य के दावों की गम्भीरता को पहिचानता है।

और उन अविश्वासियों के लिये, जिन की बुद्धि को इस संसार के ईश्वर ने अन्धी कर दी है, ताकि मसीह जो परमेश्वर का प्रतिरूप है, उसके तेजोमय सुसमाचार का प्रकाश उन पर न चमके। क्योंकि हम अपने को नहीं, परन्तु मसीह यीशु को प्रचार करते हैं, कि वह प्रभु है; और उसके विषय में यह कहते हैं, कि हम यीशु के कारण तुम्हारे सेवक हैं। इसलिये कि परमेश्वर ही है, जिस ने कहा, कि अन्धकार में से ज्योति चमके; और वही हमारे हृदयों में चमका, कि परमेश्वर की महिमा की पहिचान की ज्योति यीशु मसीह के चेहरे से प्रकाशमान हो।।

3 कुरिन्थियों 4:4–6

⊡ प्रचारक परमश्वर की आवाज का खुलासा करता है।

तब यहोवा का आत्मा मुझ पर उतरा, और मुझ से कहा, ऐसा कह, यहोवा यों कहता है, कि हे इस्राएल के घराने तुम ने ऐसा ही कहा हे; जो कुछ तुम्हारे मन में आता है, उसे मैं जानता हूँ।

यजेहकेल 11:5

⊡ प्रचारक परमश्वर की महानत की प्रशसां करता है।

हे मेरे लागो, मेरी शिक्षा सुनो; मेरे वचनों की ओर कान लगाओ! मैं अपना मूंह नीतिवचन कहने के लिये खोलूंगा; मैं प्राचीनकाल की गुप्त बातें कहूंगा, जिन बातों को हम ने सुना, ओर जान लिया, और हमारे बाप दादों ने हम से वर्णन किया है।उन्हें हम उनकी सन्तान से गुप्त न रखेंगें, परन्तु होनहार पीढ़ी के लोगों से, यहोवा का गुणानुवाद और उसकी सामर्थ्य और आश्चर्यकर्मों का वर्णन करेंगें।।

भजन संहिता 78:1–4

तब एज्रा ने जो सब लोगों से ऊंचे पर था, सभों के देखते उस पुस्तक को खोल दिया; और जब उस ने उसको खोला, तब सब लोग उठ खड़े हुए। तब एज्रा ने महान परमेश्वर यहोवा को धन्य कहा; और सब लोगों ने अपने अपने हाथ उठाकर आमेन, आमेन, कहा; और सिर झुकाकर अपना अपना माथा भूमि पर टेक कर यहोवा को दंडवत किया।

नहेमायाह 8:5–6

परमेश्वर की सहायता से मैं उसके वचन की प्रशंसा करूंगा, परमेश्वर पर मैं ने भरोसा रखा है, मैं नहीं डरूंगा। कोई प्राणी मेरा क्या कर सकता है?

भजन संहिता 56:4

परमेश्वर की सहायता से मैं उसके वचन की प्रशंसा करूंगा, यहोवा की सहायता से मैं उसके वचन की प्रशंसा करूंगा।

भजन संहिता 56:10

मैं तेरी आज्ञाओं की ओर जिन में मैं प्रीति रखता हूं, हाथ फैलाऊंगा और तेरी विधियों पर ध्यान करूंगा।।

भजन संहिता 119:48

मैं तेरे पवित्र मन्दिर की ओर दण्डवत् करूंगा, और तेरी करूणा और सच्चाई के कारण तेरे नाम का धन्यवाद करूंगा; क्योंकि तू ने अपने वचन को अपने बड़े नाम से अधिक महत्व दिया है।

भजन संहिता 138:2

- कलीसिया परमेश्वर के वचनों के अधिकार का आदर करती है।
- परमेश्वर के वचनों के बिना प्रचारक असहाय होता है।

हे इस्राएल तेरा रचनेवाला और हे याकूब तेरा सृजनहार यहोवा अब यों कहता है, मत डर, क्योंकि मैं ने तुझे छुड़ा लिया है; मैं ने तुझे नाम लेकर बुलाया है, तू मेरा ही है।

यशायाह 43:1

- परमेश्वर के वचनों के बिना कलीसिया सामर्थ्यहीन है।

जहां दर्शन की बात नहीं होती, वहां लोग निरंकुश हो जाते हैं, और जो व्यवस्था को मानता है वह धन्य होता है।

नीतिवचन 29:18

- कलीसिया परमेश्वर के वचन के प्रकाशन को पहिचानता है।
- वचन हमारी समयाकालीन जरूरतो के बारे में बात करता है।
- वचन अनन्त प्रतिज्ञाओं के साथ में बोलता है।

⊡ सफलता की प्रतिज्ञाएं।

व्यवस्था की यह पुस्तक तेरे चित्त से कभी न उतरने पाए, इसी में दिन रात ध्यान दिए रहना, इसलिये कि जो कुछ उस में लिखा है उसके अनुसार करने की तू चौकसी करे; क्योंकि ऐसा ही करने से तेरे सब काम सुफल होंगे, और तू प्रभावशाली होगा। क्या मैं ने तुझे आज्ञा नहीं दी? हियाव बान्धकर दृढ़ हो जा; भय न खा, और तेरा मन कच्चा न हो; क्योंकि जहां जहां तू जाएगा वहां वहां तेरा परमेश्वर यहोवा तेरे संग रहेगा।।

यहोशू 1:8–9

- आशीष की प्रतिज्ञा।

यहोवा की व्यवस्था खरी है, वह प्राण को बहाल कर देती है; यहोवा के नियम विश्वासयोग्य हैं, साधारण लोगों को बुद्धिमान बना देते हैं;यहोवा के उपदेश सिद्ध हैं, हृदय को आनन्दित कर देते हैं; यहोवा की आज्ञा निर्मल है, वह आंखों में ज्योति ले आती है;यहोवा का भय पवित्र है, वह अनन्तकाल तक स्थिर रहता है; यहोवा के नियम सत्य और पूरी रीति से धर्ममय हैं।वे तो सोने से और बहुत कुन्दन से भी बढ़कर मनोहर हैं; वे मधु से और टपकनेवाले छत्ते से भी बढ़कर मधुर हैं।और उन्हीं से तेरा दास चिताया जाता है; उनके पालन करने से बड़ा ही प्रतिफल मिलता है।

भजन संहिता 19:7–11

- मार्गदर्शन के लिए प्रतिज्ञा।

तेरा वचन मेरे पांव के लिये दीपक, और मेरे मार्ग के लिये उजियाला है।

भजन संहिता 119:105

⊡ सहारे के लिए प्रतिज्ञा।

तुम्हारा परमेश्वर यह कहता है, मेरी प्रजा को शान्ति दो, शान्ति! यरूशलेम से शान्ति की बातें कहो; और उस से पुकारकर कहो कि तेरी कठिन सेवा पूरी हुई है, तेरे अधर्म का दण्ड अंगीकार किया गया है : यहोवा के हाथ से तू अपने सब पापों का दूना दण्ड पा चुका है।।

यशायाह 40:1–2

- शान्ति की प्रतिज्ञा।

प्रभु में सदा आनन्दित रहो; मैं फिर कहता हूं, आनन्दित रहो।तुम्हारी कोमलता सब मनुष्यों पर प्रगट होः प्रभु निकट है।किसी भी बात की चिन्ता मत करोः परन्तु हर एक बात में तुम्हारे निवेदन, प्रार्थना और बिनती के द्वारा धन्यवाद के साथ परमेश्वर के सम्मुख अपस्थित किए जाएं। तब परमेश्वर की शान्ति, जो समझ से बिलकुल परे है, तुम्हारे हृदय और तुम्हारे विचारों को मसीह यीशु में सुरक्षित रखेगी।।

फिलिप्पियों 4:4–7

- बुद्धिमानी की प्रतिज्ञा

पर तू इन बातों पर जो तू ने सीखीं हैं और प्रतीति की थी, यह जानकर दृढ़ बना रह; कि तू ने उन्हें किन लोगों से सीखा था?और बालकपन से पवित्र शास्त्र तेरा जाना हुआ है, जो तुझे मसीह पर विश्वास करने से उद्धार प्राप्त करने के लिये बुद्धिमान बना सकता है। हर एक पवित्रशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया है और उपदेश, और समझाने, और सुधारने, और धर्म की शिक्षा के लिये लाभदायक है। ताकि परमेश्वर का जन सिद्ध बने, और हर एक भले काम के लिये तत्पर हो जाए।।

2 तीमुथियुस 3:14–17

- उद्धार की प्रतिज्ञा

सो विश्वास सुनने से, और सुनना मसीह के वचन से होता है।

रोमियों 10:17

- शुद्धिकरण की प्रतिज्ञा

नये जन्में हुए बच्चों की नाई निर्मल आत्मिक दूध की लालसा करो, ताकि उसके द्वारा उद्धार पाने के लिये बढ़ते जाओ।

1 पतरस 2:2

- ⊡ हम और किसी की बातों को क्यों सुनना चाहेगें?
  - o कलीसिया परमेश्वर के उददेश्य को समझती है।
    - ⊡ वचनों में परमेश्वर की योजनाः
      - हमें मसीह की महिमा के बारे में बताने के लिए।
      - हमे मसीह के स्वरूप में परिवर्तित करने के लिए।

आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की।

उत्पत्ति 1:1

फिर परमेश्वर ने कहा, हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार अपनी समानता में बनाएं; और वे समुद्र की मछलियों, और आकाश के पक्षियों, और घरेलू पशुओं, और सारी पृथ्वी पर, और सब रेंगनेवाले जन्तुओं पर जो पृथ्वी पर रेंगते हैं, अधिकार रखें। तब परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार उत्पन्न किया, अपने ही स्वरूप के अनुसार परमेश्वर ने उसको उत्पन्न किया, नर और नारी करके उस ने मनुष्यों की सृष्टि की।

उत्पत्ति 1:26–27

फिर यहोवा परमेश्वर ने कहा, मनुष्य भले बुरे का ज्ञान पाकर हम में से एक के समान हो गया हैः इसलिये अब ऐसा न हो, कि वह हाथ बढ़ाकर जीवन के वृक्ष का फल भी तोड़ के खा ले और सदा जीवित रहे। तब यहोवा परमेश्वर ने उसको अदन की बाटिका में से निकाल दिया कि वह उस भूमि पर खेती करे जिस मे से वह बनाया गया था। इसलिये आदम को उस ने निकाल दिया और जीवन के वृक्ष के मार्ग का पहरा देने के लिये अदन की बाटिका के पूर्व की ओर करुबों को, और चारों ओर घूमनेवाली ज्वालामय तलवार को भी नियुक्त कर दिया।।

उत्पत्ति 3:22—24

फिर मैं ने नये आकाश और नयी पृथ्वी को देखा, क्योंकि पहिला आकाश और पहिली पृथ्वी जाती रही थी, और समुद्र भी न रहा।

प्रकाशितवाक्य 21:1

फिर उस ने मुझे बिल्लौर की सी झलकती हुई, जीवन के जल की एक नदी दिखाई, जो परमेश्वर और मेंम्ने के सिंहासन से निकलकर उस नगर की सड़क के बीचों बीच बहती थी।और नदी के इस पार; और उस पार, जीवन का पेड़ थाः उस में बारह प्रकार के फल लगते थे, और वह हर महीने फलता था; और उस पेड़ के पत्तों से जाति जाति के लोग चंगे होते थे।और फिर ाप न होगा और परमेश्वर और मेम्ने का सिंहासन उस नगर में होगा, और उसके दास उस की सेवा करेंगे।और उसका मुंह देखेंगे, और उसका नाम उन के माथों पर लिखा हुआ होगा।और फिर रात न होगी, और उन्हें दीपक और सूर्य के उजियाले का प्रयोजन न होगा, क्योंकि प्रभु परमेश्वर उन्हें उजियाला देगाः और वे युगानुयुग राज्य करेंगे।।

प्रकाशित वाक्य 21:1—5

परन्तु मैं तो धर्मी होकर तेरे मुख का दर्शन करूंगा जब मैं जागूंगा तब तेरे स्वरूप से सन्तुष्ट हूंगा।।

भजन सहिंता 17:15

और हम जानते हैं, कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, उन के लिये सब बातें मिलकर भलाई ही को उत्पन्न करती है; अर्थात् उन्हीं के लिये जो उस की इच्छा के अनुसार बुलाए हुए हैं।क्योंकि जिन्हें उस ने पहिले से जान लिया है उन्हें पहिले से ठहराया भी है कि उसके पुत्र के स्वरूप में हों ताकि वह बहुत भाइयों में पहिलौठा ठहरे।फिर जिन्हें उस ने पहिले से ठहराया, उन्हें बुलाया भी, और जिन्हें बुलाया, उन्हें धर्मी भी ठहराया है, और जिन्हें धर्मी ठहराया, उन्हें महिमा भी दी है।।

रोमियों 8:28—30

परन्तु जब हम सब के उघाड़े चेहरे से प्रभु का प्रताप इस प्रकार प्रगट होता है, जिस प्रकार दर्पण में, तो प्रभु के द्वारा जो आत्मा है, हम उसी तेजस्वी रूप में अंश अंश कर के बदलते जाते हैं।।

2 कुरिन्थियों 3:18

वह अपनी शक्ति के उस प्रभाव के अनुसार जिस के द्वारा वह सब वस्तुओं को अपने वश में कर सकता है, हमारी दीन—हीन देह का रूप बदलकर, अपनी महिमा की देह के अनुकूल बना देगा।।

फिलिप्पियों 3:21

और नए मनुष्यत्व को पहिन लिया है जो अपने सृजनहार के स्वरूप के अनुसार ज्ञान प्राप्त करने के लिये नया बनता जाता है।

कुलुस्सियों 3:10

क्योंकि उसके ईश्वरीय सामर्थ ने सब कुछ जो जीवन और भक्ति से सम्बन्ध रखता है, हमें उसी की पहचान के द्वारा दिया है, जिस ने हमें अपनी ही महिमा और सद्‌गुण के अनुसार बुलाया है।जिन के द्वारा उस ने हमें बहुमूल्य और बहुत ही बड़ी प्रतिज्ञाएं दी हैं: ताकि इन के द्वारा तुम उस सड़ाहट से छूटकर जो संसार में बुरी अभिलाषाओं से होती है, ईश्वरीय स्वभाव के समभागी हो जाओ।

2 परतस 1:3–4

हे प्रियों, अभी हम परमेश्वर की सन्तान हैं, और अब तक यह प्रगट नहीं हुआ, कि हम क्या कुछ होंगे! इतना जानते हैं, कि जब वह प्रगट होगा तो हम भी उसके समान होंगे, क्योंकि उस को वैसा ही देखेंगे जैसा वह है।

1 यूहन्ना 3:2

- ⊡ कलीसिया की अराधना में केन्द्रः मानवीय सलाह या फिर प्रभु का वचन?
  - ◆ जब हम ईश्वरीय वचन के बजाय मानवीय सलाह पर भरोसा करते हैं
    - o तो हम अपने जीवन में जरूरी परमेश्वर की योजना से वंचित हो जाते हैं।
    - o हम परमेश्वर की उस महिमा को चुरा लेते हैं सिर्फ परमेश्वर के लिए नियुक्त है।
  - ◆ जब हम मानवीय सलाह के बजाय परमेश्वर के अनुच्छेद पर भरोसा करते हैं
    - o हम अपने को उन सच्चाईयों से भरते हैं जो हमारे जीवन में परमेश्वर की योजना को समझने के लिए जरूरी होती है।
    - o हम मसीह के समान बनकर परमेश्वर को महिमा प्रदान करते हैं
      - ⊡ वचन हमारे भीतर मसीह के चरित्र को भरता है।

मैं दाखलता हूं: तुम डालियां हो; जो मुझ में बना रहता है, और मैं उस में, वह बहुत फल फलता है, क्योंकि मुझ से अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते।यदि कोई मुझ में बना न रहे, तो वह डाली की नाई फेंक दिया जाता, और सूख जाता है; और लोग उन्हें बटोरकर आग में झोंक देते हैं, और वे जल जाती हैं। यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरी बातें तुम में बनी रहें तो जो चाहो मांगो और वह तुम्हारे लिये हो जाएगा।

यूहन्ना 15:5–7

⊡ वचन हमारे भीतर मसीह की ————————— को उत्पन्न करता है।

क्योंकि यद्यपि हम शरीर में चलते फिरते हैं, तौभी शरीर के अनुसार नहीं लड़ते।क्योकि हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं, पर गढ़ों को ढा देने के लिये परमेश्वर के द्वारा सामर्थी हैं।सो हम कल्पनाओं को, और हर एक ऊंची बात को, जो

परमेश्वर की पहिचान के विरोध में उठती है, खंडन करते हैं; और हर एक भावना को कैद करके मसीह का आज्ञाकारी बना देते हैं।

⊡ वचन मसीह के ————————— को हमारे जीवन में उत्पन्न करता है।

परन्तु वचन पर चलनेवाले बनो, और केवल सुननेवाले ही नहीं जो अपने आप को धोखा देते हैं।क्योंकि जो कोई वचन का सुननेवाला हो, और उस पर चलनेवाला न हो, तो वह उस मनुष्य के समान है जो अपना स्वाभाविक मुंह दर्पण में देखता है।इसलिये कि वह अपने आप को देखकर चला जाता, और तुरन्त भूल जाता है कि मैं कैसा था।पर जो व्यक्ति स्वतंत्रता की सिद्ध व्यवस्था पर ध्यान करता रहता है, वह अपने काम में इसलिये आशीष पाएगा कि सुनकर भूलता नहीं, पर वैसा ही काम करता है।

याकूब 1:22

जिन पर परमेश्वर ने प्रगट करना चाहा, कि उन्हें ज्ञात हो कि अन्यजातियों में उस भेद की महिमा का मूल्य क्या है? और वह यह है, कि मसीह जो महिमा की आशा है तुम में रहता है। जिस का प्रचार करके हम हर एक मनुष्य को जता देते हैं और सारे ज्ञान से हर एक मनुष्य को सिखाते हैं, कि हम हर एक व्यक्ति को मसीह में सिद्ध करके उपस्थित करें।और इसी के लिये मैं उस की उस शक्ति के अनुसार जो मुझ में सामर्थ के साथ प्रभाव डालती है तन मन लगाकर परिश्रम भी करता हूं।
कुलुस्सियों 1:27–29

o कलीसिया परमेश्वर वचनों के प्रभाव को प्रगट करती है।

⊡ वचन निरूत्तरता को उत्पन्न करता है।

तब सुननेवालों के हृदय छिद गए, और वे पतरस और शेष प्रेरितों से पूछने लगे, कि हे भाइयो, हम क्या करें?
प्रेरितों के काम 2:37

क्योंकि परमेश्वर का वचन जीवित, और प्रबल, और हर एक दोधारी तलवार से भी बहुत चोखा है, और जीव, और आत्मा को, और गांठ गांठ, और गूदे गूदे को अलग करके, वार पार छेदता है; और मन की भावनाओं और विचारों को जांचता है।
इब्रानियों 4:12

- लोग उनके खिचाव की जरूरत को महसूस करते हैं।
- लोग परमेश्वर के प्रयोजन की महानता को महसूस करते हैं।

⊡ वचन परिवर्तन का उल्लेख करता है।

पतरस ने उन से कहा, मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने अपने पापों की क्षमा के लिये यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले; तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे।
प्रेरितों के काम 2:38

इसलिये, मन फिराओ और लौट आओ कि तुम्हारे पाप मिटाए जाएं, जिस से प्रभु के सम्मुख से विश्रान्ति के दिन आएं।

प्रेरितों के काम 3:19

इसलिये अपनी इस बुराई से मन फिराकर प्रभु से प्रार्थना कर, सम्भव है तेरे मन का विचार क्षमा किया जाए।
प्रेरितों के काम 8:22

उन्हों ने कहा, प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, तो तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा।
प्रेरितो के काम 16:31

इसलिये परमेश्वर आज्ञानता के समयों में अनाकानी करके, अब हर जगह सब मनुष्यों को मन फिराने की आज्ञा देता है।
प्रेरितो के काम 17:30

बरन यहूदियों और यूनानियों के साम्हने गवाही देता रहा, कि परमेश्वर की ओर मन फिराना, और हमारे प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करना चाहिए।
प्रेरितों के काम 20:21

परन्तु पहले दमिश्क के, फिर यरूशलेम के रहनेवालों को, तब यहूदिया के सारे देश में और अन्यजातियों को समझाता रहा, कि मन फिराओ और परमेश्वर की ओर फिर कर मन फिराव के योग्य काम करो।
प्रेरितों के काम 26:20

- ⊡ पश्चातापः हम ————————— हैं...
  - हमारे पापों से।
  - अपने आप से।
- ⊡ विश्वासः हम मसीह पर ————————— करते हैं।
  - जी उठे उद्धारकर्ता के रूप में।
  - राज्य करने वाले प्रभु के रूप में।

यदि तू अपने मुँह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपने मन से विश्वास करे, कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा। क्योंकि धार्मिकता के लिये मन से विश्वास किया जाता है, और उद्धार के लिये मुँह से अंगीकार किया जाता है।
रोमियों 10:9–10

- ⊡ वचन लालसा को उत्पन्न करता है।
  - जिस प्रकार से हम आत्मा चलाए चलते हैं।
  - हम वचनों के लिये ————————— हैं।

इसलिये सब प्रकार का बैरभाव और छल और कपट और डाह और बदनामी को दूर करके नए जन्में हुए बच्चों की नाईं निर्मल आत्मिक दूध की लालसा करो, ताकि उसके द्वारा उद्धार पाने के लिये बढ़ते जाओ, यदि तुम ने प्रभु की कृपा का स्वाद चख लिया है।

1 पतरस 2:1–3

कलीसिया पोषण करती है

और वे प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने में, और रोटी तोड़ने में, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।

प्रेरितों के काम 2:42

⊡ कलीसिया के सदस्यों के बीच कौन सी बात सामान्य हैं?

o सामान्य ————————— बुनियाद...

और विश्वास करनेवालों की मण्डली एक चित्त और एक मन के थे, यहाँ तक कि कोई भी अपनी सम्पत्ति अपनी नहीं कहता था, परन्तु सब कुछ साझे का था।

प्रेरितों के काम 4:32

⊡ हम मसीह के लहू और उसकी देह के भागीदार होते हैं।

वह धन्यवाद का कटोरा, जिस पर हम धन्यवाद करते हैं, क्या मसीह के लहू की सहभागिता नहीं? वह रोटी जिसे हम तोड़ते हैं, क्या मसीह की देह की सहभागिता नहीं?

1 कुरिन्थियों 10:16

⊡ हम मसीह की आत्मा के भागीदार होते हैं।

प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह, और परमेश्वर का प्रेम, और पवित्र आत्मा की सहभागिता, तुम सब के साथ होती रहे।

2 कुरिन्थियों 13:14

⊡ हम मसीह के सुसमाचार को बाँटते हैं।

...इसलिये, कि तुम पहले दिन से लेकर आज तक सुसमाचार के फैलाने में मेरे सहभागी रहे हो।

फिलिप्पियों 1:5

⊡ हम मसीह की तकलीफ़ों को बाँट लेते हैं।

और मैं उसको और उसके मृत्युन्जय की सामर्थ को, और उसके साथ दुःखों में सहभागी हाने के मर्म को जानूँ, और उस की मृत्यु की समानता को प्राप्त करूँ।

फिलिप्पियों 3:10

⊡ हम मसीह के जीवन को बाँट लेते हैं।

जो कुछ हम ने देखा और सुना है, उसका समाचार तुम्हें भी देते हैं, इसलिये कि तुम भी हमारे साथ सहभागी हो; और हमारी यह सहभागिता पिता के साथ, और उसके पुत्र यीशु मसीह के साथ है। और ये बातें हम इसलिये लिखते हैं, कि हमारा आनन्द पूरा हो जाए, जो समाचार हम ने उस से सुना, और तुम्हें सुनाते हैं, वह यह है; कि परमेश्वर ज्योति हैः और उस में कुछ भी अन्धकार नहीं। यदि हम कहें, कि उसके साथ हमारी सहभागिता है, और फिर अन्धकार में चलें, तो हम झूठे हैंः और सत्य पर नहीं चलते। पर यदि जैसा वह ज्योति में है, वैसे ही हम भी ज्योति में चलें, तो एक दूसरे से सहभागिता रखते हैं; और उसके पुत्र यीशु मसीह का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है।

1 यूहन्ना 1:3–7

o सामान्य ———————— निर्देश...

और सब लोगों पर बड़ा भय छा गया, और बहुत से अद्‌भुत काम और चिन्ह प्रेरितों के द्वारा प्रगट होते थे। और वे सब विश्वास करनेवाले इकट्ठे रहते थे, और उन की सब वस्तुएँ साझे की थीं, और वे अपनी अपनी सम्पत्ति और सामान बेच–बेचकर, जैसी जिस की आवश्यकता होती थी, बाँट दिया करते थे। और वे प्रति दिन एक मन होकर मन्दिर में इकट्ठे होते थे, और घर घर रोटी तोड़ते हुए आनन्द और मन की सीधाई से भोजन किया करते थे। और परमेश्वर की स्तुति करते थे, और सब लोग उन से प्रसन्न थेः और जो उद्धार पाते थे, उनको प्रभु प्रतिदिन उन में मिला देता था।

प्रेरितों के काम 2:43–47

⊡ हम एक दूसरे की देखभाल करते हैं।

⊡ हम एक दूसरे की देवा करते हैं।

⊡ हम एक दूसरे को देते हैं।

⊡ हम एक दूसरे को प्रोत्साहित करते हैं।

- हम एक दूसरे की ———————— करते हैं।
  - o हम परमेश्वर से दया को प्राप्त करते हैं।

इसलिये हे भाइयों, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिला कर विनती करता हूँ, कि अपने शरीरो को जीवित, और पवित्र, और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओः यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है। और इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारी बुद्धि के नए हो जाने से तुम्हारा चाल–चलन भी बदलता जाए, जिस से तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो।

रोमियों 12:1–2

- हम एक दूसरे के प्रति दया को प्रति दया को प्रगट करते हैं।

प्रेम निष्कपट हो; बुराई से घृणा करो; भलाई मे लगे रहो। भाईचारे के प्रेम से एक दूसरे पर दया रखो; परस्पर आदर करने में एक दूसरे से बढ़ चलो। प्रयत्न करने में आलसी न हो; आत्मिक उन्माद में भरो रहो; प्रभु की सेवा करते रहो। आशा में आनन्दित रहो; क्लेश में स्थिर रहो; प्रार्थना में नित्य लगे रहो। पवित्र लोगों को जो कुछ अवश्य हो, उस में उन की सहायता करो; पहुनाई करने में लगे रहो।

रोमियों 12:9–13

- हम एक दूसरे को ————————— करते हैं।

मैं तुम्हें एक नई आज्ञा देता हूँ, कि एक दूसरे से प्रेम रखोः जैसा मैं ने तुम से प्रेम रखा है, वैसा ही तुम भी एक दूसरे से प्रेम रखो। यदि आपस में प्रेम रखोगे, तो इसी से सब जानेंगे, कि तुम मेरे चेले हो।

यूहन्ना 13:34–35

- हम एक दूसरे की मेजबानी करते हैं।

बिना कुड़कुड़ाए एक दूसरे की पहुनाई करो।

1 पतरस 4:9

- हम एक दूसरे का ————————— करते हैं।

नहीं, वरन् यह कि अन्यजाति जो बलिदान करते हैं, वे परमेश्वर के लिये नहीं, परन्तु दुष्टात्माओं के लिये बलिदान करते हैंः और मैं नहीं चाहता, कि तुम दुष्टात्माओं के सहभागी हो।

1 कुरिन्थियों 10:20

- हम एक दूसरे को स्वीकार करते हैं।

इसलिये, जैसा मसीह ने भी परमेश्वर की महिमा के लिये तुम्हें ग्रहण किया है, वैसे ही तुम भी एक दूसरे को ग्रहण करो।

रोमियों 15:7

- हम एक दूसरे का ————————— करते हैं।

भाईचारे के प्रेम से एक दूसरे पर दया रखो; परस्पर आदर करने में एक दूसरे से बढ़ चलो।
रोमियों 12:10

- हम एक दूसरे की सेवा करते हैं।

हे भाइयों, तुम स्वतन्त्र होने के लिये बुलाए गए हो परन्तु ऐसा न हो, कि यह स्वतन्त्रता शारीरिक कामों के लिये अवसर बने, वरन् प्रेम से एक दूसरे के दास बनो।
गलातियों 5:13

- हम एक दूसरे को ————————` हैं।

हे मेरे भाइयों; मैं आप भी तुम्हारे विषय में निश्चय जानता हूँ, कि तुम भी आप ही भलाई से भरे और ईश्वरीय ज्ञान से भरपूर हो, और एक दूसरे को चिता सकते हो।
रोमियों 15:14

- हम एक दूसरे के लिये प्रतीक्षा करते हैं।

इसलिये, हे मेरे भाइयों, जब तुम खाने के लिये इकट्ठे होते हो, तो एक दूसरे के लिये ठहरा करो।
1 कुरिन्थियों 11:33

- हम एक दूसरे को ————————— करते हैं।

और यदि किसी को किसी पर दोष देने को कोई कारण हो, तो एक दूसरे की सह लो, और एक दूसरे के अपराध क्षमा करोः जैसे प्रभु ने तुम्हारे अपराध क्षमा किए, वैसे ही तुम भी करो।
कुलुस्सियों 3:13

- हम एक दूसरे के अधीन होते हैं।

और मसीह के भय से एक दूसरे के आधीन रहो।
इफिसियों 5:21

- हम एक दूसरे को प्रेरणा प्रदान करते हैं।

और प्रेम, और भले कामों में उस्काने के लिये एक दूसरे की चिन्ता किया करें।

इब्रानियों 10:24

- हम एक दूसरे के साथ शान्ति बनाए रखते हैं।

और उन के काम के कारण प्रेम के साथ उन को बहुत ही आदर के योग्य समझो: आपस में मेल–मिलाप से रहो।

1 थिस्सलुनीकियों 5:13

- हम एक दूसरे के ———————— को उठाते हैं।

तुम एक दूसरे के भार उठाओ, और इस प्रकार मसीह की व्यवस्था को पूरी करो।

गलातियों 6:2

- हम एक दूसरे को प्रोत्साहित करते हैं।

इस कारण एक दूसरे को शान्ति दो, और एक दूसरे की उन्नति के कारण बनो, इसलिये, तुम ऐसा करते भी हो।

1 थिस्सलुनीकियों 5:11

- हम एक दूसरे को ———————— देते हैं।

हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर, और पिता का धन्यवाद हो, जो दया का पिता, और सब प्रकार की शान्ति का परमेश्वर है। वह हमारे सब क्लेशों में शान्ति देता है; ताकि हम उस शान्ति के कारण जो परमेश्वर हमें देता है, उन्हें भी शान्ति दे सकें, जो किसी प्रकार के क्लेश में हों। क्योंकि जैसे मसीह के दुःख हम को अधिक होते हैं, वैसे ही हमारी शान्ति भी मसीह के द्वारा अधिक होती है। यदि हम क्लेश पाते हैं, तो यह तुम्हारी शान्ति और उद्धार के लिये है और यदि शान्ति पाते हैं, तो यह तुम्हारी शान्ति के लिये है; जिस के प्रभाव से तुम धीरज के साथ उन क्लेशों को सह लेते हो, जिन्हें हम भी सहते हैं। और हमारी आशा तुम्हारे विषय में दृढ़ है; क्योंकि हम जानते हैं, कि तुम जैसे दुःखों के वैसे ही शान्ति के भी सहभागी हो।

2 कुरिन्थियों 1:3–7

⊡ परमेश्वर हमारी खातिर हमारी तकलीफ़ों को इस्तेमाल करता है।

हे भाइयों, हम नहीं चाहते कि तुम हमारे उस क्लेश से अनजान रहो, जो आसिया में हम पर पड़ा, कि ऐसे भारी बोझ से दब गए थे, जो हमारी समर्थ से बाहर था, यहाँ तक कि हम जीवन से भी हाथ धो बैठे थे, वरन् हम ने अपने मन में समझ लिया था, कि हम पर मृत्यु की आज्ञा हो चुकी है कि हम अपना भरोसा न रखें, वरन् परमेश्वर का, जो मरे हुओं को जिलाता है। उसी ने हमें ऐसी बड़ी मृत्यु से बचाया, और बचाएगा; और उस से हमारी यह आशा है, कि वह आगे को भी बचाता रहेगा। और तुम भी मिलकर प्रार्थना के द्वारा हमारी सहायता करोगे, कि जो वरदान बहुतों के द्वारा हमें मिला, उसके कारण बहुत लोग हमारी ओर से धन्यवाद करें।

2 कुरिन्थियों 1:8–11

⊡ परमेश्वर दूसरों की खातिर हमारी तकलीफ़ों को इस्तेमाल करता है।

तौभी दीनों को शान्ति देनेवाले परमेश्वर ने तीतुस के आने से हम को शान्ति दी। और न केवल उसके आने से परन्तु उस की उस शान्ति से भी, जो उस को तुम्हारी ओर से मिली थी; और उस ने तुम्हारी लालसा, और तुम्हारे दुःख, और मेरे लिये तुम्हारी धुन का समाचार हमें सुनाया, जिस से मुझे और भी आनन्द हुआ।

2 कुरिन्थियों 7:6–7

⊡ परमेश्वर अपने लिये हमारी तकलीफ़ों को इस्तेमाल करता है।

और इसलिये कि मैं प्रकाशनों की बहुतायत से फूल न जाऊँ, मेरे शरीर में एक काँटा चुभाया गया, अर्थात् शैतान का एक दूत, कि मुझे घूँसे मारे, ताकि मैं फूल न जाऊँ। इस के विषय में मैं ने प्रभु से तीन बार विनती की, कि मुझ से यह दूर हो जाए, और उस ने मुझ से कहा, मेरा अनुग्रह तेरे लिये बहुत है; क्योंकि मेरी सामर्थ निर्बलता में सिद्ध होती है; इसलिये मैं बड़े आनन्द से अपनी निर्बलताओं पर घमण्ड करूँगा, कि मसीह की सामर्थ मुझ पर छाया करती रहे। इस कारण मैं मसीह के लिये निर्बलताओं, और निन्दाओं में, और दरिद्रता में, और उपद्रवों में, और संकटों में, प्रसन्न हूँ; क्योंकि जब मैं निर्बल होता हूँ, तभी बलवन्त होता हूँ।

2 कुरिन्थियों 12:7–10

o हम एक दूसरे के सम्मुख अंगीकार व एक दूसरे के लिये प्रार्थना करते हैं।

इसलिये तुम आपस में एक दूसरे के साम्हने अपने अपने पापों को मान लो; और एक दूसरे के लिये प्रार्थना करो, जिस से चंगे हो जाओ; धर्मी जन की प्रार्थना के प्रभाव से बहुत कुछ हो सकता है।

याकूब 5:16

o हम एक दूसरे की प्रतिष्ठा करते हैं।

विरोध या झूठी बड़ाई के लिये कुछ न करो, पर दीनता से एक दूसरे को अपने से अच्छा समझो।

फिलिप्पियों 2:3

o हम एक दूसरे की उन्नति करते हैं।

इसलिये, हम उन बातों का प्रयत्न करें, जिनसे मेल मिलाप और एक दूसरे का सुधार हो।

रोमियों 14:19

o हम एक दूसरे को शिक्षा प्रदान करते हैं।

मसीह के वचन को अपने हृदय में अधिकाई से बसने दो; और सिद्ध ज्ञान सहित एक दूसरे को सिखाओ, और चिताओ, और अपने अपने मन में अनुग्रह के साथ परमेश्वर के लिये भजन और स्तुतिगान और आत्मिक गीत गाओ।

कुलुस्सियों 3:16

- हम एक दूसरे के प्रति भलाई को प्रगट करते हैं।

और एक दूसरे पर कृपालु, और करूणामय हो, और जैसे परमेश्वर ने मसीह में तुम्हारे अपराध क्षमा किए, वैसे ही तुम भी एक दूसरे के अपराध क्षमा करो।
इफिसियों 4:32

- परिवार का खुशियाँ परमेश्वर की महिमा को प्रगट करती हैं।

- हम एक दूसरे की ————————— करते हैं।

क्योंकि, मैं उस अनुग्रह के कारण जो मुझ को मिला है, तुम में से हर एक से कहता हूँ, कि जैसा समझना चाहिए, उस से बढ़कर कोई भी अपने आप को न समझे, पर जैसा परमेश्वर ने हर एक को परिमाण के अनुसार बाँट दिया है, वैसा ही सुबुद्धि के साथ अपने को समझे। क्योंकि जैसे हमारी एक देह में बहुत से अंग हैं, और सब अंगों का एक ही सा काम नहीं। वैसा ही हम जो बहुत हैं, मसीह में एक देह होकर आपस में एक दूसरे के अंग हैं। और जब कि उस अनुग्रह के अनुसार जो हमें दिया गया है, हमें भिन्न भिन्न वरदान मिले हैं, तो जिस को भविष्यद्वाणी का दान मिला हो, वह विश्वास के परिमाण के अनुसार भविष्यद्वाणी करे। यदि सेवा करने का दान मिला हो, तो सेवा में लगा रहे, यदि कोई सिखानेवाला हो, तो सिखाने में लगा रहे। जो उपदेशक हो, वह उपदेश देने में लगा रहे; दान देनेवाला उदारता से दे, जो अगुआई करे, वह उत्साह से करे, जो दया करे, वह हर्ष से करे।
रोमियों 12:3–8

- हम अनुग्रह के द्वारा बनाए गए परिवार हैं।

जिस को जो वरदान मिला है, वह उसे परमेश्वर के नाना प्रकार के अनुग्रह के भले भण्डारियों की नाईं एक दूसरे की सेवा में लगाए।
1 पतरस 4:10

परन्तु मैं जो कुछ भी हूँ, परमेश्वर के अनुग्रह से हूँ: और उसका अनुग्रह जो मुझ पर हुआ, वह व्यर्थ नहीं हुआ, परन्तु मैं ने उन सब से बढ़कर परिश्रम भी कियाः तौभी यह मेरी ओर से नहीं हुआ, परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह से जो मुझ पर था।
1 कुरिन्थियों 15:10

- हम विभिन्न ————————— को मिलाकर बनाए गए परिवार हैं।

यदि पाँव कहेः कि मैं हाथ नहीं, इसलिये देह का नहीं, तो क्या वह इस कारण देह का नहीं? और यदि कान कहे; कि मैं आँख नहीं, इसलिये देह का नहीं, तो क्या वह इस कारण देह का नहीं। यदि सारी देह आँख ही होती, तो सुनना

कहाँ से होता? यदि सारी देह कान ही होती, तो सूँघना कहाँ होता? परन्तु सचमुच परमेश्वर ने अंगो को अपनी इच्छा के अनुसार एक एक करके देह में रखा है। यदि वे सब एक ही अंग होते, तो देह कहाँ होती? परन्तु अब अंग तो बहुत से हैं, परन्तु देह एक ही है। आँख हाथ से नहीं कह सकती, कि मुझे तेरा प्रयोजन नहीं, और न सिर पाँवों से कह सकता है, कि मुझे तुम्हारा प्रयोजन नहीं। परन्तु देह के वे अंग जो औरों से निर्बल देख पड़ते हैं, बहुत ही आवश्यक हैं। और देह के जिन अंगो को हम आदर के योग्य नहीं समझते हैं, उन्हीं को हम अधिक आदर देते हैं; और हमारे शोभाहीन अंग और भी बहुत शोभायमान हो जाते हैं। फिर भी हमारे शोभायमान अंगो को इस का प्रयोजन नहीं, परन्तु परमेश्वर ने देह को ऐसा बना दिया है, कि जिस अंग को घटी थी, उसी को और भी बहुत आदर हो, ताकि देह में फूट न पड़े, परन्तु अंग एक दूसरे की बराबर चिन्ता करें। इसलिये यदि एक अंग दुःख पाता है, तो सब अंग उसके साथ दुःख पाते हैं; और यदि एक अंग की बड़ाई होती है, तो उसके साथ सब अंग आनन्द मनाते हैं।

1 कुरिन्थियों 12:15—26

- जहाँ प्रत्येक जन ————————— है।
  - कोई भी कम नहीं है।
    - हम आत्म अवमूल्यन को नहीं बचाते हैः "तुम्हें मेरी आवश्यकता नहीं है।"
  - कोई बड़ा नहीं है।
    - हम आत्म प्रशंसा नहीं करते हैंः "मुझे तुम्हारी आवश्यकता नहीं है।"
  - तुलना करने की आवश्यकता नहीं।
  - किसी की नकल की आवश्यकता नहीं।
- जहाँ हर एक जन ————————— है।
- हम एक दूसरे को ————————— हैं।

सात सात वर्ष बीतने पर तुम छुटकारा दिया करना, अर्थात् जिस किसी ऋण देनेवाले ने अपने पड़ोसी को कुछ उधार दिया हो, तो वह उसे छोड़ दे; और अपने पड़ोसी व भाई से उसको बरबस न भरवा ले, क्योंकि यहोवा के नाम से इस छुटकारे का प्रचार हुआ है। परदेशी मनुष्य से तू उसे बरबस भरवा सकता है, परन्तु जो कुछ तेरे भाई के पास तेरा हो, उसको तू बिना भरवाए छोड़ देना। तेरे बीच कोई दरिद्र न रहेगा, क्योंकि जिस देश को तेरा परमेश्वर यहोवा तेरा भाग करके तुझे देता है, कि तू उसका अधिकारी हो, उस में वह तुझे बहुत ही आशीष देगा। इतना अवश्य है कि तू अपने परमेश्वर यहोवा की बात चित्त लगाकर सुने, और इन सारी आज्ञाओं के मानने में, जो मैं आज तुझे सुनाता हूँ, चौकसी करे, तब तेरा परमेश्वर यहोवा अपने वचन के अनुसार तुझे आशीष देगा, परन्तु तुझे उधार लेना न पड़ेगा; और तू बहुत जातियों पर प्रभुता करेगा, परन्तु वे तेरे ऊपर प्रभुता न करने पाएँगी। जो देश तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे देता है उसके किसी फाटक के भीतर यदि तेरे भाइयों में से कोई तेरे पास द्ररिद्र हो, तो अपने उस दरिद्र भाई के लिये न तो अपना हृदय कठोर करना, और न अपनी मुट्ठी कड़ी करना; जिस वस्तु की घटी उसको हो, उसका जितना प्रयोजन हो उतना अवश्य अपना हाथ ढीला करके उसको उधार देना। सचेत रह कि तेरे मन में ऐसी अधम चिन्ता न समाए, कि सातवाँ वर्ष जो छुटकारे का वर्ष है, वह निकट है, और अपनी दृष्टि तू अपने उस दरिद्र भाई की ओर से क्रूर करके उसे कुछ न दे, तो यह तेरे लिये पाप ठहरेगा। तू उसको अवश्य देना, और उसे देते समय तेरे मन को बुरा न लगे; क्योकि इसी बात के

कारण तेरा परमेश्वर यहोवा तेरे सब कामों में जिन में तू अपना हाथ लगाएगा तुझे आशीष देगा। तेरे देश में दरिद्र तो सदा पाए जाएँगे, इसलिये मैं तुझे यह आज्ञा देता हूँ कि तू अपने देश में अपने दीन–दरिद्र भाइयों को अपना हाथ ढीला करके अवश्य दान देना।

व्यवस्थाविवरण 15:1–11

और वे अपनी अपनी सम्पत्ति और सामान बेच बेचकर जैसी जिस की आवश्यकता होती थी, बाँट दिया करते थे।

प्रेरितों के काम 2:45

और विश्वास करनेवालों की मण्डली एक चित्त और एक मन के थे, यहाँ तक कि कोई भी अपनी सम्पत्ति अपनी नहीं कहता था, परन्तु सब कुछ साझे का था। और प्रेरित बड़ी सामर्थ से प्रभु यीशु के जी उठने की गवाही देते रहे और उन सब पर बड़ा अनुग्रह था। और उन में कोई भी दरिद्र न था, क्योंकि जिन के पास भूमि या घर थे, वे उन को बेच बेचकर, बिकी हुई वस्तुओं का दाम लाते, और उसे प्रेरितों के पाँवों पर रखते थे। और जैसी जिसे आवश्यकता होती थी, उसके अनुसार हर एक को बाँट दिया करते थे। और यूसुफ नाम, कुप्रुस का एक लेवी था, जिसका नाम प्रेरितों ने बरनबास अर्थात् (शान्ति का पुत्र) रखा था। उस की कुछ भूमि थी, जिसे उस ने बेचा, और दाम के रूपये लाकर प्रेरितों के पाँवों पर रख दिए।

प्रेरितों के काम 4:32–37

अब हे भाइयों, हम तुम्हें परमेश्वर के उस अनुग्रह का समाचार देते हैं, जो मकिदुनिया की कलीसियाओं पर हुआ है कि क्लेश की बड़ी परीक्षा में उन के बड़े आनन्द और भारी कंगालपन के बढ़ जाने से उन की उदारता बहुत बढ़ गई। और उनके विषय में मेरी यह गवाही है, कि उन्हों ने अपनी सामर्थ भर वरन् सामर्थ से भी बाहर मन से दिया। और इस दान में और पवित्र लोगों की सेवा में भागी होने के अनुग्रह के विषय में हम से बार–बार बहुत विनती की और जैसी हम ने आज्ञा की थी, वैसी ही नहीं, वरन् उन्हों ने प्रभु को, फिर परमेश्वर की इच्छा से हम को भी अपने तईं दे दिया। इसलिये हम ने तीतुस को समझाया, कि जैसा उस ने पहले आरम्भ किया था, वैसा ही तुम्हारे बीच में इस दान के काम को पूरा भी कर ले। अतः जैसे हर बात में अर्थात् विश्वास, वचन, ज्ञान और सब प्रकार के यत्न में, और उस प्रेम में, जो हम से रखते हो, बढ़ते जाते हो, वैसे ही इस दान के काम में भी बढ़ते जाओ। मैं आज्ञा की रीति पर तो नहीं, परन्तु औरों के उत्साह से तुम्हारे प्रेम की सच्चाई को परखने के लिये कहता हूँ। तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह जानते हो, कि वह धनी होकर भी तुम्हारे लिये कंगाल बन गया, ताकि उसके कंगाल हो जाने से तुम धनी हो जाओ।

2 कुरिन्थियों 8:1–9

परन्तु बात तो यह है, कि जो थोड़ा बोता है, वह थोड़ा काटेगा भी; और जो बहुत बोता है, वह बहुत काटेगा। हर एक जन जैसा मन में ठाने, वैसा ही दान करे; न कुढ़ कुढ़ के, और न दबाव से, क्योंकि परमेश्वर हर्ष से देनेवाले से प्रेम रखता है। और परमेश्वर सब प्रकार का अनुग्रह तुम्हें बहुतायत से दे सकता है, जिस से हर बात में, और हर

समय, सब कुछ, जो तुम्हें आवश्यक हो, तुम्हारे पास रहे, और हर एक भले काम के लिये तुम्हारे पास बहुत कुछ हो। जैसा लिखा है, उस ने बिथराया, उस ने कंगालों को दान दिया, उसका धर्म सदा बना रहेगा। अतः जो बोनेवाले को बीज, और भोजन के लिये रोटी देता है, वह तुम्हें बीज देगा, और उसे फलवन्त करेगा; और तुम्हारे धर्म के फलों को बढ़ाएगा, कि तुम हर बात में सब प्रकार की उदारता के लिये, जो हमारे द्वारा परमेश्वर का धन्यवाद करवाती है, धनवान किए जाओ। क्योंकि इस सेवा के पूरा करने से, न केवल पवित्र लोगों की घटियाँ पूरी होती हैं, परन्तु लोगों की ओर से परमेश्वर का बहुत धन्यवाद होता है, क्योंकि इस सेवा से प्रमाण लेकर परमेश्वर की महिमा प्रगट करते हैं, कि तुम मसीह के सुसमाचार को मान कर उसके आधीन रहते हो, और उन की, और सब की सहायता करने में उदारता प्रगट करते रहते हो। और वे तुम्हारे लिये प्रार्थना करते हैं; और इसलिये कि तुम पर परमेश्वर का बड़ा ही अनुग्रह है, तुम्हारी लालसा करते रहते हैं। परमेश्वर को उसके उस दान के लिये, जो वर्णन से बाहर है, धन्यवाद हो।

2 कुरिन्थियों 9:6–15

- हम बहुतायत के अनुग्रह को प्रदान करते हैं।
  - ⊡ हम ———————— से देते हैं।
    - हम परमेश्वर की आशीषों पर आधारित होकर देते हैं।
    - हम अपनी योग्यता के अनुसार देते हैं।

और वह मन्दिर के भण्डार के साम्हने बैठकर देख रहा था, कि लोग मन्दिर के भण्डार में किस प्रकार पैसे डालते हैं, और बहुत धनवानों ने बहुत कुछ डाला। इतने में एक कंगाल विधवा ने आकर दो दमड़ियाँ, जो एक अधेले के बराबर होती है, डालीं। तब उस ने अपने चेलों को पास बुलाकर उन से कहा; मैं तुम से सच कहता हूँ, कि मन्दिर के भण्डार में डालने वालों में से इस कंगाल विधवा ने सब से बढ़कर डाला है। क्योंकि सब ने अपने धन की बढ़ती में से डाला है, परन्तु इस ने अपनी घटी में से जो कुछ उसका था, अर्थात् अपनी सारी जीविका डाल दी है।

मरकुस 12:41–44

सप्ताह के पहले दिन तुम में से हर एक अपनी आमदनी के अनुसार कुछ अपने पास रख छोड़ा करें, कि मेरे आने पर चन्दा न करना पड़े।

1 कुरिन्थियों 16:2

- ⊡ हम उदारता के साथ देते हैं।
  - परमेश्वर के लिये बहुतायत से देना...
    - जिसके परिणाम स्वरूप परमेश्वर से बहुत प्राप्त होता है।
  - परमेश्वर हमारे लिये बहुतायत से देते हैं।
    - और वह दूसरों के लिये बहुतायत से देते हैं।

- ⊡ हम ———————— ———————— देते हैं।
  - परमेश्वर हम पर देने के लिये जोर नहीं डालते।
  - हम देने के लिये परमेश्वर की ओर से स्वतन्त्र हैं।
- o हम ———————— को प्रगट करने के लिये देते हैं।
  - ⊡ हम दूसरों के लिये अपने अधिकारों का त्याग करते हैं।
  - ⊡ हम अपने संसाधनों को दूसरों पर खर्च करते हैं।
- o हम परमेश्वर को ———————— देने के लिये देते हैं।
  - ⊡ देना परमेश्वर के लोगों को जोड़ता है।

क्योंकि मकिदुनिया और अखाया के लोगों को यह अच्छा लगा, कि यरूशलेम के पवित्र लोगों के कंगालों के लिये कुछ चन्दा करें। अच्छा तो लगा, परन्तु वे उन के कर्जदार भी हैं, क्योंकि यदि अन्यजाति उन की आत्मिक बातों में भागी हुए, तो उन्हें भी उचित है, कि शारीरिक बातों में उन की सेवा करें।

रोमियों 15:26–27

- हम नियमित रूप से कलीसिया को देते हैं।

सप्ताह के पहले दिन तुम में से हर एक अपनी आमदनी के अनुसार कुछ अपने पास रख छोड़ा करें, कि मेरे आने पर चन्दा न करना पड़े।

1 कुरिन्थियों 16:2

- कलीसिया हमारे वरदानों के हिसाब से हमें जिम्मेदारी सौंपती हैं।

हम इस बात में चौकस रहते हैं, कि इस उदारता के काम के विषय में, जिस की सेवा हम करते हैं, कोई हम पर दोष न लगाने पाए, क्योंकि जो बातें केवल प्रभु ही के निकट नहीं, परन्तु मनुष्यों के निकट भी भली हैं, हम उन की चिन्ता करते हैं।

2 कुरिन्थियों 8:20–21

- ⊡ देने से परमेश्वर की भलाई को तारीफ़ मिलती है।
- हम एक दूसरे को हौंसला देते हैं।

हे भाइयों, यदि कोई मनुष्य किसी अपराध में पकड़ा जाए, तो तुम जो आत्मिक हो, नम्रता के साथ ऐसे को सम्भालो, और अपनी भी चौकसी रखो, कि तुम भी परीक्षा में न पड़ो। तुम एक दूसरे के भार उठाओ, और इस प्रकार मसीह की व्यवस्था को पूरी करो। क्योंकि यदि कोई कुछ न होने पर भी अपने आप को कुछ समझता है, तो अपने आप को धोखा देता है। पर हर एक अपने ही काम को जाँच ले, और तब दूसरे के विषय में नहीं, परन्तु अपने ही विषय में उसको घमण्ड करने का अवसर होगा। क्योंकि हर एक व्यक्ति अपना ही बोझ उठाएगा।

गलातियों 6:1–5

- कलीसिया क्या अनुशासित नहीं करती है?
  - ⊡ "कलीसिया में अनुशासन आवश्यक है।"
    - कलीसिया का अनुसरण ————————— है...

"क्योंकि प्रभु, जिस से प्रेम करता है, उस की ताड़ना भी करता है; और जिसे पुत्र बना लेता है, उस को कोड़े भी लगाता है।"
इब्रानियों 12:6

  - ⊡ "मत्ती 7:1 के बारे में आप के विचार क्या हैं?"

दोष मत लगाओ, कि तुम पर भी दोष न लगाया जाए। क्योंकि जिस प्रकार तुम दोष लगाते हो, उसी प्रकार तुम पर भी दोष लगाया जाएगा; और जिस नाप से तुम नापते हो, उसी से तुम्हारे लिये भी नापा जाएगा। तू क्यों अपने भाई की आँख के तिनके को देखता है, और अपनी आँख का लट्ठा तुझे नहीं सूझता? और जब तेरी ही आँख में लट्ठा है, तो तू अपने भाई से क्योंकर कह सकता है, कि ला, मैं तेरी आँख से तिनका निकाल दूँ।
मत्ती 7:1–4

    - मत्ती ————————तक पढ़ते जाएँ...

हे कपटी, पहले अपनी आँख में से लट्ठा निकाल ले, तक तू अपने भाई की आँख का तिनका भली भाँति देखकर निकाल सकेगा।
मत्ती 7:5

  - ⊡ "लोग कलीसिया छोड़ देंगे।"
    - परमेश्वर की कलीसिया को ————————— है, हमारी नहीं।

फिर कितने लोग यहूदिया से आकर भाइयों को सिखाने लगे कि यदि मूसा की रीति पर तुम्हारा खतना न हो, तो तुम उद्धार नहीं पा सकते। जब पौलुस और बरनबास का उन से बहुत झगड़ा और वाद–विवाद हुआ तो यह ठहराया गया, कि पौलुस और बरनबास, और हम में से कितने और व्यक्ति इस बात के विषय में यरूशलेम को प्रेरितों और प्राचीनों के पास जाएँ। अतः मण्डली ने उन्हें कुछ दूर तक पहुँचाया; और वे फीनीके और सामरिया से होते हुए अन्यजातियों के मन फेरने का समाचार सुनाते गए, और सब भाइयों को बहुत आनन्दित किया। जब यरूशलेम में पहुँचे, तो कलीसिया और प्रेरित और प्राचीन उन से आनन्द के साथ मिले, और उन्हों ने बताया कि परमेश्वर ने उन के साथ होकर कैसे कैसे काम किए थे। परन्तु फरीसियों के पन्थ में से जिन्हों ने विश्वास किया था, उन में से कितनों ने उठकर कहा, कि उन्हें खतना कराना और मूसा की व्यवस्था को मानने की आज्ञा देना चाहिए। तब प्रेरित और प्राचीन इस बात के विषय में विचार करने के लिये इकट्ठे हुए। तब पतरस ने बहुत वाद–विवाद के बाद खड़े होकर उन से कहा, हे भाइयों, तुम जानते हो, कि बहुत दिन हुए, कि परमेश्वर ने तुम में

से मुझे चुन लिया, कि मेरे मुँह से अन्यजाति सुसमाचार का वचन सुनकर विश्वास करें। और मन के जाँचनेवाले परमेश्वर ने उन को भी हमारी नाईं पवित्र आत्मा देकर उन की गवाही दी, और विश्वास के द्वारा उन के मन शुद्ध करके हम में और उन में कुछ भेद न रखा। तो अब तुम क्यों परमेश्वर की परीक्षा करते हो? कि चेलों की गरदन पर ऐसा जूआ रखो, जिसे न हमारे बापदादे उठा सके थे और न हम उठा सकते। हाँ, हमारा यह तो निश्चय है, कि जिस रीति से वे प्रभु यीशु के अनुग्रह से उद्धार पाएँगे; उसी रीति से हम भी पाएँगे। तब सारी सभा चुपचाप होकर बरनबास और पौलुस की सुनने लगी, कि परमेश्वर ने उन के द्वारा अन्यजातियों में कैसे कैसे चिन्ह, और अद्‌भुत काम दिखाए। जब वे चुप हुए, तो याकूब कहने लगा, हे भाइयों, मेरी सुनोः शमौन ने बताया, कि परमेश्वर ने पहले पहल अन्यजातियों पर कैसी कृपा दृष्टि की, कि उन में से अपने नाम के लिये एक लोग बना ले।

प्रेरितों के काम 15:1–14

पर तुम एक चुना हुआ वंश, और राज–पदधारी, याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हो, इसलिये कि जिस ने तुम्हें अन्धकार में से अपनी अद्‌भुत ज्योति में बुलाया है, उसके गुण प्रगट करो।

1 पतरस 2:9

- ⊡ "कलीसिया नहीं जानती कि उसके अनुशासन को कैसे व्यवहार में लाया जाए।"
  - कलीसिया को कलीसिया के अनुशासन का ––––––––– सीखना चाहिये!
- o कलीसिया का अनुशासन क्या है?
  - ⊡ कलीसिया के अनुशासन के दो मुख्य तत्व...
    - ––––––––– कलीसिया के अनुशासन...
      - o विश्वासी मसीह की देह में परमेश्वर के वचनों से लगातार शिक्षा पाते हैं, जिससे उनका जीवन मसीह के स्वरूप में रूपान्तरित हो जाता है।
    - ––––––––– कलीसिया के अनुशासन...
      - o एक मसीही भाई या बहिन के जीवन में बिना पश्चाताप किये गए पापों के सन्दर्भ में मसीह की देह के द्वारा छुटकारा।
  - ⊡ कलीसिया के अनुशासन के लिये बुनियाद।
    - परमेश्वर का ––––––––– ।

क्योंकि परमेश्वर का अनुग्रह प्रगट है, जो सब मनुष्यों के उद्धार का कारण है। और हमें चिताता है, कि हम अभक्ति और सांसारिक अभिलाषाओं से मन फेरकर इस युग में संयम और धर्म और भक्ति से जीवन बिताएँ। और उस धन्य आशा की अर्थात् अपने महान परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की महिमा के प्रगट होने की बाट जोहते रहें। जिस ने अपने आप को हमारे लिये दे दिया, कि हमें हर प्रकार के अधर्म से छुड़ा ले, और शुद्ध करके अपने लिये एक ऐसी जाति बना ले, जो भले भले कामों में सरगर्म हो।

तीतुस 2:11–14

o कलीसिया के अनुशासन तक पहुँचना या उन्हें सीखना...

⊡ हमें बच्चों के समान ————————— की आवश्यकता है।

जो कोई अपने आप को इस बालक के समान छोटा करेगा, वह स्वर्ग के राज्य में बड़ा होगा।
मत्ती 18:4

⊡ हमें ————————— को ध्यान में रखना है।

पर जो कोई इन छोटों में से जो मुझ पर विश्वास करते हैं ,एक को ठोकर खिलाए, उसके लिये भला होता, कि बड़ी चक्की का पाट उसके गले में लटकाया जाता, और वह गहरे समुद्र में डुबाया जाता।
मत्ती 18:6

⊡ हमें ————————— लोगों के लिये तरस की आवश्यकता है।

ऐसा ही तुम्हारे पिता की जो स्वर्ग में है, यह इच्छा नहीं, कि इन छोटों में से एक भी नाश हो।
मत्ती 18:14

⊡ हमें क्षमा करने वाला ————————— चाहिये।

तब पतरस ने पास आकर, उस से कहा, हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं कितनी बार उसे क्षमा करूँ, क्या सात बार तक? यीशु ने उस से कहा, मैं तुझ से यह नहीं कहता, कि सात बार, वरन् सात बार के सत्तर गुने तक।
मत्ती 18:21–22

o कलीसिया के अनुशासन का इस्तेमाल करना...

"यदि तेरा भाई तेरा अपराध करे, तो जा और अकेले में बातचीत करके उसे समझा; यदि वह तेरी सुने, तो तू ने अपने भाई को पा लिया। और यदि वह न सुने, तो और एक दो जन को अपने साथ ले जा, कि हर एक बात दो या तीन गवाहों के मुँह से ठहराई जाए। यदि वह उन की भी न माने, तो कलीसिया से कह दे, परन्तु यदि वह कलीसिया की भी न माने, तो तू उसे अन्यजाति और महसूल लेनेवाले के जैसा जान। मैं तुम से सच कहता हूँ, जो कुछ तुम पृथ्वी पर बान्धोगे, वह स्वर्ग पर बन्धेगा और जो कुछ तुम पृथ्वी पर खोलोगे, वह स्वर्ग पर खुलेगा। फिर मैं तुम से कहता हूँ, यदि तुम में से दो जन पृथ्वी पर किसी बात के लिये जिसे वे माँगें, एक मन के हों, तो वह मेरे पिता की ओर से स्वर्ग में है, उन के लिये हो जाएगी।
क्योंकि जहाँ दो या तीन मेरे नाम पर इकट्ठे होते हैं, वहाँ मैं उन के बीच में होता हूँ।"
मत्ती 18:15–20

⊡ पहला कदमः ————————— , सुधार।

कोई गन्दी बात तुम्हारे मुँह से न निकले, पर आवश्यकता के अनुसार वही जो उन्नति के लिये उत्तम हो, ताकि उस से सुननेवालों पर अनुग्रह हो। और परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित मत करो, जिस से तुम पर छुटकारे के दिन के लिये छाप दी गई है। सब प्रकार की कड़वाहट और प्रकोप और क्रोध, और कलह, और निन्दा सब बैरभाव समेत तुम से दूर की जाए। और एक दूसरे पर कृपालु, और करूणामय हो, और जैसे परमेश्वर ने मसीह में तुम्हारे अपराध क्षमा किए, वैसे ही तुम भी एक दूसरे के अपराध क्षमा करो।
इफिसियों 4:29—32

⊡ दूसरा कदमः ————————— में स्पष्टिकरण।

किसी मनुष्य के विरूद्ध किसी प्रकार के अधर्म व पाप के विषय में, चाहे उसका पाप कैसा ही क्यों न हो, एक ही जन की साक्षी न सुनना, परन्तु दो वा तीन साक्षीयों के कहने से बात पक्की ठहरे।
व्यवस्थाविवरण 19:15

⊡ तीसरा कदमः कलीसिया को ————————— करना।

⊡ चौथा चरणः कलीसिया का ————————— ।

यहाँ तक सुनने में आता है, कि तुम में व्याभिचार होता है, वरन् ऐसा व्याभिचार, जो अन्यजातियों में भी नहीं होता, कि एक मनुष्य अपने पिता की पत्नी को रखता है। और तुम शोक तो नहीं करते, जिस से ऐसा काम करनेवाला तुम्हारे बीच में से निकाला जाता, परन्तु घमण्ड करते हो। मैं तो शरीर के भाव से दूर था, परन्तु आत्मा के भाव से तुम्हारे साथ होकर, मानो उपस्थिति की दशा में ऐसे काम करनेवाले के विषय में यह आज्ञा दे चुका हूँ कि जब तुम, और मेरी आत्मा, हमारे प्रभु यीशु की सामर्थ के साथ इकट्ठे हो, तो ऐसा मनुष्य, हमारे प्रभु यीशु के नाम से शरीर के विनाश के लिये शैतान को सौंपा जाए, ताकि उस की आत्मा प्रभु यीशु के दिन में उद्धार पाए।
तुम्हारा घमण्ड करना अच्छा नहीं; क्या तुम नहीं जानते, कि थोड़ा सा खमीर पूरे गूँधे हुए आटे को खमीर कर देता है। पुराना खमीर निकाल कर, अपने आप को शुद्ध करोः कि नया गूँधा हुआ आटा बन जाओ; ताकि तुम अखमीरी हो, क्योंकि हमारा भी फसह जो मसीह है, बलिदान हुआ है। अतः आओ हम उत्सव में आनन्द मनावें, न तो पुराने खमीर से और न बुराई और दुष्टता के खमीर से, परन्तु सीधाई और सच्चाई की अखमीरी रोटी से। मैं ने अपनी पत्री में तुम्हें लिखा है, कि व्याभिचारियों की संगति न करना। यह नहीं, कि तुम बिल्कुल इस जगत के व्याभिचारियों, या लोभियों, या अन्धेर करनेवालों, या मूर्तिपूजकों की संगति न करो; क्योंकि इस दशा में तो तुम्हें जगत में से निकल जाना ही पड़ता। मेरा कहना यह है; कि यदि कोई भाई कहलाकर, व्याभिचारी, या लोभी, या मूर्तिपूजक, या गाली देनेवाला, या पियक्कड़, या अन्धेर

करनेवाला हो, तो उस की संगति मत करना; वरन् ऐसे मनुष्य के साथ खाना भी न खाना। क्योंकि मुझे बाहरवालों का न्याय करने से क्या काम? क्या तुम भीतरवालों का न्याय नहीं करते? परन्तु बाहरवालों का न्याय परमेश्वर करता हैः "इसलिये उस कुकर्मी को अपने बीच में से निकाल दो।"

1 कुरिन्थियों 5:1–13

- कलीसिया की पवित्रता के लिये।
  - कलीसिया के सदस्य जिम्मेदार हैं...
    - ☐ परमेश्वर के सम्मुख...
    - ☐ ———————— के लिये।
  - कलीसिया के सदस्यों को नम्र होना है...
    - ☐ घमण्डः कलीसिया के अन्दर अपश्चातापी को ————।
    - ☐ नम्रताः कलीसिया से अपश्चातापी का ———————— करना।

हे भाइयों, हम तुम्हें अपने प्रभु यीशु मसीह के नाम से आज्ञा देते हैं; कि हर एक ऐसे भाई से अलग रहो, जो अनुचित चाल चलता, और जो शिक्षा उस ने हम से पाई, उसके अनुसार नहीं करता।

2 थिस्सलुनीकियों 3:6

यदि कोई हमारी इस पत्री की बात को न माने, तो उस पर दृष्टि रखो; और उस की संगति न करो, जिस से वह लज्जित हो; तौभी उसे बैरी मत समझो, पर भाई जानकर चिताओ।

2 थिस्सलुनीकियों 3:14–15

किसी पाखण्डी को एक दो बार समझा बुझाकर उस से अलग रह।

तीतुस 3:10

- कलीसिया की सदस्यता ———————— है...
  - ☐ कलीसिया परिभाषित करता है कि कौन सदस्य है।
  - ☐ कलीसिया से अलग रहना मसीह से दूरी को प्रगट करता है।
- प्रति व्यक्ति के उद्धार के लिये...

और इसलिये कि मैं प्रकाशनों की बहुतायत से फूल न जाऊँ, मेरे शरीर में एक काँटा चुभाया गया, अर्थात् शैतान का एक दूत, कि मुझे घूँसे मारे ताकि मैं फूल न जाऊँ। इस के विषय में मैं ने प्रभु से तीन बार विनती की, कि मुझ से यह दूर हो जाए, और उस ने मुझ से कहा, मेरा अनुग्रह तेरे लिये बहुत है; क्योंकि मेरी सामर्थ निर्बलता में सिद्ध होती है; इसलिये मैं बड़े आनन्द से अपनी निर्बलताओं पर घमण्ड करूँगा, कि मसीह की सामर्थ मुझ पर छाया करती

रहे। इस कारण मैं मसीह के लिये निर्बलताओं, और निन्दाओं में, और दरिद्रता में, और उपद्रवों में, और संकटों में, प्रसन्न हूँ; क्योंकि जब मैं निर्बल होता हूँ, तभी बलवन्त होता हूँ।

2 कुरिन्थियों 12:7–10

उन्हीं में से हुमिनयुस और सिकन्दर हैं, जिन्हें मैं ने शैतान को सौंप दिया, कि वे निन्दा करना न सीखें।

1 तीमुथियुस 1:20

- परमेश्वर की ———————— के लिये...

इस कारण तू इस्राएल के घराने से कह, परमेश्वर यहोवा यों कहता है, हे इस्राएल के घराने, मैं इस को तुम्हारे निमित्त नहीं, परन्तु अपने पवित्र नाम के निमित्त करता हूँ, जिसे तुम ने उन जातियों में अपवित्र ठहराया, जहाँ तुम गए थे। और मैं अपने बड़े नाम को पवित्र ठहराऊँगा, जो जातियों में अपवित्र ठहराया गया, जिसे तुम ने उनके बीच अपवित्र किया; और जब मैं उनकी दृष्टि में तुम्हारे बीच पवित्र ठहरूँगा, तब वे जातियाँ जान लेगी कि मैं यहोवा हूँ, परमेश्वर यहोवा की यही वाणी है।

यहेजकेल 36:22–23

- कलीसिया व्यवहार में अनुशासित होती है...
  - ⊡ मसीह के प्रेम के साथ आज्ञा मानें।
    - कलीसिया के अनुशासन का उद्देश्य आत्मिक ———————— है।

हे मेरे भाइयों, यदि तुम में कोई सत्य के मार्ग से भटक जाए, और कोई उस को फेर लाए, तो वह यह जान ले, कि जो कोई किसी भटके हुए पापी को फेर लाएगा, वह एक प्राण को मृत्यु से बचाएगा, और अनेक पापों पर परदा डालेगा।

याकूब 5:19–20

- ———————— बनें।

जो मनुष्य बुद्धि से चलता है, वह विलम्ब से क्रोध करता है, और अपराध को भुलाना उसको सोहता है।

नीतिवचन 19:11

- ———————— बनें।

पर मूर्खता के विवादों, और वंशावलियों, और बैर विरोध, और उन झगड़ों से, जो व्यवस्था के विषय में हों, बचा रह; क्योंकि वे निष्फल और व्यर्थ हैं।

तीतुस 3:9

- क्या वहाँ कोई ऐसा पाप है, जो परमेश्वर का अनादर कर रहा है?
- क्या वहाँ कोई ऐसा पाप है, जो ————————— को नाश कर रहा है?

हे पुत्र तीमुथियुस, उन भविष्यद्वाणियों के अनुसार, जो पहले तेरे विषय में की गई थीं, मैं यह आज्ञा सौंपता हूँ, कि तू उन के अनुसार अच्छी लड़ाई को लड़ता रहे। और विश्वास और उस अच्छे विवेक को थामें रहे, जिसे दूर करने के कारण कितनों का विश्वास रूपी जहाज डूब गया। उन्हीं में से हुमिनयुस और सिकन्दर हैं जिन्हें मैं ने शैतान को सौंप दिया, कि वे निन्दा करना न सीखें।

1 तीमुथियुस 1:18–20

और उन का वचन सड़े–घाव की नाईं फैलता जाएगाः हुमिनयुस और फिलेतुस उन्हीं में से हैं। जो यह कहकर कि पुनरूत्थान हो चुका है, सत्य से भटक गए हैं, और कितनों के विश्वास को उलट पुलट कर देते हैं।

2 तीमुथियुस 2:17–18

- क्या वहाँ कोई ऐसा पाप है, जो कलीसिया की ————————— को चोट पहुँचा रहा है?

अब हे भाइयों, मैं तुम से विनती करता हूँ, कि जो लोग उस शिक्षा के विपरीत जो तुम ने पाई है, फूट पड़ने, और ठोकर खाने के कारण होते हैं, उन्हें ताड़ लिया करो; और उन से दूर रहो। क्योंकि ऐसे लोग हमारे प्रभु मसीह की नहीं, परन्तु अपने पेट की सेवा करते है; और चिकनी चुमड़ी बातों से सीधे सादे मन के लोगों को बहका देते हैं।

रोमियों 16:17–18

पर मूर्खता के विवादों, और वंशावलियों, और बैर विरोध, और उन झगड़ों से, जो व्यवस्था के विषय में हों, बचा रह; क्योंकि वे निष्फल और व्यर्थ हैं। किसी पाखण्डी को एक दो बार समझा बुझाकर उस से अलग रह। यह जानकर कि ऐसा मनुष्य भटक गया है, और अपने आप को दोषी ठहराकर पाप करता रहता है।

तीतुस 3:9–11

- क्या वहाँ कोई ऐसा पाप है, जो कलीसिया की ————————— को चोट पहुँचा रहा है?

सब काम बिना कुड़कुड़ाए और बिना विवाद के किया करो। ताकि तुम निर्दोष और भोले होकर टेढ़े और हठीले लोगों के बीच परमेश्वर के निष्कलंक सन्तान बने रहो, (जिन के बीच में तुम जीवन का वचन लिए हुए जगत में जलते दीपकों की नाईं दिखाई देते हो)।

फिलिप्पियों 2:14–15

- ————————बनें।

हे कपटी, पहले अपनी आँख में से लट्ठा निकाल ले, तक तू अपने भाई की आँख का तिनका भली भाँति देखकर निकाल सकेगा।

मत्ती 7:5

- o अपने जीवन को परखें।
- o अपने उददेश्यों को परखें।

- प्रार्थना से परिपूर्ण रहें।

और विरोधियों को नम्रता से समझाए, क्या जाने परमेश्वर उन्हें मन फिराव का मन दे, कि वे भी सत्य को पहचानें। और इस के द्वारा उस की इच्छा पूरी करने के लिये सचेत होकर शैतान के फन्दे से छूट जाए।

2 तीमुथियुस 2:25–26

- शान्त रहें।

कोई गन्दी बात तुम्हारे मुँह से न निकले, पर आवश्यकता के अनुसार वही जो उन्नति के लिये उत्तम हो, ताकि उस से सुननेवालों पर अनुग्रह हो।

इफिसियों 4:29

- तेज रहें।

इसलिये यदि तू अपनी भेंट वेदी पर लाए, और वहाँ तू स्मरण करे, कि मेरे भाई के मन में मेरी ओर से कुछ विरोध है, तो अपनी भेंट वहीं वेदी के साम्हने छोड़ दे। और जाकर पहले अपने भाई से मेल मिलाप कर; तब आकर अपनी भेंट चढ़ा।

मत्ती 5:23–24

- सज्जन बने रहें ।
- सावधान रहें।
- उददेश्य चालित रहें।

- ⊡ मसीह के अधिकारों पर भरोसा करें।

मैं तुम से सच कहता हूँ, जो कुछ तुम पृथ्वी पर बान्धोगे, वह स्वर्ग पर बन्धेगा और जो कुछ तुम पृथ्वी पर खोलोगे, वह स्वर्ग पर खुलेगा।

मत्ती 18:18

⊡ मसीह के अधिकारों पर भरोसा करें।

फिर मैं तुम से कहता हूँ, यदि तुम में से दो जन पृथ्वी पर किसी बात के लिये जिसे वे माँगें, एक मन के हों, तो वह मेरे पिता की ओर से स्वर्ग में है, उन के लिये हो जाएगी।

मत्ती 18:19

⊡ मसीह की ————————— की अपेक्षा करें।

क्योंकि जहाँ दो या तीन मेरे नाम पर इकट्ठे होते हैं, वहाँ मैं उन के बीच में होता हूँ।

मत्ती 18:20

⊡ मसीह के क्रूस का आदर करें।

- हमें एक ऐसे मसीह की आवश्कता है जो क्षमा करता है।
  - परन्तु क्या हमें ऐसे मसीह की जरूरत है जो परिशुद्ध करता है?
- जब हम कलीसिया के अन्दर पाप को सहते हैं.....
  - हम मसीह के बलिदान को पावों से रौंद देते हैं।
- क्रूस पर मसीह की मृत्यु.....
  - कलीसिया में हमारे जीवन का रूपान्तरित करती है।

मैं कभी यीशु के पास से अलग नहीं गया, और न ही उसे क्रूस पर चढ़ाया,और मैंने पाया कि मेरे लोग मसीह और उसको क्रूस पर चढ़ाये जाने के सिद्धान्त को सीखे, मुझे उनको नैतिकता के बारे में निर्देशों को देने की जरूरत नहीं पड़ी। मैंन इस बात को पाया कि एक के अनुसरण करने से निश्चय और जरूरी फल उत्पन्न होता है। मैंने देखा कि मेरे भारतीय भाई लोग पवित्रता के वस्त्रें को धारण करने लगे औरजब उन्होने मसीह और उसे क्रूस चढ़ाये जाने के सिद्धान्त को समझा उनका सामान्य जीवन भी शुद्ध होने लगा।

डेविड ब्रेनयार्ड

कलीसिया की अराधना

और वे प्ररितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने में, **और रोटी तोड़ने में**, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।

प्रेरितों के काम 2:42

अराधना परमेश्वर की उपस्थिति में अपनी आवाजों और अपने हृदय के साथ सक्रिय तरीके से परमेश्वर की परमेश्वर को महिमा प्रदान करना।

और उस से इस प्रकार कहना, कि इब्रियों के परमेश्वर यहोवा ने मुझे यह कहने के लिये तेरे पास भेजा है, कि मेरी प्रजा के लोगों को जाने दे कि जिस से वे जंगल में मेरी उपासना करें; और अब तक तू ने मेरा कहना नहीं माना।

निर्गमन 7:16

क्योंकि मैं उनके काम और उनकी कल्पनाएँ, दोनों अच्छी रीति से जानता हूँ, और वह समय आता है, जब मैं सारी जातियों और भिन्न–भिन्न भाषा बोलनेवालों को इकट्ठा करूँगा; और वे आकर मेरी महिमा देखेंगे। और मैं उन से एक चिन्ह प्रगट करूँगा; और उनके बचे हुओं को मैं उन अन्यजातियों के पास भेजूँगा, जिन्हों ने न तो मेरा समाचार सुना है और न मेरी महिमा देखी है, अर्थात् तर्शीशियों और धनुर्धारी पूलियों और लूदियों के पास, और तबलियों और यूनानियों और दूर द्वीपवासियों के पास भी भेज दूँगा और वे अन्यजातियों में मेरी महिमा का वर्णन करेंगे। और जैसे इस्राएली लोग अन्नबलि को शुद्ध पात्र में धरकर यहोवा के भवन में ले आते हैं, वैसे ही वे तुम्हारे सब भाइयों को घोड़ों, रथों, पालियों, खच्चरों और साण्डनियों पर चढ़ा–चढ़ाकर मेरे पवित्र पर्वत यरूशलेम पर यहोवा की भेंट के लिये ले आएँगे, यहोवा का यही वचन है। और उन में से मैं कितने लोगों को याजक और लेवीय पद के लिये भी चुन लूँगा।

यशायाह 66:18–21

इसलिए सामुहिक अराधना को आदर देना परमेश्वर की कलीसिया के लिए कोई वैकल्पिक नहीं है.....बल्कि यह कलीसिया के मूल अस्तित्व होने के भाव को प्रगट करता है। स्वर्गीय मण्डली की सच्चाई पृथ्वी पर प्रगट होती है।

एडमण्ड क्लोवने

- कलीसिया की अराधना का महत्वपूर्ण अंग.....
  - प्रभु भोज
    - ⊡ बपतिस्मा प्राथमिक तौर पर मसीह और कलीसिया के साथ में जुड़े होने को दर्शाता है।
    - ⊡ प्रभु भोज मसीह व उसकी कलीसिया के साथ में हमारी नियमित पहिचान को दर्शाता है।

तब अखमीरी रोटी के पर्व्व का दिन आया, जिस में फसह का मेम्ना बली करना अवश्य था। और यीशु ने पतरस और यूहन्ना को यह कहकर भेजा, कि जाकर हमारे खाने के लिये फसह तैयार करो। उन्हों ने उस से पूछा, तू कहाँ चाहता है, कि हम तैयार करें? उस ने उन से कहा; देखो, नगर में प्रवेश करते ही एक मनुष्य जल का घड़ा उठाए हुए तुम्हें मिलेगा, जिस घर में वह जाए; तुम उसके पीछे चले जाना। और उस घर के स्वामी से कहो, कि गुरू तुझ से कहता है; कि वह पाहुनशाला कहाँ है, जिस में मैं अपने चेलों के साथ फसह खाऊँ? वह तुम्हें एक सजी सजाई बड़ी अटारी दिखा देगा; वहाँ तैयारी करना। उन्हों ने जाकर, जैसा उस ने उन से कहा था, वैसा ही पाया, और फसह तैयार किया। जब घड़ी पहुँची, तो वह

प्रेरितों के साथ भोजन करने बैठा। और उस ने उन से कहा; मुझे बड़ी लालसा थी, कि दुःख–भोगने से पहले यह फसह तुम्हारे साथ खाऊँ। क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ, कि जब तक वह परमेश्वर के राज्य में पूरा न हो तब तक मैं उसे कभी न खाऊँगा। तब उस ने कटोरा लेकर धन्यवाद किया, और कहा, इस को लो और आपस में बाँट लो। क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ, कि जब तक परमेश्वर का राज्य न आए, तब तक मैं दाख रस अब से कभी न पीऊँगा। फिर उस ने रोटी ली, और धन्यवाद करके तोड़ी, और उन को यह कहते हुए दी, कि यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिये दी जाती हैः मेरे स्मरण के लिये यही किया करो। इसी रीति से उस ने बियारी के बाद कटोरा भी यह कहते हुए दिया, कि यह कटोरा मेरे उस लहू में जो तुम्हारे लिये बहाया जाता है, नई वाचा है। पर देखो, मेरे पकड़वानेवाले का हाथ मेरे साथ मेज पर है। क्योंकि मनुष्य का पुत्र तो जैसा उसके लिये ठहराया गया जाता ही है, पर हाय उस मनुष्य पर, जिस के द्वारा वह पकड़वाया जाता है! तब वे आपस में पूछताछ करने लगे, कि हम में से कौन है, जो यह काम करेगा?

लूका 22:7–23

क्योंकि यह बात मुझे प्रभु से पहुँची, और मैं ने तुम्हें भी पहुँचा दी; कि प्रभु यीशु ने जिस रात पकड़वाया गया रोटी ली। और धन्यवाद करके उसे तोड़ी, और कहा; कि यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिये हैः मेरे स्मरण के लिये यही किया करो। इसी रीति से उस ने बियारी के पीछे कटोरा भी लिया, और कहा; यह कटोरा मेरे लहू में नई वाचा हैः जब कभी पीओ, तो मेरे स्मरण के लिये यही किया करो। क्योंकि जब कभी तुम यह रोटी खाते, और इस कटोरे में से पीते हो, तो प्रभु की मृत्यु को जब तक वह न आए, प्रचार करते हो। इसलिये जो कोई अनुचित रीति से प्रभु की रोटी खाए, या उसके कटोरे में से पीए, वह प्रभु की देह और लहू का अपराधी ठहरेगा। इसलिये मनुष्य अपने आप को जाँच ले और इसी रीति से इस रोटी में से खाए, और इस कटोरे में से पीए, क्योंकि जो खाते–पीते समय प्रभु की देह को न पहचाने, वह इस खाने और पीने से अपने ऊपर दण्ड लाता है। इसी कारण तुम में से बहुत से निर्बल और रोगी हैं, और बहुत से अतः भी गए, यदि हम अपने आप को जाँचते, तो दण्ड न पाते। परन्तु प्रभु हमें दण्ड देकर हमारी ताड़ना करता है, इसलिये कि हम संसार के साथ दोषी न ठहरें।

1 कुरिन्थियों 11:23–32

- ⊡ प्रभु भोज में किन लोगों को भाग लेना चाहिए?
- ⊡
- o वे विश्वासी जो मसीह के कार्यों में––––––––– है उन्हे प्रभु भोज में हिस्सा लेना चाहिए।

वह धन्यवाद का कटोरा, जिस पर हम धन्यवाद करते हैं, क्या मसीह के लहू की सहभागिता नहीं? वह रोटी जिसे हम तोड़ते हैं, क्या मसीह की देह की सहभागिता नहीं? इसलिये, कि एक ही रोटी है, अतः हम

भी जो बहुत हैं, एक देह हैंः क्योंकि हम सब उसी एक रोटी में भागी होते हैं। जो शरीर के भाव से इस्राएली हैं, उन को देखोः क्या बलिदानों के खानेवाले वेदी के सहभागी नहीं?

1 कुरिन्थियों 10:16–18

- गैर विश्वासी लोग प्रभु भोज को देखने के दौरान मसीह के कार्यों को देखते हैं।
  - हमें प्रभु भोज को कहां पर करना चाहिए?
- ⊡ बाईबल की एकमात्र मांगः कलीसिया का जमा होना

क्योंकि पहले तो मैं यह सुनता हूँ, कि जब तुम कलीसिया में इकट्ठे होते हो, तो तुम में फूट होती है और मैं कुछ कुछ प्रतीति भी करता हूँ।

1 कुरिन्थियों 11:18

अतः तुम जो एक जगह में इकट्ठे होते हो, तो यह प्रभु भोज खाने के लिये नहीं।

1 कुरिन्थियों 11:20

इसलिये, हे मेरे भाइयों, जब तुम खाने के लिये इकट्ठे होते हो, तो एक दूसरे के लिये ठहरा करो। यदि कोई भूखा हो, तो अपने घर में खा ले, जिस से तुम्हार इकट्ठा होना दण्ड का कारण न होः और शेष बातों को मैं आकर ठीक कर दूँगा।

1 कुरिन्थियों 11:33–34

- हमें कब प्रभु भोज लेना चाहिये?
- आज्ञाः अकसर लेना चाहिये।
- ⊡ प्रश्नः साप्ताहिक तौर पर क्या विचार हैं?

सप्ताह के पहले दिन जब हम रोटी तोड़ने के लिये इकट्ठे हुए, तो पौलुस ने जो दूसरे दिन चले जाने पर था, उन से बातें की, और आधी रात तक बातें करता रहा।

प्रेरितों के काम 20:7

- हमें प्रभु भोज को किस प्रकार से समझना चाहिए?
  - एक परम्परागत गलतफहमीः चीजों का आदान प्रदान हैं जिसका परिणाम उद्धार है।

रोटी और दाखरस को मसीह की देह और उसके लहू का प्रतिरूप मानकर पवित्रिकरण के साथ में दिया जाता हैं । रोटी और दाखरस की विधी के अनुसार मसीह खुद,जीवित और महीमित, सच्चे और प्रत्यक्ष और वैकल्पिक रूप में प्रस्तुत किया जाता है अर्थात उसका शरीर और उसका लहू, उसके प्राण और उसकी ईश्वरीयता के साथ में।

काउन्सल औफ ट्रेन्टः कैथोलिक कलीसिया का कैटेकिज्म

यदि कोई भी जन यह कहता है कि विश्वास के द्वारा पापी धर्मी ठहरता है,जिसका अर्थ यह हुआ कि धर्मी ठहराये जाने के अनुग्रह को प्राप्त करने के लिए किसी भी और कार्य को करने की जरूरत नहीं होती, वह श्रापित है।

काउन्सल और ट्रेन्ट

⊡ एक बाइबल संगत समझः एक ————————— भोज जो उद्धार को प्रगट करता है।

इसी कारण वह विश्वास के द्वारा मिलती है, कि अनुग्रह की रीति पर हो, कि प्रतिज्ञा सब वंश के लिये दृढ़ हो, न कि केवल उसके लिये जो व्यवस्थावाला है, वरन् उन के लिये भी जो अब्राहम के समान विश्वासवाले हैंः वही तो हम सब का पिता है।

रोमियों 4:16

मुझे आश्चर्य होता है, कि जिस ने तुम्हें मसीह के अनुग्रह से बुलाया, उस से तुम इतनी जल्दी फिर कर और ही प्रकार के सुसमाचार की ओर झुकने लगे। परन्तु वह दूसरा सुसमाचार है ही नहींः पर बात यह है, कि कितने ऐसे हैं, जो तुम्हें घबरा देते, और मसीह के सुसमाचार को बिगाड़ना चाहते हैं। परन्तु यदि हम या स्वर्ग से कोई दूत भी उस सुसमाचार को छोड़ जो हम ने तुम को सुनाया है, कोई और सुसमाचार तुम्हें सुनाए, तो श्रापित हो। जैसा हम पहले कह चुके हैं, वैसा ही मैं अब फिर कहता हूँ, कि उस सुसमाचार को छोड़ जिसे तुम ने ग्रहण किया है, यदि कोई और सुसमाचार सुनाता है, तो श्रापित हो। अब मैं क्या मनुष्यों को मनाता हूँ या परमेश्वर को? क्या मैं मनुष्यों को प्रसन्न करना चाहता हूँ?

गलातियों 1:6–9

- हमें प्रभु भोज को क्यों मनाना चाहिए?
  - ⊡ स्मरण करने के लिए ....
    - यीशु मसीह की देह को
    - यीशु के ————————— को

तब उस ने कई इस्राएली जवानों को भेजा, जिन्हों ने यहोवा के लिये होमबलि और बैलों के मेलबलि चढ़ाए, और मूसा ने आधा लहू तो लेकर कटारों में रखा, और आधा वेदी पर छिड़क दिया। वाचा की पुस्तक को लेकर लोगों को पढ़ सुनाया; उसे सुनकर उन्हों ने कहा, जो कुछ यहोवा ने कहा है उस सब को हम करेंगे, और उसकी आज्ञा मानेंगे। तब मूसा ने लहू को लेकर लोगों पर छिड़क दिया, और उन से कहा, देखो, यह उस वाचा का लहू है, जिसे यहोवा ने इन सब वचनों पर तुम्हारे साथ बान्धी है।

निर्गमन 24:5–8

क्योंकि शरीर का प्राण लहू में रहता है; और उसको मैं ने तुम लोगों को वेदी पर चढ़ाने के लिये दिया है, कि तुम्हारे प्राणों के लिये प्रायश्चित्त किया जाए; क्योंकि प्राण के कारण लहू ही से प्रायश्चित्त होता है।

लैव्यव्यवस्था 17:11

- प्रतिबिम्बित करने के लिए...
  - हमारे पापों को
  - उसके ––––––––– को
    - o हम उसकी क्षमा के लिए उत्सव मनाते हैं।
    - o हम उसकी विश्वासयोग्यता पर उत्सव मनाते हैं।

- ⊡ पुनः नवीन करने के लिए..
  - मसीह मे समर्पण को।
  - एक दूसरे के प्रति समर्पण को।

इसलिये, कि एक ही रोटी है अतः हम भी जो बहुत हैं, एक देह हैं: क्योंकि हम सब उसी एक रोटी में भागी होते हैं।

1 कुरिन्थियों 10:17

- ⊡ आनन्द मनाने के लिए....
  - उसने हमें स्वतन्त्र किया है।
  - वह ––––––––– है।

फिर मैं ने बड़ी भीड़ का सा, और बहुत जल का सा शब्द, और गर्जनों का सा बड़ा शब्द सुना, कि हल्लिलूय्याह, इसलिये कि प्रभु हमारा परमेश्वर, सर्वशक्तिमान राज्य करता है। आओ, हम आनन्दित और मगन हों, और उस की स्तुति करें; क्योंकि मेम्ने का ब्याह आ पहुँचाः और उस की पत्नी ने अपने आप को तैयार कर लिया है। और उस को शुद्ध और चमकदार महीन मलमल पहनने का अधिकार दिया गया, क्योंकि उस महीन मलमल का अर्थ पवित्र लोगों के धर्म के काम है। और उस ने मुझ से कहा; यह लिख, कि धन्य वे हैं, जो मेम्ने के ब्याह के भोज में बुलाए गए हैं; फिर उस ने मुझ से कहा, ये वचन परमेश्वर के सत्य वचन हैं।

प्रकाशितवाक्य 19:6–9

कलीसिया की अराधना में मूल मान्यताएं.....

नम्रता

इस के बाद मैं ने स्वर्ग में मानो बड़ी भीड़ को ऊँचे शब्द से यह कहते सुना, कि हल्लिलूय्याह उद्धार, और महिमा, और सामर्थ हमारे परमेश्वर ही की है। क्योंकि उसके निर्णय सच्चे और ठीक हैं, इसलिये कि उस ने उस बड़ी वेश्या का जो अपने व्याभिचार से पृथ्वी को भ्रष्ट करती थी, न्याय किया, और उस से अपने दासों के लहू का पलटा लिया है। फिर दूसरी बार उन्हों ने हल्लिलूय्याह कहाः और उसके जलने का धुआँ युगानुयुग उठता रहेगा। और चौबीसों प्राचीनों और चारों प्राणियों ने गिरकर परमेश्वर को दण्डवत् किया; जो सिंहासन पर बैठा था, और कहा, आमीन, हल्लिलूय्याह। और सिंहासन में से एक शब्द निकला, कि हे हमारे परमेश्वर से सब डरनेवाले दासों, क्या छोटे, क्या बड़े; तुम सब उस की स्तुति करो। फिर मैं ने बड़ी भीड़ का सा, और बहुत जल का सा शब्द, और गर्जनों का सा बड़ा शब्द सुना, कि हल्लिलूय्याह, इसलिये कि प्रभु हमारा परमेश्वर, सर्वशक्तिमान राज्य करता है। आओ, हम आनन्दित और मगन हों, और उस की स्तुति करें; क्योंकि मेम्ने का ब्याह आ पहुँचाः और उस की पत्नी ने अपने आप को तैयार कर लिया है। और उस को शुद्ध और चमकदार महीन मलमल पहनने का अधिकार दिया गया, क्योंकि उस महीन मलमल का अर्थ पवित्र लोगों के धर्म के काम है। और उस ने मुझ से कहा; यह लिख, कि धन्य वे हैं, जो मेम्ने के ब्याह के भोज में बुलाए गए हैं; फिर उस ने मुझ से कहा, ये वचन परमेश्वर के सत्य वचन हैं। और मैं उस को दण्डवत् करने के लिये उसके पाँवों पर गिरा; उस ने मुझ से कहा; देख, ऐसा मत कर, मैं तेरा और तेरे भाइयों का संगी दास हूँ, जो यीशु की गवाही देने पर स्थिर हैं, परमेश्वर ही को दण्डवत् कर; क्योंकि यीशु की गवाही भविष्यद्वाणी की आत्मा है।

प्रकाशितवाक्य 19:1–10

मेरे विचार से इस क्षण की सबसे बड़ी जरूरत यह है कि मन्दिर को उसकी शिक्षाओं के साथ में, ऊपरी मन से किये जाने वाले धर्म के तत्रं मंत्रें को परमेश्वर के ऊचे और उठाये गये दर्शन के द्वारा दबा देना चाहिए। ऐसा प्रतीत होता है कि शकीना महिमा की तरह पवित्र अराधना को कलीसिया से उठा लिया गया है। जिसके परिणाम स्वरूप हमें हमारे यंत्रें के भरोसे छोड़ दिया गया है और मजबूर किया गया हैं कि लोगों के ध्यान को आकर्षित करने के लिए बहुत की धटिया और भड़कीली हरकतों को करे और हम में अपने आप से उठनी वाली अराधना का अभाव रहे ।

ए. डब्ल्यू टोजर

- परमेश्वर की ————————— हमारे ध्यान पर कब्जा करती है, हमारे प्रेम को उभारती है और हमारी अगुवाई परमेश्वर की अराधना में प्रशसां करने के लिए करती है।

परमेश्वर की अराधना करना बड़े आनन्द की बात है, परन्तु यह एक नम्र करने वाली बात भी है; और जो व्यक्ति नम्र होना नहीं सीखा है वह अपनी जिन्दगी में कभी भी अराधक नहीं बन सकता है। हो सकता है कि वह कलीसिया को सदस्य बन जाए जो कलीसिया के नियमों और कानूनो को मानता हो, और जो दसमाशं देता और सम्मेलनों में भाग लेता हो, परन्तु वह तब तक अराधकर नहीं बन सकता जब तक वह अपने आप को नम्र करना न सीख ले।

ए. डब्ल्यू टोजर

⊡ परमेश्वर हमारी अराधना को ———————— है।

- परमेश्वर ने इतिहास को अपनी महिमा को ———————— करने के लिए रचा।

इस कारण तू इस्राएल के घराने से कह, परमेश्वर यहोवा यों कहता है, हे इस्राएल के घराने, मैं इस को तुम्हारे निमित्त नहीं, परन्तु अपने पवित्र नाम के निमित्त करता हूँ, जिसे तुम ने उन जातियों में अपवित्र ठहराया जहा, तुम गए थे। और मैं अपने बड़े नाम को पवित्र ठहराऊँगा, जो जातियों में अपवित्र ठहराया गया, जिसे तुम ने उनके बीच अपवित्र किया; और जब मैं उनकी दृष्टि में तुम्हारे बीच पवित्र ठहरूँगा, तब वे जातियाँ जान लेगी कि मैं यहोवा हूँ, परमेश्वर यहोवा की यही वाणी है।

यहेजकेल 36:22–23

परमेश्वर उसकी महिमा का ———————— उठाने के लिए कलीसिया को रखते हैं।

हे सेनाओं के यहोवा, तेरे निवास क्या ही प्रिय हैं! मेरा प्राण यहोवा के आँगनों की अभिलाषा करते करते मूर्छित हो चला; मेरा तन मन दोनों जीवते ईश्वर को पुकार रहे।
भजन संहिता 84:1–2

क्या ही धन्य हैं वे, जो तेरे भवन में रहते हैं; वे तेरी स्तुति निरन्तर करते रहेंगे।
भजन संहिता 84:4

क्योंकि तेरे आँगनों में का एक दिन और कहीं के हजार दिन से उत्तम है। दुष्टों के डेरों में वास करने से अपने परमेश्वर के भवन की डेवढ़ी पर खड़ा रहना ही मुझे अधिक भावता है।
भजन संहिता 84:10

तू यहोवा के हाथ में एक शोभायमान मुकुट और अपने परमेश्वर की हथेली में राजमुकुट ठहरेगी। तू फिर त्यागी हुई न कहलाएगी, और तेरी भूमि फिर उजड़ी हुई न कहलाएगी; परन्तु तू हेप्सीबा और तेरी भूमि ब्यूला कहलाएगी; क्योंकि यहोवा तुझ से प्रसन्न है, और तेरी भूमि सुहागिन होगी। क्योंकि जिस प्रकार

जवान पुरूष एक कुमारी को ब्याह लाता है, वैसे ही तेरे पुत्र तुझे ब्याह लेंगे; और, जैसे दुल्हा अपनी दुल्हिन के कारण हर्षित होता है, वैसे ही तेरा परमेश्वर तेरे कारण हर्षित होगा।

यशायाह 62:3–5

तेरा परमेश्वर यहोवा तेरे बीच में है, वह उद्धार करने में पराक्रमी है; वह तेरे कारण आनन्द से मगन होगा, वह अपने प्रेम के मारे चुपका रहेगा; फिर ऊँचे स्वर से गाता हुआ तेरे कारण मगन होगा।

सपन्याह 3:17

- ⊡ परमेश्वर अराधना के योग्य हैं
  - अराधना में परमेश्वर की महानता को देखें....
    - o वह उद्धारकर्ता है।
    - o वह ————— है।
    - o वह सर्वशक्तिमान है
    - o वह सत्य है।
    - o वह ————— है।
    - o वह अनन्त है।
    - o वह ————— है।
    - o वह महा प्रतापी है।
    - o वह पवित्र है।
  - अराधना में परमेश्वर के लोगों की खुशी को देखें....
    - o हम उसका ————— करते हैं
    - o हम उसमें आनन्द मनाते हैं।
    - o हम उसके लिए ————— हैं।
- ⊡ अराधना में परमेश्वर हमें अपने पास ————— चाहता है।
  - मानव केन्द्रित आराधना के खतरे से बचे रहें।
    - o भटके हुई भक्ति का खतरा।
    - o दिशाहीन उददेश्यों का खतरा।
    - o गलत समझी गयी सफलता का खतरा।
  - परमेश्वर केन्द्रित अराधना की शक्ति में विश्वास।
    - o परमेश्वर पिता अराधना के लिए ————— करता है।

परन्तु वह समय आता है, वरन् अब भी है, जिस में सच्चे भक्त पिता का भजन आत्मा और सच्चाई से करेंगे, क्योंकि पिता अपने लिये ऐसे ही भजन करनेवालों को ढूँढ़ता है। परमेश्वर आत्मा है, और अवश्य है कि उसके भजन करनेवाले आत्मा और सच्चाई से भजन करें।

यूहन्ना 4:23–24

- परमेश्वर पुत्र हमारी अराधना करने में ———————— करता है।
- परमेश्वर पवित्र आत्मा हमारी अराधना करने में ————————ं करता है।

परन्तु यदि सब भविष्यद्वाणी करने लगें, और कोई अविश्वासी या अनपढ़ा मनुष्य भीतर आ जाए, तो सब उसे दोषी ठहरा देंगे और परख लेंगे। और उसके मन के भेद प्रगट हो जाएँगे, और तब वह मुँह के बल गिरकर परमेश्वर को दण्डवत् करेगा, और मान लेगा, कि सचमुच परमेश्वर तुम्हारे बीच में है।

1 कुरिन्थियों 14:24–25

o समाज

- ⊡ कलीसिया ———————— अराधना करने के उददेश्य के लिए एक साथ इकट्ठा होती है।
- ⊡ हम एक दूसरे के साथ आनन्द मनाते हैं।

और यरूशलेम की शहरपनाह की प्रतिष्ठा के समय लेवीय अपने सब स्थानों में ढूँढ़े गए, कि यरूशलेम को पहुँचाए जाएँ, जिस से आनन्द और धन्यवाद करके और झाँझ, सारंगी और वीणा बजाकर, और गाकर उसकी प्रतिष्ठा करें। तो गवैयों के सन्तान यरूशलेम के चारों ओर के देश से और नतोपातियों के गाँवों से, और बेतगिलगाल से, और गेबा और अज्माबेत के खेतों से इकट्ठे हुए; क्योंकि गवैयों ने यरूशलेम के आस–पास गाँव बसा लिये थे। तब याजकों और लेवियों ने अपने अपने को शुद्ध किया; और उन्हों ने प्रजा को, और फाटकों और शहरपनाह को भी शुद्ध किया।

नहेम्याह 12:27–30

तब धन्यवाद करने वालों के दोनों दल और मैं और मेरे साथ आधे हाकिम परमेश्वर के भवन में खड़े हो गए, और एल्याकीम, मासेयाह, मिन्यामीन, मीकायाह, एल्योएनै, जकर्याह और हनन्याह नाम याजक तुरहियाँ लिये हुए थे। और मासेयाह, शमायाह, एलीआजर, उज्जी, यहोहानान, मल्किय्याह, एलाम, ओर एजेर (खड़े हुए थे) और गवैये जिनका मुखिया यिज्रह्याह था, वह ऊँचे स्वर से गाते बजाते रहे। उसी दिन लोगों ने बड़े बड़े मेलबलि चढ़ाए, और आनन्द किया; क्योंकि परमेश्वर ने उनको बहुत ही आनन्दित किया था; स्त्रियों ने और बालबच्चों ने भी आनन्द किया, और यरूशलेम के आनन्द की ध्वनि दूर दूर तक फैल गई।

नहेम्याह 12:40–43

- सामुहिक अराधना का अर्थ सार्वजनिक तौर पर परमेश्वर के अस्तित्व का ———————— है।
- सामुहिक अराधना सार्वजनिक तौर पर उन सभी बातों के लिए प्रभु का ———————— है जो उसने हमारे लिए किये हैं।

- ⊡ हम एक दूसरे के साथ सहभागी होते हैं।

तब मैं ने यहूदी हाकिमों को शहरपनाह पर चढ़ाकर दो बड़े दल ठहराए, जो धन्यवाद करते हुए धूमधाम के साथ चलते थे। इनमें से एक दल तो दक्षिण ओर, अर्थात् कूड़ाफाटक की ओर शहरपनाह के ऊपर ऊपर से चला; और उसके पीछे पीछे ये चले, अर्थात् होशयाह और यहूदा के आधे हाकिम, और अजर्याह, एज्रा, मशुल्लाम, यहूदा, बिन्यामीन, शमायाह, और यिर्मयाह, और याजकों के कितने पुत्र तुरहियाँ लिये हुए, अर्थात् जकर्याह जो योहानान का पुत्र था, यह शमायाह का पुत्र, यह मत्तन्याह का पुत्र, यह मीकायाह का पुत्र, यह जक्कूर का पुत्र, यह आसाप का पुत्र था। और उसके भाई शमायाह, अजरेल, मिललै, गिललै, माऐ, नतनेल, यहूदा और हनानी परमेश्वर के भक्त दाऊद के बाजे लिये हुए थे; और उनके आगे आगे एज्रा शास्त्री चला। ये सोताफाटक से हो सीधे दाऊदपुर की सीढ़ी पर चढ़, शहरपनाह की ऊँचाई पर से चलकर, दाऊद के भवन के ऊपर से होकर, पूरब की ओर जलफाटक तक पहुँचे।

नहेम्याह 12:31–37

- ◆ हम अकेले रहने वाले स्वभाव से बचते हैं।
- ◆ हम दर्शक बने रहने के तरीके की अवज्ञा करते हैं।
- ⊡ हम एक दूसरे को उत्साहित करते हैं।

मसीह के वचन को अपने हृदय में अधिकाई से बसने दो; और सिद्ध ज्ञान सहित एक दूसरे को सिखाओ, और चिताओ, और अपने अपने मन में अनुग्रह के साथ परमेश्वर के लिये भजन और स्तुतिगान और आत्मिक गीत गाओ। और वचन से या काम से जो कुछ भी करो, सब प्रभु यीशु के नाम से करो, और उसके द्वारा परमेश्वर पिता का धन्यवाद करो।

कुलुस्सियों 3:16–17

इस कारण निर्बुद्धि न हो, पर ध्यान से समझो, कि प्रभु की इच्छा क्या है? और दाखरस से मतवाले न बनो, क्योंकि इस से लुचपन होता है, पर आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ। और आपस में भजन और स्तुतिगान और आत्मिक गीत गाया करो, और अपने अपने मन में प्रभु के साम्हने गाते और कीर्तन करते रहो। और सदा सब बातों के लिये हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम से परमेश्वर पिता का धन्यवाद करते रहो। और मसीह के भय से एक दूसरे के आधीन रहो।

इफिसियों 5:17–21

अतः क्या करना चाहिए? मैं आत्मा से भी प्रार्थना करूँगा, और बुद्धि से भी प्रार्थना करूँगा; मैं आत्मा से गाऊँगा, और बुद्धि से भी गाऊँगा। नहीं तो यदि तू आत्मा ही से धन्यवाद करेगा, तो फिर अज्ञानी तेरे धन्यवाद पर आमीन क्योंकर कहेगा? इसलिये कि वह तो नहीं जानता, कि तू क्या कहता है?

1 कुरिन्थियों 14:15–16

- हम अपनी एकता को ————————— करते हैं।

जब सातवाँ महीना निकट आया, उस समय सब इस्राएली अपने अपने नगर में थे। तब उन सब लोगों ने एक मन होकर, जलफाटक के साम्हने के चौक में इकट्ठे होकर, बज्रा शास्त्री से कहा, कि मूसा की जो व्यवस्था यहोवा ने इस्राएल को दी थी, उसकी पुस्तक ले आ।

नहेम्याह 8:1

- हम सम्पूर्ण इतिहास में कलीसिया के साथ में नियमित बने रहते हैं।

इसलिये वे अपने परमेश्वर के काम और शुद्धता के विषय चौकसी करते रहे; और गवैये और द्वारपाल भी दाऊद और उसके पुत्र सुलैमान की आज्ञा के अनुसार वैसा ही करते रहे। प्राचीनकाल, अर्थात् दाऊद और आसाप के दिनों में तो गवैयों के प्रधान थे, और परमेश्वर की स्तुति और धन्यवाद के गीत गाए जाते थे।

नहेम्याह 12:45–46

- हम एक साथ आत्मिक युद्ध में ————————— होते हैं।

बिहान को वे सबेरे उठकर तकोआ के जंगल की ओर निकल गए; और चलते समय यहोशापात ने खड़े होकर कहा, हे यहूदियों, हे यरूशलेम के निवासियों, मेरी सुनो, अपने परमेश्वर यहोवा पर विश्वास रखो, तब तुम स्थिर रहोगे; उसके नबियों की प्रतीति करो, तब तुम कृतार्थ हो जाओगे। तब उस ने प्रजा के साथ सम्मति करके कितनों को ठहराया, जो कि पवित्रता से शोभायमान होकर हथियारबन्दों के आगे आगे चलते हुए यहोवा के गीत गाएँ, और यह कहते हुए उसकी स्तुति करें, कि यहोवा का धन्यवाद करो, क्योंकि उसकी करुणा सदा की है। जिस समय वे गाकर स्तुति करने लगे, उसी समय यहोवा ने अम्मोनियों मोआबियों और सेईर के पहाड़ी देश के लोगों पर जो यहूदा के विरुद्ध आ रहे थे, घातकों को बैठा दिया और वे मारे गए।

2 इतिहास 20:20–22

आधी रात के लगभग पौलुस और सीलास प्रार्थना करते हुए परमेश्वर के भजन गा रहे थे, और बन्धुए उन की सुन रहे थे। कि इतने में एकाएक बड़ा भुईंडोल हुआ, यहाँ तक कि बन्दीगृह की नींव हिल गई, और तुरन्त सब द्वार खुल गए; और सब के बन्धन खुल पड़े।

प्रेरितों के काम 16:25–26

- स्पष्टता
  - ⊡ कलीसिया की अराधना में ————————— और प्रतिउत्तर के गीत शामिल होते हैं।
  - ⊡ परमेश्वर का प्रकाशन
    - वह अपने आप को स्पष्टता से संसार में प्रगट करता है।

आकाश ईश्वर की महिमा वर्णन कर रहा है; और आकाशमण्डल उसकी हस्तकला को प्रगट कर रहा है। दिन से दिन बातें करता है, और रात को रात ज्ञान सिखाती है। न तो कोई बोली है और न कोई

भाषा, जहाँ उनका शब्द सुनाई नहीं देता है। उनका स्वर सारी पृथ्वी पर गूँज गया है, और उनके वचन जगत की छोर तक पहुँच गए हैं। उन में उस ने सूर्य्य के लिये एक मण्डप खड़ा किया है।

भजन संहिता 19:1–4

⊡ वह अपने आप को विस्तारपूर्वक ————————— के अन्दर प्रगट करता है।

यहोवा की व्यवस्था खरी है, वह प्राण को बहाल कर देती है; यहोवा के नियम विश्वासयोग्य हैं, साधारण लोगों को बुद्धिमान बना देते हैं; यहोवा के उपदेश सिद्ध हैं, हृदय को आनन्दित कर देते हैं; यहोवा की आज्ञा निर्मल है, वह आँखों में ज्योति ले आती है; यहोवा का भय पवित्र है, वह अनन्तकाल तक स्थिर रहता है; यहोवा के नियम सत्य और पूरी रीति से धर्ममय हैं। वे तो सोने से और बहुत कुन्दन से भी बढ़कर मनोहर हैं; वे मधु से और टपकनेवाले छत्ते से भी बढ़कर मधुर हैं। और उन्हीं से तेरा दास चिताया जाता है; उनके पालन करने से बड़ा ही प्रतिफल मिलता है।

भजन संहिता 19:7–11

- वचन ————————— है।
- वचन संगत है।
- वचन अच्छा है।
- वचन स्पष्ट है।
- वचन अनन्त है।
- वचन ————————— है।

⊡ कलीसिया का प्रतिउत्तर.....

- वचन हमें ————————— करता है।
- वचन हमें बुद्धिमान बनाता है।
- वचन हमें ————————— करता है।
- वचन हमें प्रकाशमान बनाता है।
- वचन हमें ————————— करता है।
- वचन हमें धार्मिक बनाता है।

⊡ जब वचन हमारे जीवन से गायब होता है.....

- हमारे प्रतिउत्तर को बनाना पड़ता है।
- परिणाम ————————— प्रसन्नता होती है।

⊡ जब वचन हमारे जीवन में पाया जाता है।

- हमारा प्रतिउत्तर विश्वसनीय होता है।
- परिणाम ————————— को प्रसन्न करना होता है।

o ईमानदारी

⊡ कलीसिया की अराधना में परमेश्वर और दूसरों के सामने ईमानदारी की आवश्यकता होती है।

यीशु ने उससे कहा हे, ''नारी मेरी बात का विश्वास कर कि वह समय आता है कि तुम न तो इस पहाड़ पर पिता की अराधना करोगे और न यरूशलेम में। तुम जिसे नहीं जानते उसकी अराधना करते हो और हम जिसे जानते हैं उनकी अराधना करते हैं क्योंकि उद्धार यहुदियों में से है। परन्तु वह समय आता है वरन अब भी है जिसमें सच्चे भक्त पिता की आराधना आत्मा और सच्चाई से करेगें, क्योंकि पिता अपने लिए ऐसे ही अराधकों को ढूढंता है। परमेश्वर आत्मा है और अवश्य है कि उसकी आराधना करनेवाल आत्मा और सच्चाई से अराधना करें।''

यूहन्ना 4:21–24

⊡ हम परमेश्वर के सम्मुख में बिना ————————— हुए अराधना नहीं कर सकते।

अतः जब स्त्री ने देखा कि उस वृक्ष का फल खाने में अच्छा, और देखने में मनभाऊ, और बुद्धि देने के लिये चाहने योग्य भी है, तब उस ने उस में से तोड़कर खाया; और अपने पति को भी दिया, और उस ने भी खाया। तब उन दोनों की आँखें खुल गई, और उनको मालूम हुआ कि वे नंगे हैं; अतः उन्हों ने अंजीर के पत्ते जोड़–जोड़ कर लंगोट बना लिये। तब यहोवा परमेश्वर जो दिन के ठण्डे समय में फिरता था, उसका शब्द उनको सुनाई दिया। तब आदम और उसकी पत्नी वाटिका के वृक्षों के बीच यहोवा परमेश्वर से छिप गए। तब यहोवा परमेश्वर ने पुकारकर आदम से पूछा, तू कहाँ है? उस ने कहा, मैं तेरा शब्द बारी में सुनकर डर गया, क्योंकि मैं नंगा था; इसलिये छिप गया। उस ने कहा, किस ने तुझे चिताया कि तू नंगा है? जिस वृक्ष का फल खाने को मै ने तुझे मना किया था, क्या तू ने उसका फल खाया है? आदम ने कहा, जिस स्त्री को तू ने मेरे संग रहने को दिया है, उसी ने उस वृक्ष का फल मुझे दिया, और मै ने खाया। तब यहोवा परमेश्वर ने स्त्री से कहा, तू ने यह क्या किया है? स्त्री ने कहा, सर्प ने मुझे बहका दिया, तब मै ने खाया।

उत्पत्ति 3:6–13

पुत्र पिता का, और दास स्वामी का आदर करता है। यदि मैं पिता हूँ, तो मेरा आदर मानना कहाँ है? और यदि मैं स्वामी हूँ, तो मेरा भय मानना कहाँ? सेनाओं का यहोवा, तुम याजकों से भी जो मेरे नाम का अपमान करते हो, यही बात पूछता है। परन्तु तुम पूछते हो, हम ने किस बात में तेरे नाम का अपमान किया है? तुम मेरी वेदी पर अशुद्ध भोजन चढ़ाते हो। तौभी तुम पूछते हो कि हम किस बात में तुझे अशुद्ध ठहराते हैं? इस बात में भी, कि तुम कहते हो, यहोवा की मेज तुच्छ है। जब तुम अन्धे पशु को बलि करने के लिये समीप ले आते हो, तो क्या यह बुरा नहीं? और जब तुम लंगड़े व रोगी पशु को ले आते हो, तो

क्या यह बुरा नहीं? अपने हाकिम के पास ऐसी भेंट ले आओ; क्या वह तुम से प्रसन्न होगा व तुम पर अनुग्रह करेगा? सेनाओं के यहोवा का यही वचन है। और अब मैं तुम से कहता हूँ, ईश्वर से प्रार्थना करो कि वह हम लोगों पर अनुग्रह करे। यह तुम्हारे हाथ से हुआ है; तब कया तुम समझते हो कि परमेश्वर तुम में से किसी का पक्ष करेगा? सेनाओं के यहोवा का यही वचन है। भला होता कि तुम में से कोई मन्दिर के किवाड़ों को बन्द करता कि तुम मेरी वेदी पर व्यर्थ आग जलाने न पाते! सेनाओं के यहोवा का यह वचन है, मैं तुम से कदापि प्रसन्न नहीं हूँ, और न तुम्हारे हाथ से भेंट ग्रहण करूँगा। क्योंकि उदयाचल से लेकर अस्ताचल तक अन्यजातियों में मेरा नाम महान् है, और हर कहीं मेरे नाम पर धूप और शुद्ध भेंट चढ़ाई जाती है; क्योंकि अन्यजातियों में मेरा नाम महान है, सेनाओं का यही वचन है। परन्तु तुम लोग उसको यह कहकर अपवित्र ठहराते हो कि यहोवा की मेज अशुद्ध है, और जो भोजनवस्तु उस पर से मिलती है, वह भी तुच्छ है। फिर तुम यह भी कहते हो, कि यह कैसा बड़ा उपद्रव है! सेनाओं के यहोवा का यह वचन है। तुम ने उस भोजनवस्तु के प्रति नाक भौं सिकोड़ी, और अत्याचार से प्राप्त किए हुए और लंगड़े और रोगी पशु की भेंट ले आते हो! क्या मैं ऐसी भेंट तुम्हारे हाथ से ग्रहण करूँ? यहोवा का यही वचन है। जिस छली के झुण्ड में नरपशु हो परन्तु वह मन्नत मानकर परमेश्वर को बर्जा हुआ पशु चढ़ाए, वह शापित है; मैं तो महाराजा हूँ, और मेरा नाम अन्यजातियों में भययोग्य है, सेनाओं के यहोवा का यही वचन है।

मलाकी 1:6–14

और अब हे याजकों, यह आज्ञा तुम्हारे लिये है। यदि तुम इसे न सुनो, और मन लगाकर मेरे नाम का आदर न करो, तो सेनाओं का यहोवा यों कहता है कि मैं तुम को शाप दूँगा, और जो वस्तुएँ मेरी आशीष से तुम्हें मिलीं हैं, उन पर मेरा शाप पड़ेगा, वरन् तुम जो मन नहीं लगाते हो, इस कारण मेरा शाप उन पर पड़ चुका है। देखो, मैं तुम्हारे कारण बीज को झिड़कूँगा, और तुम्हारे पर्वों के यज्ञपशुओं का मल फैलाऊँगा, और उसके संग तुम भी उठाकर फेंक दिए जाओगे।

मलाकी 2:1–3

- यीशु हमें हमारे पापों में छुपाना चाहते हैं।
- यीशु हमारे दुःखो में हमे सहारा प्रदान करना चाहते हैं।

⊡ हम आराधना को किसी खास ———————— तक सीमित नहीं कर सकते।

उस देश के बीच से जाते हुए अब्राम शकेम में, जहाँ मोरे का बाँज वृक्ष है, पहुँचा; उस समय उस देश में कनानी लोग रहते थे। तब यहोवा ने अब्राम को दर्शन देकर कहा, यह देश मैं तेरे वंश को दूँगा : और उस ने वहाँ यहोवा के लिये जिस ने उसे दर्शन दिया था, एक वेदी बनाई।

उत्पत्ति 12:6–7

और जब तेरा परमेश्वर यहोवा तुझ को उस देश में पहुँचाए, जिसके अधिकारी होने को तू जाने पर है, तब आशीष गरीज्जीम पर्वत पर से और शाप एबाल पर्वत पर से सुनाना। क्या वे यरदन के पार, सूर्य के अस्त

होने की ओर, अराबा के निवासी कनानियों के देश में, गिल्गाल के साम्हने, मोरे के बाँज वृक्षों के पास नहीं है?

व्यवस्थाविवरण 11:29–30

जब तुम यरदन पार हो जाओ, तब शिमौन, लेवी, यहूदा, इस्साकार, युसुफ, और बिन्यामीन, ये गिरिज्जीम पहाड़ पर खडे होकर आशीर्वाद सुनाएँ।

व्यवस्थाविवरण 27:12

- हम बाहरी परिस्थितियों की वजह से अराधना को गलत ढंग से परिभाषित करते हैं।
- यीशु ———————— परिस्थितियों के आधारपर आराधना को परिभाषित किया।
  - उसकी उपस्थिति की सच्चाई ।

यीशु ने उन को उत्तर दिया; इस मन्दिर को ढा दो, और मैं उसे तीन दिन में खड़ा कर दूँगा।

यूहन्ना 2:19

पर मैं तुम से कहता हूँ, कि यहाँ वह है, जो मन्दिर से भी बड़ा है।

मत्ती 12:6

- हमारे ह्रदय का प्रतिउत्तर।

ये लोग होठों से तो मेरा आदर करते हैं, पर उन का मन मुझ से दूर रहता है।

मत्ती 15:8

- ⊡ हम उस परमेश्वर की अराधना नहीं कर सकते हैं जिसे हम ———————— भी नहीं।
  - यदि हमारी अराधना वचन से जुड़ी हुई नहीं है तो वह खोखली है।

- विभिन्नता
  - ⊡ कलीसिया की अराधना ———————— की एकता और विभिन्नता को प्रगट करती है।

इस के बाद मैं ने दृष्टि की, और देखो, हर एक जाति, और कुल, और लोग और भाषा में से एक ऐसी बड़ी भीड़, जिसे कोई गिन नहीं सकता था, श्वेत वस्त्र पहने, और अपने हाथों में खजूर की डालियाँ लिये हुए सिंहासन के साम्हने और मेम्ने के साम्हने खड़ी है। और बड़े शब्द से पुकारकर कहती है, कि उद्धार के लिये हमारे परमेश्वर का, जो सिंहासन पर बैठा है, और मेम्ने का जय–जयकार हो। और सारे स्वर्गदूत, उस सिंहासन और प्राचीनों और चारों प्राणियों के चारों ओर खड़े हैं, फिर वे सिंहासन के साम्हने मुँह के बल गिर पड़े; और परमेश्वर को दण्डवत् करके कहा, आमीन। हमारे परमेश्वर की स्तुति, और महिमा, और ज्ञान, और धन्यवाद, और आदर, और सामर्थ्य, और शक्ति युगानुयुग बनी रहें। आमीन।

प्रकाशितवाक्य 7:9–12

- हमें अराधना के विश्वव्यापक दृष्टिकोण में प्रवेश करने की जरूरत है।

- हमें उन विभिन्न शैलियो पर ————————— प्राप्त करने की जरूरत है जो कलीसिया के भीतर मसीहियों को विभाजित करती है।
- हमें संसार भर में चल रही लगातार अराधना के आनन्द में ————————— हो जाना है।
- जो प्रेम परमेश्वर हममें से प्रत्येक के साथ में करते हैं उसमें हमको खो जाने की आवश्कता है।
- हमें उस विश्वव्यापक कार्य में ————————— जाना है जिसके तहत परमेश्वर ने हमको बुलाया है।

कलीसिया प्रार्थना करती है

और वे प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने में, और रोटी तोड़ने में, **और प्रार्थना** करने में लौलीन रहे।
प्रेरितों के काम 2:42

ये सब कई स्त्रियों और यीशु की माता मरियम और उसके भाइयों के साथ एक चित्त होकर प्रार्थना में लगे रहे।
प्रेरितों के काम 1:14

परन्तु हम तो प्रार्थना में और वचन की सेवा में लगे रहेंगे।
प्रेरितों के काम 6:4

वे छूटकर अपने साथियों के पास आए, और जो कुछ महायाजकों और पुरनियों ने उन से कहा था, उनको सुना दिया। यह सुनकर, उन्हों ने एक चित्त होकर ऊँचे शब्द से परमेश्वर से कहा, हे स्वामी, तू वही है, जिस ने स्वर्ग और पृथ्वी और समुद्र और जो कुछ उन में है, बनाया। तू ने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने सेवक हमारे पिता दाऊद के मुख से कहा, कि अन्य जातियों ने हुल्लड़ क्यों मचाया? और देश के लोगों ने क्यों व्यर्थ बातें सोची? प्रभु और उसके मसीह के विरोध में पृथ्वी के राजा खड़े हुए, और हाकिम एक साथ इकट्ठे हो गए। क्योंकि सचमुच तेरे सेवक यीशु के विरोध में, जिसे तू ने अभिषेक किया, हेरोदेस और पुन्तियुस पीलातुस भी अन्य जातियों और इस्राएलियों के साथ इस नगर में इकट्ठे हुए, कि जो कुछ पहले से तेरी सामर्थ्य और मति से ठहरा था, वही करें। अब, हे प्रभु, उन की धमकियों को देख; और अपने दासों को यह वरदान दे, कि तेरा वचन बड़े हियाव से सुनाएँ। और चंगा करने के लिये तू अपना हाथ बढ़ा; कि चिन्ह और अद्भुत काम तेरे

पवित्र सेवक यीशु के नाम से किए जाएँ। जब वे प्रार्थना कर चुके, तो वह स्थान जहाँ वे इकट्ठे थे, हिल गया, और वे सब पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो गए, और परमेश्वर का वचन हियाव से सुनाते रहे।
प्रेरितों के काम 4:23–31

- कलीसिया किससे प्रार्थना करती है?

- उस परमेश्वर से जो इस संसार के अन्दर सारी बातों में ————————— है।

पृथ्वी और जो कुछ उस में है, यहोवा ही का है; जगत और उस में निवास करनेवाले भी।
भजन संहिता 24:1

और लुदिया नाम थुआथीरा नगर की बैंजनी कपड़े बेचनेवाली एक भक्त स्त्री सुनती थी, और प्रभु ने उसका मन खोला, ताकि पौलुस की बातों पर चित्त लगाएँ
प्रेरितों के काम 16:14

और प्रभु ने रात को दर्शन के द्वारा पौलुस से कहा, मत डर, वरन् कहे जा, और चुप मत रह।
10 क्योंकि मैं तेरे साथ हूँ: और कोई तुझ पर चढ़ाई करके तेरी हानि न करेगा; क्योंकि इस नगर में मेरे बहुत से लोग हैं। अतः वह उन में परमेश्वर का वचन सिखाते हुए डेढ़ वर्ष तक रहाँ।
प्रेरितों के काम 18:9–11

- उस परमेश्वर से जो हमारी सारी जरूरतों को ————————— करता है।

न किसी वस्तु का प्रयोजन रखकर मनुष्यों के हाथों की सेवा लेता है, क्योंकि वह तो आप ही सब को जीवरन् और स्वास और सब कुछ देता है।
प्रेरितों के काम 17:25

यदि कोई बोले, तो ऐसा बोले, मानों परमेश्वर का वचन है; यदि कोई सेवा करे; तो उस शक्ति से करे जो परमेश्वर देता है; जिस से सब बातों मे यीशु मसीह के द्वारा, परमेश्वर की महिमा प्रगट होः महिमा और साम्राज्य युगानुयुग उसी की है। आमीन।।
1 पतरस 4:11

- कलीसिया ने प्रार्थना क्यों की?
  - वे पूर्ण रूप से परमेश्वर की ————————— पर निर्भर थे।

पतरस और यूहन्ना तीसरे पहर प्रार्थना के समय मन्दिर में जा रहे थे।
प्रेरितों के काम 3:1

परन्तु वचन के सुननेवालों में से बहुतों ने विश्वास किया, और उन की गिनती पाँच हजार पुरूषों के लगभग हो गई।।
प्रेरितों के काम 4:4

अब, हे प्रभु, उन की धमकियों को देख; और अपने दासों को यह वरदान दे, कि तेरा वचन बड़े हियाव से सुनाएँ।

प्रेरितों के काम 4:29

जब वे प्रार्थना कर चुके, तो वह स्थान जहाँ वे इकट्ठे थे हिल गया, और वे सब पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो गए, और परमेश्वर का वचन हियाव से सुनाते रहे।।

प्रेरितों के काम 4:31

इसलिये हे भाइयों, अपने में से सात सुनाम पुरूषों को जो पवित्र आत्मा और बुद्धि से परिपूर्ण हो, चुन लो, कि हम उन्हें इस काम पर ठहरा दें।

4 परन्तु हम तो प्रार्थना में और वचन की सेवा में लगे रहेंगे।

प्रेरितों के काम 6:3–4

और परमेश्वर का वचन फैलता गया और यरूशलेम में चेलों की गिनती बहुत बढ़ती गई; और याजकों का एक बड़ा समाज इस मत के अधीन हो गयाँ

प्रेरितों के काम 6:7

और वे स्तिफनुस को पत्थरवाह करते रहे, और वह यह कहकर प्रार्थना करता रहा; कि हे प्रभु यीशु, मेरी आत्मा को ग्रहण कर।

60 फिर घुटने टेककर ऊँचे शब्द से पुकारा, हे प्रभु, यह पाप उन पर मत लगा, और यह कहकर अतः गयाः और शाऊल उसके बध में सहमत था।।

प्रेरितों के काम 7:59–60

उसी दिन यरूशलेम की कलीसिया पर बड़ा उपद्रव होने लगा और प्रेरितों को छोड़ सब के सब यहूदिया और सामरिया देशों में तित्तर बित्तर हो गएँ

2 और भक्तों ने स्तिफनुस को कब्र में रखा; और उसके लिये बड़ा विलाप कियाँ शाऊल कलीसिया को उजाड़ रहा था; और घर घर घुसकर पुरूषों और स्त्रियों को घसीट घसीटकर बन्दीगृह में डालता था।।

4 जो तित्तर बित्तर हुए थे, वे सुसमाचार सुनाते हुए फिरे।

प्रेरितों के काम 8:1–4

हनन्याह ने उत्तर दिया, कि हे प्रभु, मैं ने इस मनुष्य के विषय में बहुतों से सुना है, कि इस ने यरूशलेम में तेरे पवित्र लोगों के साथ बड़ी बड़ी बुराईयाँ की हैं।

प्रेरितों के काम 9:13

और तुरन्त उस की आँखों से छिलके से गिरे, और वह देखने लगा और उठकर बपतिस्मा लिया; फिर भोजन करके बल पायाँ

प्रेरितों के काम 9:18

दूसरे दिन, जब वे चलते चलते नगर के पास पहुँचे, तो दो पहर के निकट पतरस कोठे पर प्रार्थना करने चढ़ा।

प्रेरितों के काम 10:9

इस पर पतरस ने कहा; क्या कोई जल की रोक कर सकता है, कि ये बपतिस्मा न पाएँ, जिन्हों ने हमारी नाई पवित्र आत्मा पाया है?

48 और उस ने आज्ञा दी कि उन्हें यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा दिया जाएः तब उन्हों ने उस से विरन्ती की कि कुछ दिन हमारे साथ रह।।

प्रेरितों के काम 10:47–48

आधी रात के लगभग पौलुस और सीलास प्रार्थना करते हुए परमेश्वर के भजन गा रहे थे, और बन्धुए उन की सुन रहे थे।

प्रेरितों के काम 16:25

और रात को उसी घड़ी उस ने उन्हें ले जाकर उन के घाव धोए, और उस ने अपने सब लोगों समेत तुरन्त बपतिस्मा लियाँ

प्रेरितों के काम 16:33

पूरी तरह से परमेश्वर के ———————— के लिए बेताब थे।

स्तिफुनुस अनुग्रह और सामर्थ में परिपूर्ण होकर लोगों में बड़े बड़े अद्भुत काम और चिन्ह दिखाया करता था।

प्रेरितों के काम 6:8

वह वहाँ पहुँचकर, और परमेश्वर के अनुग्रह को देखकर आनन्दित हुआ; और सब को उपदेश दिया कि तन मन लगाकर प्रभु से लिपटे रहो।

प्रेरितों के काम 11:23

और जब सभा उठ गई तो यहूदियों और यहूदी मत में आए हुए भक्तों में से बहुतेरे पौलुस और वरन्बास के पीछे हो लिए; और उन्हों ने उन से बातें करके समझाया, कि परमेश्वर के अनुग्रह में बने रहो।

प्रेरितों के काम 13:43

और वे बहुत दिन तक वहाँ रहे, और प्रभु के भरोसे पर हियाव से बातें करते थेः और वह उन के हाथों से चिन्ह और अद्‌भुत काम करवाकर अपने अनुग्रह के वचन पर गवाही देता था।

प्रेरितों के काम 14:3

और वहाँ से जहाज से अन्ताकिया में आए, जहाँ से वे उस काम के लिये जो उन्हों ने पूरा किया था परमेश्वर के अनुग्रह पर सौंपे गए थे।

प्रेरितों के काम 14:26

हाँ, हमारा यह तो निश्चय है, कि जिस रीति से वे प्रभु यीशु के अनुग्रह से उद्धार पाएँगे; उसी रीति से हम भी पाएँगे।

प्रेरितों के काम 15:11

और जब उस ने निश्चय किया कि पार उतरकर अखाया को जाए तो भाइयों ने उसे ढाढ़स देकर चेलों को लिखा कि वे उस से अच्छी तरह मिलें, और उस ने पहुँचकर वहाँ उन लोगों की बड़ी सहायता की जिन्हों ने अनुग्रह के कारण विश्वास किया था।

प्रेरितों के काम 18:27

परन्तु मैं अपने प्राण को कुछ नहीं समझताः कि उसे प्रिय जानूं, वरन् यह कि मैं अपनी दौड़ को, और उस सेवाकाई को पूरी करूँ, जो मैं ने परमेश्वर के अनुग्रह के सुसमाचार पर गवाही देने के लिये प्रभु यीशु से पाई है।

प्रेरितों के काम 20:24

और अब मैं तुम्हें परमेश्वर को, और उसके अनुग्रह के वचन को सौंप देता हूँ; जो तुम्हारी उन्नति कर सकता है, और सब पवित्रें में साझी करके मीरास दे सकता है।

प्रेरितों के काम 20:32

- o वे पूर्ण रूप से परमश्‍ेवर के ———————— के लिए समर्पित थे।

- कलीसिया ने किस प्रकार से प्रार्थना की?
    - o उन्होने ———————— के साथ में प्रार्थना की।
    - o उन्होने बड़ी स्वाभाविकता के साथ में प्रार्थना की।
- कलीसिया ने कब प्रार्थना की।

- उन्होने ————————— प्रार्थनाओं में हिस्सा लिया।
- उन्होने नियमित चलने वाली प्रार्थनाओं में हिस्सा लिया।

- कलीसिया ने कहां प्रार्थना की?
  - वे प्रार्थना करने के लिए ————————— हुए।

अन्ताकिया की कलीसिया में कितने भविष्यद्वक्ता और उपदेशक थे; अर्थात् वरन्बास और शमौन जो नीगर कहलाता है; और लूकियुस कुरेनी, और देश की चौथाई के राजा हेरोदेस का दूधभाई मनाहेम औरशाऊल। जब वे उपवास सहित प्रभु की उपासना कर रहे थे, तो पवित्र आत्मा ने कहा; मेरे निमित्त वरन्बास और शाऊल को उस काम के लिये अलग करो जिस के लिये मैं ने उन्हें बुलाया है। तब उन्हों ने उपवास और प्रार्थना करके और उन पर हाथ रखकर उन्हें विदा कियाँ

प्रेरितों के काम 13:1–3

- वे प्रार्थना करने के लिए ————————— हो गये।

और वे फ्रूगिया और गलतिया देशों में से होकर गए, और पवित्र आत्मा ने उन्हें ऐशिया में वचन सुनाने से मना कियाँ और उन्हों ने मूसिया के निकट पहुँचकर, बितूनिया में जाना चाहा; परन्तु यीशु के आत्मा ने उन्हें जाने न दियाँ

8 अतः मूसिया से होकर वे त्रेआस में आएँ

प्रेरितों के काम 16:6–8

और प्रभु ने रात को दर्शन के द्वारा पौलुस से कहा, मत डर, वरन् कहे जा, और चुप मत रह।
10 क्योंकि मैं तेरे साथ हूँ: और कोई तुझ पर चढ़ाई करके तेरी हानि न करेगा; क्योंकि इस नगर में मेरे बहुत से लोग हैं। अतः वह उन में परमेश्वर का वचन सिखाते हुए डेढ़ वर्ष तक रहाँ

प्रेरितों के काम 18:9–11

और अब देखो, मैं आत्मा में बन्धा हुआ यरूशलेम को जाता हूँ, और नहीं जानता, कि वहाँ मुझ पर क्या क्या बीतेगा?

प्रेरितों के काम 20:22

- कलीसिया ने किस लिए प्रार्थना की ?
  - परमेश्वर के वचन की ————————— के लिए।

और जो कुछ तुम मेरे नाम से माँगोगे, वही मैं करूँगा कि पुत्र के द्वारा पिता की महिमा हो।

यूहन्ना 14:13

- एक दूसरे और कलीसिया की जरूरत के लिए ।
- परमेश्वर की अराधना के ————————— के लिए।

मुझ से माँग, और मैं जाति जाति के लोगों को तेरी सम्पत्ति होने के लिये, और दूर दूर के देशों को तेरी निज भूमि बनने के लिये दे दूँगा।

भजन संहिता 2:8

क्योंकि पृथ्वी यहोवा की महिमा के ज्ञान से ऐसी भर जाएगी जैसे समुद्र जल से भर जाता है।

हबक्कूक 2:14

कलीसिया गुणन होती है

और परमेश्वर की स्तुति करते थे, और सब लोग उन से प्रसन्न थेः और जो उद्धार पाते थे, उनको प्रभु प्रति दिन उन में मिला देता था।।

प्रेरितों के काम 2:47

परन्तु वचन के सुननेवालों में से बहुतों ने विश्वास किया,
और उन की गिनती पाँच हजार पुरूषों के लगभग हो गई।।

प्रेरितों के काम 4:4

और विश्वास करनेवाले बहुतेरे पुरूष और स्त्रियाँ प्रभु की कलीसिया में और भी अधिक आकर मिलते रहे।)

प्रेरितों के काम 5:14

उन दिनों में जब चेले बहुत होने जाते थे, तो यूनानी भाषा बोलनेवाले इब्रानियों पर कुड़कुड़ाने लगे, कि प्रति दिन की सेवकाई में हमारी विधवाओं की सुधि नहीं ली जाती।

प्रेरितों के काम 6:1

और परमेश्वर का वचन फैलता गया और यरूशलेम में चेलों की गिनती बहुत बढ़ती गई; और याजकों का एक बड़ा समाज इस मत के अधीन हो गया।

प्रेरितों के काम 6:7

अतः सारे यहूदिया, और गलील, और सामरिया में कलीसिया को चैन मिला, और उसकी उन्नति होती गई; और वह प्रभु के भय और पवित्र आत्मा की शान्ति में चलती और बढ़ती जाती थी।

प्रेरितों के काम 9:31

क्योंकि वह एक भला मनुष्य था; और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण थाः और और बहुत से लोग प्रभु में आ मिले।

प्रेरितों के काम 11:24

परन्तु परमेश्वर का वचन बढ़ता और फैलता गया।
प्रेरितों के काम 12:24

इस प्रकार कलीसिया विश्वास में स्थिर होती गई, और गिनती में प्रति दिन बढ़ती गई।
प्रेरितों के काम 16:5

यों प्रभु का वचन बल पूर्वक फैलता गया और प्रबल होता गया।
प्रेरितों के काम 19:20

और वह पूरे दो वर्ष अपने भाड़े के घर में रहा और जो उसके पास आते थे, उन सब से मिलता रहा और बिना रोक टोक बहुत निडर होकर परमेश्वर के राज्य का प्रचार करता और प्रभु यीशु मसीह की बातें सिखाता रहा।
प्रेरितों के काम 28:30–31

- ————————— को एकत्रित करना
- सच्चा कलीसियाई ————————— कलीसिया के भीतर पाये जाने वाले प्रचारको के द्वारा प्रेरणा पाने योग्य होते हैं।
- सच्चा ————————— कार्य कलीसिया में प्राप्त समाज के द्वारा प्रेरणा प्राप्त करता है।

हे राजा मसीहियो ने अब, सत्य को खोजते खोजते उसे पा लिया है। क्योकि वे परमेश्वर को जानत और उस पर भरोसा करते हैं;स्वर्ग और पृथ्वी के बनाने वाले, जिसमा कोई तुल्य नहीं है। उसी से उन्होने वे आज्ञाए प्राप्त करी हैं जिसे उन्होने अपने ह्रदय में बसा लिया है और उन्ही के अनुसार वे आने वाले संसार की अपेक्षा करते हैं।
वे अनजाने ईश्वरों की उपासना करने से इनकार करते हैं। और वे अपने मार्गो में आनन्द और नम्रता के साथ चलते हैं। उनक बीच में झूठ नहीं पाया जाता। वे एक दूसरे से प्रेम करते हैं, विधवाओं की जरूरते नजरअन्दाज नहीं की जाती हैं। और वे समाने वाले के हाथों से अनाथों को बचाते हैं। जिसके पास है वह उसकों देता है जिसके पास नहीं है,परन्तु कुढकुड़ाते या घमण्ड के साथ में नही। जब मसीही लोग किसी अनजान व्यकित को पाते हे तो अति प्रसन्नता के साथ में उसे अपने धर ले जाते हैं और उसके साथ अपने भाई का सा व्यवहार करते हैं। वे केवल उन लोगों को ही भाई नहीं कहते जिनसे उनका खून का रिश्ता है, परन्तु प्रभु और आत्मा के साथ उनसे रिश्ते में जुड़े हैं।

जब कियी गरीब का उनके बीच में देहान्त हो जाता है तो प्रत्येक जन अपनी हैसियत के हिसाब से उसके दफन के लिए इन्तेजाम करते हैं। यदि वे किसी सदस्य के बारे में सुनते हैं जो कैद में है या मसीह के नाम की वजह से सताया जा रहा है तो सभी लोग उसकी जरूरतो का इन्तेजाम करते हैं और यदि उसको छुड़वाना सम्भव हो तो सब मिलकर उसे छुड़ा लेते है।

यदि वे अपने बीच में गरीबी को पाते है और यदि उनके पास उनको देने के लिए कुछ नहीं होता तो वे दो या तीन दिन का उपवास करके उसे जरूरत की वस्तुए मुहैय्या करवा देते हैं। वे बड़ी ईमानदारी के साथ में मसीह की आज्ञाओ को पालन करते हैं और उसकी प्रकार शालीनता व नम्रता के साथ में अपना जीवन व्यतीत करते हैं जैसा उन्हे प्रभु की ओर से सिखाया गया। प्रत्येक सुबह और प्रत्येक क्षण में परमेश्वर द्वारा की गयी भलाईयों के लिए वे उसका धन्यवाद देते रहते हैं, और उनके भोजन व पेय जल के लिए भी वे प्रभु का धन्यवाद देते हैं। हे मेरे राजा इस प्रकार की आज्ञाएं उन्हे दी गयी हैं और इसी प्रकार का उनका आचरण बन गया है।

अरीस्टेडस की क्षमा

- संख्या और———————— में बढौतरी

और प्रभु का हाथ उन पर था, और बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे।

प्रेरितों के काम 11:21

क्योंकि वह एक भला मनुष्य था; और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण थाः और और बहुत से लोग प्रभु में आ मिले।

प्रेरितों के काम 11:24

और जब उन से मिला, तो उसे अन्ताकिया में लाया, और ऐसा हुआ कि वे एक वर्ष तक कलीसिया के साथ मिलते और बहुत लोगों को उपदेश देते रहे, और चेले सब से पहले अन्ताकिया ही में मसीही कहलाए।

प्रेरितों के काम 11:26

कुनियुम में ऐसा हुआ कि वे यहूदियों की आराधनालय में साथ साथ गए, और ऐसी बातें की, कि यहूदियों और यूनानियों दोनों में से बहुतों ने विश्वास किया।

प्रेरितों के काम 14:1

और वे उस नगर के लोगों को सुसमाचार सुनाकर, और बहुत से चेले बनाकर, लुस्त्र और इकुनियम और अन्ताकिया को लौट आए।

प्रेरितों के काम 14:21

इस प्रकार कलीसिया विश्वास में स्थिर होती गई और गिनती में प्रति दिन बढ़ती गई।

प्रेरितों के काम 16:5

उन में से कितनों ने, और भक्त यूनानियों में से बहुतेरों ने और बहुत सी कुलीन स्त्रियों ने मान लिया, और पौलुस और सीलास के साथ मिल गए।

प्रेरितों के काम 17:4

अतः उन में से बहुतों ने, और यूनानी कुलीन स्त्रियों में से, और पुरूषों में से बहुतेरों ने विश्वास किया।

प्रेरितों के काम 17:12

और तुम देखते और सुनते हो, कि केवल इफिसुस ही में नहीं, वरन् प्रायः सारे आसिया में यह कह कहकर इस पौलुस ने बहुत लोगों को समझाया और भरमाया भी है, कि जो हाथ की कारीगरी है, वे ईश्वर नहीं।

प्रेरितों के काम 19:26

- कलीसिया के ———————— प्रश्न : कितने लोग आ रहे हैं?
- कलीसिया के अन्दर एक और प्रश्नः हम किस प्रकार के लोगों को ———————— कर रहे हैं?

- अराधना करना और ———————— देना
  - वे अपनी अराधना के द्वारा एक जुट हुए।
  - वे अपनी गवाही के द्वारा ———————— तरीके से बढ़े।

जब वह पतरस और यूहन्ना को पकड़े हुए था, तो सब लोग बहुत अचम्भा करते हुए उस ओसारे में जो सुलैमान का कहलाता है, उन के पास दौड़े आए। यह देखकर पतरस ने लोगों से कहा; हे इस्राएलियों, तुम इस मनुष्य पर क्यों अचम्भा करते हो, और हमारी ओर क्यों इस प्रकार देख रहे हो, कि मानो हम ही ने अपनी सामर्थ या भक्ति से इसे चलता–फिरता कर दिया।

प्रेरितों के काम 3:11–12

वे यह सुनकर भोर होते ही मन्दिर में जाकर उपदेश देने लगेः परन्तु महायाजक और उसके साथियों ने आकर महासभा को और इस्राएलियों के सब पुरनियों को इकट्ठे किया, और बन्दीगृह में कहला भेजा कि उन्हें लाए।

प्रेरितों के काम 5:21

- यदि हमारी अराधना संसार के भावों से बिल्कुल जुदा या टूटी हुई है तो वह ———————— अराधना है।

अन्ताकिया की कलीसिया में कितने भविष्यद्वक्ता और उपदेशक थे; अर्थात् बरनबास और शमौन जो नीगर कहलाता है; और लूकियुस कुरेनी, और देश की चौथाई के राजा हेरोदेस का दूधभाई मनाहेम और शाऊल। जब वे उपवास सहित प्रभु की उपासना कर रहे थे, तो पवित्र आत्मा ने कहा; मेरे निमित्त बरनबास और शाऊल को उस काम के लिये अलग करो जिस के लिये मैं ने उन्हें बुलाया है। तब उन्हों ने उपवास और प्रार्थना करके और उन पर हाथ रखकर उन्हें विदा किया। अतः वे पवित्र आत्मा के भेजे हुए सिलूकिया को गए; और वहाँ से जहाज पर चढ़कर कुप्रुस को चले।

प्रेरितों के काम 13:1–4

- एक साथ इकट्ठे होना और ———————— होना
  - खतरनाक गलतफहमियां

- ⊡ कलीसिया अगुवों को ———————— करने वाला और सदस्यों को दर्शकों के रूप में देखती है।
- ⊡ कलीसिया की सफलता को इस आधार पर नापा जाता कि हमारे ———————— से क्या होता है बजाय इसके कि हमारे भीतर आने से क्या होता है।

o एक बाइबल संगत समझः

- ⊡ कलीसिया एक दूसरे को सुसमाचार में ———————— करने के लिए एकत्रित होती है।
- ⊡ कलीसिया सुसमाचार के द्वारा संसार को ————————` के लिए तितर बितर होती है।

- स्थानीय और ————————

परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा, तब तुम सामर्थ पाओगे; और यरूशलेम और सारे यहूदिया और सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होगे।

प्रेरितों के काम 1:8

उसी दिन यरूशलेम की कलीसिया पर बड़ा उपद्रव होने लगा, और प्रेरितों को छोड़ सब के सब यहूदिया और सामरिया देशों में तित्तर बित्तर हो गए। और भक्तों ने स्तिफनुस को कब्र में रखा; और उसके लिये बड़ा विलाप किया। शाऊल कलीसिया को उजाड़ रहा था; और घर घर घुसकर पुरूषों और स्त्रियों को घसीट घसीटकर बन्दीगृह में डालता था। जो तित्तर बित्तर हुए थे, वे सुसमाचार सुनाते हुए फिरे।

प्रेरितों के काम 8:1–4

अतः जो लोग उस क्लेश के मारे जो स्तिफनुस के कारण पड़ा था, तित्तर बित्तर हो गए थे, वे फिरते फिरते फीनीके और कुप्रुस और अन्ताकिया में पहुँचे; परन्तु यहूदियों को छोड़ किसी और को वचन न सुनाते थे। परन्तु उन में से कितने कुप्रुसी और कुरेनी थे, जो अन्ताकिया में आकर यूनानियों को भी प्रभु यीशु के सुसमचार की बातें सुनाने लगे। और प्रभु का हाथ उन पर था, और बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे।

प्रेरितों के काम 11:19–21

o एक खतरनाक तरीकाः

- ⊡ ''लेकिन मैं विदेशी मिशन या कार्य के लिए नहीं बुलाया गया हूँ।''
  - उद्धार के निमित्त गैर बाइबल संगत व्याख्या को प्रस्तुत करना ।

यहोवा के लिये एक नया गीत गाओ, हे सारी पृथ्वी के लोगों यहोवा के लिये गाओ! यहोवा के लिये गाओ, उसके नाम को धन्य कहो; दिन दिन उसके किए हुए उद्धार का शुभसमाचार सुनाते रहो। अन्य जातियों में उसकी महिमा का, और देश देश के लोगों में उसके आश्चर्यकर्मों का वर्णन करो।

भजन संहिता 96:1–3

परमेश्वर हम पर अनुग्रह करे और हम को आशीष दे; वह हम पर अपने मुख का प्रकाश चमकाए। जिस से तेरी गति पृथ्वी पर, और तेरा किया हुआ उद्धार सारी जातियों में जाना जाए।

भजन संहिता 67:1–2

इसलिये तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ, और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्रत्मा के नाम से बपतिस्मा दो। और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओः और देखो, मैं जगत के अन्त तक सदैव तुम्हारे संग हूँ।

मत्ती 28:19–20

परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा, तब तुम सामर्थ पाओगे; और यरूशलेम और सारे यहूदिया और सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होगे।

प्रेरितों के काम 1:8

परन्तु परमेश्वर की, जिस ने मेरी माता के गर्भ ही से मुझे ठहराया और अपने अनुग्रह से बुला लिया, जब इच्छा हुई, कि मुझ में अपने पुत्र को प्रगट करे कि मैं अन्यजातियों में उसका सुसमाचार सुनाऊँ; तो न मैं ने माँस और लहू से सलाह ली।

गलातियों 1:15–16

मैं यूनानियों और अन्यभाषियों का और बुद्धिमानों और निर्बुद्धियों का कर्जदार हूँ। अतः मैं तुम्हें भी जो रोम में रहते हो, सुसमाचार सुनाने को भरसक तैयार हूँ।

रोमियों 1:14–15

- क्या मेरे लिए जाने से बेहतर देना नहीं होगा।
  - ——————— की गैर बाइबल समझ को प्रदर्शित करता है।

- एक विस्फोटक विकल्पः
- संसार को प्रभावित करने वाले ——————— ।
- निरन्तर गुणन होने वाली ——————— ।

कलीसिया की गतिविधियों पर एक मामले का अध्ययनः अन्ताकिया में कलीसिया

अतः जो लोग उस क्लेश के मारे जो स्तिफनुस के कारण पड़ा था, तित्तर बित्तर हो गए थे, वे फिरते फिरते फीनीके और कुप्रुस और अन्ताकिया में पहुँचे; परन्तु यहूदियों को छोड़ किसी और को वचन न सुनाते थे। परन्तु उन में से कितने कुप्रुसी और कुरेनी थे, जो अन्ताकिया में आकर यूनानियों को भी प्रभु यीशु के सुसमचार की बातें सुनाने लगे। और प्रभु का हाथ उन पर था, और बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे। तब उन की चर्चा यरूशलेम की कलीसिया के सुनने में आई, और उन्हों ने बरनबास को अन्ताकिया भेजा। वह वहाँ पहुँचकर, और परमेश्वर के अनुग्रह को देखकर आनन्दित हुआ; और सब को उपदेश दिया कि तन मन लगाकर प्रभु से लिपटे रहो। क्योंकि वह एक भला मनुष्य था; और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण थाः और और बहुत से लोग प्रभु में आ मिले। तब वह शाऊल को ढूंढने के लिये तरसुस को चला गया। और जब उन से मिला तो उसे अन्ताकिया में लाया, और ऐसा हुआ कि वे एक वर्ष तक

कलीसिया के साथ मिलते और बहुत लोगों को उपदेश देते रहे, और चेले सब से पहले अन्ताकिया ही में मसीही कहलाए।

प्रेरितों के काम 11:19–26

- वे एक लक्ष्य के————————— पैदा हुए थे।

उसी दिन यरूशलेम की कलीसिया पर बड़ा उपद्रव होने लगा, और प्रेरितों को छोड़ सब के सब यहूदिया और सामरिया देशों में तित्तर बित्तर हो गए। और भक्तों ने स्तिफनुस को कब्र में रखा; और उसके लिये बड़ा विलाप किया। शाऊल कलीसिया को उजाड़ रहा था; और घर घर घुसकर पुरूषों और स्त्रियों को घसीट घसीटकर बन्दीगृह में डालता था। जो तित्तर बित्तर हुए थे, वे सुसमाचार सुनाते हुए फिरे।

प्रेरितों के काम 8:1–4

- वे मौलिक रूप में मसीह के व्यक्तित्व की समानता में थे।
- उन्होने बड़े त्याग के साथ संसार भर की स्थानीय कलीसियाओं की देखभाल की।

उन दिनों में कई भविष्यवक्ता यरूशलेम से अन्ताकिया में आये। उनमें से अगबुस नामक एक ने खड़े होकर आत्मा की प्रेरणा से यह बताया कि सारे जगत में बड़ा अकाल पड़ेगा–वह अकाल क्लौदियुस के समय में पड़ा। तब चेलों ने निर्णय किया कि सब अपनी अपनी पूंजी के अनुसार यहूदिया में रहने वालो भाईयों की सहायता के लिए कुछ भेजे। उन्होने ऐसा ही किया और बरनाबास शाऊल के हाथ प्राचीनों के लिए कुछ भेज दिया।

प्रेरितों के काम 11:27–30

- वे अपनी अगुवाई में बिल्कुल ————————— थे।

अन्ताकिया की कलीसिया में कितने भविष्यद्वक्ता और उपदेशक थे; अर्थात् बरनबास और शमौन जो नीगर कहलाता है; और लूकियुस कुरेनी, और देश की चौथाई के राजा हेरोदेस का दूधभाई मनाहेम और शाऊल। जब वे उपवास सहित प्रभु की उपासना कर रहे थे, तो पवित्र आत्मा ने कहा; मेरे निमित्त बरनबास और शाऊल को उस काम के लिये अलग करो, जिस के लिये मैं ने उन्हें बुलाया है। तब उन्हों ने उपवास और प्रार्थना करके और उन पर हाथ रखकर उन्हें विदा किया।

प्रेरितों के काम 13:1–3

- उन्होने सामुहिक————————— के द्वारा परमेश्वर को आशीषित किया।
- वे मार्गदर्शन और सामर्थ्य के लिए पूर्णरूप से पवित्र आत्मा पर निर्भर थें

और वे फ्रूगिया और गलतिया देशों में से होकर गए, और पवित्र आत्मा ने उन्हें एशिया में वचन सुनाने से मना किया। और उन्हों ने मूसिया के निकट पहुँचकर, बितूनिया में जाना चाहा; परन्तु यीशु के आत्मा ने उन्हें जाने न दिया। अतः मूसिया से होकर वे त्रेआस में आए, और पौलुस ने रात को एक दर्शन देखा कि

एक मकिदुनी पुरूष खड़ा हुआ, उस से विनती करके कहता है, कि पार उतरकर मकिदुनिया में आ; और हमारी सहायता कर। उसके यह दर्शन देखते ही हम ने तुरन्त मकिदुनिया जाना चाहा, यह समझकर, कि परमेश्वर ने हमें उन्हें सुसमाचार सुनाने के लिये बुलाया है।

प्रेरितों के काम 16:6–10

और प्रभु ने रात को दर्शन के द्वारा पौलुस से कहा, मत डर, वरन् कहे जा, और चुप मत रह। क्योंकि मैं तेरे साथ हूँ: और कोई तुझ पर चढ़ाई करके तेरी हानि न करेगा; क्योंकि इस नगर में मेरे बहुत से लोग हैं। अतः वह उन में परमेश्वर का वचन सिखाते हुए डेढ़ वर्ष तक रहा।

प्रेरितों के काम 18:9–11

और अब देखो, मैं आत्मा में बन्धा हुआ यरूशलेम को जाता हूँ, और नहीं जानता, कि वहाँ मुझ पर क्या क्या बीतेगा? केवल यह कि पवित्र आत्मा हर नगर में गवाही दे देकर मुझ से कहता है, कि बन्धन और क्लेश तेरे लिये तैयार है। परन्तु मैं अपने प्राण को कुछ नहीं समझताः कि उसे प्रिय जानूँ, वरन् यह कि मैं अपनी दौड़ को, और उस सेवकाई को पूरी करूँ, जो मैं ने परमेश्वर के अनुग्रह के सुसमाचार पर गवाही देने के लिये प्रभु यीशु से पाई है।

प्रेरितों के काम 20:22–24

- उन्होने लोगों को बाहर ————————— के लिए वातावरण को तैयार किया।
- उन्होने ————————— के द्वारा परमेश्वर के राज्य को बढ़ाया।
- ————————— अपनी सेवकाई के कारण अन्ताकिया में वे लोग मसीह में बढ़े ।

और वहाँ से जहाज से अन्ताकिया में आए, जहाँ से वे उस काम के लिये जो उन्हों ने पूरा किया था, परमेश्वर के अनुग्रह पर सौंपे गए थे। वहाँ पहुँचकर, उन्हों ने कलीसिया इकट्ठी की और बताया, कि परमेश्वर ने हमारे साथ होकर कैसे बड़े बड़े काम किए! और अन्यजातियों के लिये विश्वास का द्वार खोल दिया, और वे चेलों के साथ बहुत दिन तक रहे।

प्रेरितों के काम 14:26–28

फिर वे विदा होकर अन्ताकिया में पहुँचे, और सभा को इकट्ठी करके वह उन्हें पत्री दे दी।
और वे पढ़कर उस उपदेश की बात से अति आनन्दित हुए, और यहूदा और सीलास ने जो आप भी भविष्यद्वक्ता थे, बहुत बातों से भाइयों को उपदेश देकर स्थिर किया। वे कुछ दिन रहकर भाइयों से शान्ति के साथ विदा हुए, कि अपने भेजनेवालों के पास जाएँ। (परन्तु सीलास को वहाँ रहना अच्छा लगा) और पौलुस और बरनबास अन्ताकिया में रह गए : और बहुत और लोगों के साथ प्रभु के वचन का उपदेश करते और सुसमाचार सुनाते रहे।

प्रेरितों के काम 15:30–35

तब इफिसुस से जहाज खोलकर चल दिया, और कैसरिया में उतर कर (यरूशलेम को) गया और कलीसिया को नमस्कार करके अन्ताकिया में आया, फिर कुछ दिन रहकर वहाँ से चला गया, और एक ओर से गलतिया और फ्रूगिया में सब चेलों को स्थिर करता फिरा।

प्रेरितों के काम 18:22–23

कलीसिया की अगुवाई किस प्रकार होती है?

कलीसिया की व्यवस्था

कलीसिया की व्यवस्था

- कलीसिया एक अवयव है.....
  - और एक ————————— भी है।
- कलीसिया एक अनुसंधान है.....
  - अनेको ————————— को मिलाकर बना हुआ।
- मसीह कलीसिया को प्रभु है।

यीशु कैसरिया फिलिप्पी के देश में आकर अपने चेलों से पूछने लगा, कि लोग मनुष्य के पुत्र को क्या कहते हैं? उन्हों ने कहा, कितने तो यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला कहते हैं और कितने एलिय्याह, और कितने यिर्मयाह या भविष्यद्वक्ताओं में से कोई एक कहते हैं। उस ने उन से कहा; परन्तु तुम मुझे क्या कहते हो? शमौन पतरस ने उत्तर दिया, कि तू जीवते परमेश्वर का पुत्र मसीह है। यीशु ने उस को उत्तर दिया, कि हे शमौन योना के पुत्र, तू धन्य है; क्योंकि माँस और लहू ने नहीं, परन्तु मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है, यह बात तुझ पर प्रगट की है। और मैं भी तुझ से कहता हूँ, कि तू पतरस है; और मैं इस पत्थर पर अपनी कलीसिया बनाऊँगाः और अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे। मैं तुझे स्वर्ग के राज्य की कुंजियाँ दूँगाः और जो कुछ तू पृथ्वी पर बान्धेगा, वह स्वर्ग में बन्धेगा; और जो कुछ तू पृथ्वी पर खोलेगा, वह स्वर्ग में खुलेगा। तब उस ने चेलों को चिताया, कि किसी से न कहना कि मैं मसीह हूँ।

मत्ती 16:13–20

ताकि हम आगे को बालक न रहें, जो मनुष्यों की ठग–विद्या और चतुराई से उन के भ्रम की युक्तियों की, और उपदेश की, हर एक बयार से उछाले, और इधर–उधर घुमाए जाते हों। वरन् प्रेम में सच्चाई से चलते हुए, सब बातों में उस में जो सिर है, अर्थात् मसीह में बढ़ते जाएँ। जिस से सारी देह हर एक जोड़ की सहायता से एक साथ मिलकर, और एक साथ गठकर उस प्रभाव के अनुसार, जो हर एक भाग के परिमाण से उस में होता है, अपने आप को बढ़ाती है, कि वह प्रेम में उन्नति करती जाएँ।

इफिसियों 4:14–16

और उस शिरोमणि को पकड़े नहीं रहता जिस से सारी देह जोड़ों और पट्ठों के द्वारा पालन–पोषण पाकर और एक साथ गठकर, परमेश्वर की ओर से बढ़ती जाती है।

कुलुस्सियों 2:19

- फिर भी वह कलीसिया को ————————— प्रदान करता है।
  - ⊡ पुरनिये,जो कलीसिया में दास अगुवे हैं।
  - ⊡ डीकन, जो कलीसिया के अन्दर मुख्य दास हैं।

पुरनियेः कलीसिया में दास अगुवे

- कलीसिया पुरनियों को चुनता और उनका ————————— करती है जो पूर्ण हृदय के साथ मसीह के लक्ष्य को पूरा करने के लिए समर्पित होते हैं ।

इसलिये अपनी और पूरे झुण्ड की चौकसी करो; जिस से पवित्र आत्मा ने तुम्हें अध्यक्ष ठहराया है; कि तुम परमेश्वर की कलीसिया की रखवाली करो, जिसे उस ने अपने लहू से मोल लिया है। मैं जानता हूँ, कि मेरे जाने के बाद फाड़नेवाले भेड़िए तुम में आएँगे, जो झुण्ड को न छोड़ेंगे। तुम्हारे ही बीच में से भी ऐसे–ऐसे मनुष्य उठेंगे, जो चेलों को अपने पीछे खींच लेने को टेढ़ी–मेढ़ी बातें कहेंगे। इसलिये जागते रहो; और स्मरण करो; कि मैं ने तीन वर्ष तक रात दिन आँसू बहा बहाकर, हर एक को चितौनी देना न छोड़ा।

प्रेरितों के काम 20:28–31

यह बात सत्य है, कि जो अध्यक्ष होना चाहता है, तो वह भले काम की इच्छा करता है। अतः चाहिए, कि अध्यक्ष निर्दोष, और एक ही पत्नी का पति, संयमी, सुशील, सभ्य, पहुनाई करनेवाला, और सिखाने में निपुण हो। पियक्कड़ या मारपीट करनेवाला न हो; वरन् कोमल हो, और न झगड़ालू, और न लोभी हो। अपने घर का अच्छा प्रबन्ध करता हो, और लड़के–बालों को सारी गम्भीरता से आधीन रखता हो। (जब कोई अपने घर ही का प्रबन्ध करना न जानता हो, तो परमेश्वर की कलीसिया की रखवाली क्योंकर करेगा)। फिर यह कि नया चेला न हो, ऐसा न हो, कि अभिमान करके शैतान का सा दण्ड पाएँ और बाहरवालों में भी उसका सुनाम हो ऐसा न हो कि निन्दित होकर शैतान के फन्दे में फँस जाए।

1 तीमुथियुस 3:1–7

मैं इसलिये तुझे क्रेते में छोड़ आया था, कि तू शेष रही हुई बातों को सुधारे, और मेरी आज्ञा के अनुसार नगर नगर प्राचीनों को नियुक्त करे। जो निर्दोष और एक ही पत्नी के पति हों, जिन के लड़केवाले विश्वासी हो, और जिन्हें लुचपन और निरंकुशता का दोष नहीं। क्योंकि अध्यक्ष को परमेश्वर का भण्डारी होने के कारण निर्दोष होना चाहिए; न हठी, न क्रोधी, न पियक्कड़, न मारपीट करनेवाला, और न नीच कमाई का लोभी। पर पहुनाई करनेवाला, भलाई का चाहनेवाला, संयमी, न्यायी, पवित्र और जितेन्द्रिय हो। और विश्वासयोग्य वचन पर जो धर्मोपदेश के अनुसार है, स्थिर रहे; कि खरी शिक्षा से उपदेश दे सके; और विवादियों का मुँह भी बन्द कर सके।

तीतुस 1:5–9

तुम में जो प्राचीन हैं, मैं उन की नाईं प्राचीन और मसीह के दुःखों का गवाह और प्रगट होनेवाली महिमा में सहभागी होकर उन्हें यह समझाता हूँ कि परमेश्वर के उस झुण्ड की, जो तुम्हारे बीच में हैं, रखवाली करो; और यह दबाव से नहीं, परन्तु परमेश्वर की इच्छा के अनुसार आनन्द से, और नीच–कमाई के लिये नहीं, पर मन लगा कर। और जो लोग तुम्हें सौंपे गए हैं, उन पर अधिकार न जताओ, वरन् झुण्ड के लिये आदर्श बनो। और जब प्रधान रखवाला

प्रगट होगा, तो तुम्हें महिमा का मुकुट दिया जाएगा, जो मुरझाने का नहीं।

1 पतरस 5:1–4

- o पुरनिये पासबान और सर्वेक्षक ये सारे पद और उपाधियां आपस में अदल बदल करने योग्य हैं।
- o नये नियम का नमूना कलीसिया के अन्दर पुरनियों को ———————— है।

- ⬥ पुरनियों की चार जिम्मेदारियां।
  - o पुरनिये मसीह के अधिकारों की अधीनता में होकर ———————— करते हैं।
    - ⊡ पुरनिये कलीसिया में समर्पित होते हैं।

यदि तेरा भाई तेरा अपराध करे, तो जा और अकेले में बातचीत करके उसे समझा; यदि वह तेरी सुने तो तू ने अपने भाई को पा लिया। और यदि वह न सुने, तो और एक दो जन को अपने साथ ले जा, कि हर एक बात दो या तीन गवाहों के मुँह से ठहराई जाए, यदि वह उन की भी न माने, तो कलीसिया से कह दे, परन्तु यदि वह कलीसिया की भी न माने, तो तू उसे अन्यजाति और महसूल लेनेवाले के ऐसा जान।

मत्ती 18:15–17

- ⬥ वे परमेश्वर की ———————— के द्वारा खड़े किये गये हैं।

⊡ कलीसिया मसीह के लिए समर्पित है।

- ⬥ पुरनिये परमश्वेर के ———————— के प्रति उत्तरदायी हैं।

इसलिये अपनी और पूरे झुण्ड की चौकसी करो; जिस से पवित्र आत्मा ने तुम्हें अध्यक्ष ठहराया है; कि तुम परमेश्वर की कलीसिया की रखवाली करो, जिसे उस ने अपने लहू से मोल लिया है।

प्रेरितों के काम 20:28

- o पुरनियें मसीह की देह की ———————— करते हैं।
  - ⊡ पुरनिये भेड़ों की सुरक्षा करते हैं।
  - ⊡ पुरनिये भेड़ों का ———————— करते हैं।
- o पुरनिये मसीह के वचन की ———————— देते हैं।
  - ⊡ पुरनिये वचन को व्यापकता से जानते हैं।
  - ⊡ पुरनिये प्रभावशाली ढंग से वचन को ————————` हैं।

जो प्राचीन अच्छा प्रबन्ध करते हैं, विशेष करके वे जो वचन सुनाने और सिखाने में परिश्रम करते हैं, दो गुने आदर के योग्य समझे जाएँ।

1 तीमुथियुस 5:17

- पुरनिये मसीह के चरित्र का नमूना पेश करते हैं।
  - प्राथमिक प्रश्नः क्या होगा यदि कलीसिया अगुवे की नकल करने लगे?
  - इस व्यक्तिगत जीवन में.....
    - क्या वह आत्म नियन्त्रित है?
    - क्या वह बुद्धिमान है?
    - क्या वह शान्तिदायक है?
    - क्या वह सज्जन है?
    - क्या वह बलिदान के साथ में देने वाला है?
    - क्या वह नम्र है?
    - क्या वह धीरजवन्त है?
    - क्या वह ईमानदार है?
  - क्या वह अनुशासित है?
- अपने परिवार में...
  - क्या वह अपने ———————— में पुरनिया है?
  - यदि वह अकेला हैं,क्या वह संयमी है?
  - यदि वह विवाहित है तो क्या वह ———————— से अपनी पत्नी के प्रति समर्पित है?
  - यदि उसके पास में बच्चे हैं तो क्या वे उसका आदर करते हैं?
- उसकी सामाजिक/व्यापारिक जीवन में
  - क्या वह दयालु है?
  - क्या वह ———————— करने वाला है?
  - क्या वह अनजानो और परदेशियों को ———————— है?
  - क्या वह पक्षपात करता है?
  - क्या उसकी प्रतिष्ठा ———————— है।
- उसके आत्किम जीवन में...
  - क्या वह सारी जातियों के लोगों को चेला बना रहा है?
  - क्या वह परमेश्वर के वचनों को प्रेम करने वाला है?
  - क्या वह पवित्र है?
  - क्या वह ———————— है?

डीकनः कलीसिया के अन्दर मुख्य दास

- कलीसिया डीकनों की अगुवाई करने वाले दासों के रूप में पुष्टि और उनका आदर करती है जो अपने वरदानों का इस्तेमाल मसीह की देह की उन्नति के लिए करते हैं।

उन दिनों में जब चेले बहुत होने जाते थे, तो यूनानी भाषा बोलनेवाले इब्रानियों पर कुड़कुड़ाने लगे, कि प्रतिदिन की सेवकाई में हमारी विधवाओं की सुधि नहीं ली जाती। तब उन बारहों ने चेलों की मण्डली को अपने पास बुलाकर कहा, यह ठीक नहीं कि हम परमेश्वर का वचन छोड़कर खिलाने–पिलाने की सेवा में रहें। इसलिये हे भाइयों, अपने में से सात सुनाम पुरूषों को जो पवित्र आत्मा और बुद्धि से परिपूर्ण हो, चुन लो, कि हम उन्हें इस काम पर ठहरा दें। परन्तु हम तो प्रार्थना में और वचन की सेवा में लगे रहेंगे। यह बात सारी मण्डली को अच्छी लगी, और उन्हों ने स्तिुफनुस नाम एक पुरूष को जो विश्वास और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण था, और फिलिप्पुस और प्रखुरूस और नीकानोर और तीमोन और परमिनास और अन्ताकीवाला नीकुलाउस को जो यहूदी मत में आ गया था, चुन लिया। और इन्हें प्रेरितों के साम्हने खड़ा किया और उन्हों ने प्रार्थना करके उन पर हाथ रखे। और परमेश्वर का वचन फैलता गया और यरूशलेम में चेलों की गिनती बहुत बढ़ती गई; और याजकों का एक बड़ा समाज इस मत के अधीन हो गया।

प्रेरितों के काम 6:1–7

वैसे ही सेवकों को भी गम्भीर होना चाहिए, दो रंगी, पियक्कड़, और नीच कमाई के लोभी न हों। पर विश्वास के भेद को शुद्ध विवेक से सुरक्षित रखें। और ये भी पहले परखे जाएँ, तब यदि निर्दोष निकलें, तो सेवक का काम करें। इसी प्रकार से स्त्रियों को भी गम्भीर होना चाहिए; दोष लगानेवाली न हों, पर सचेत और सब बातों में विश्वासयोग्य हों। सेवक एक ही पत्नी के पति हों और लड़केबालों और अपने घरों का अच्छा प्रबन्ध करना जानते हों। क्योंकि जो सेवक का काम अच्छी तरह से कर सकते हैं, वे अपने लिये अच्छा पद और उस विश्वास में, जो मसीह यीशु पर है, बड़ा हियाव प्राप्त करते हैं।

1 तीमुथियुस 3:8–13

- डीकनों की तीन जिम्मेदारियां ....
- o डीकन वचन के अनुसार ––––––––– करते हैं।
  - ⊡ विशेष परिस्थितियों के बीच में से खड़े होते हैं।
  - ⊡ विशेष ––––––––– के लिए उत्तरदायी हैं।
- o डीकन वचन की सेवकायी में ––––––––– करते हैं।
  - ⊡ डीकन अगुवो की सेवा करते हैं ताकि वे अगुवाई कर सकें।
  - ⊡ डीकन दूसरों की अगुवाई करते हैं ताकि वे सेवा कर सकें।
- o डीकन संसार भर में मसीह की देह को जोड़ने का कार्य करते हैं।
  - ⊡ विशेषयोग्ताएं...
    - एक ––––––––– धारित व्यक्ति।
      - o एक ––––––––– चरित्र हैं।

ये बातें सुनकर वे जल गए और उस पर दाँत पीसने लगे। परन्तु उस ने पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होकर स्वर्ग की ओर देखा और परमेश्वर की महिमा को और यीशु को परमेश्वर की दाहिनी ओर खड़ा देखकर कहा; देखो, मैं स्वर्ग को खुला हुआ, और मनुष्य के पुत्र को परमेश्वर के दाहिनी ओर खड़ा हुआ देखता हूँ। तब उन्हों ने बड़े शब्द से चिल्लाकर कान बन्द कर लिए, और एक चित्त होकर उस पर झपटे। और उसे नगर के बाहर निकालकर पत्थरवाह करने लगे, और गवाहों ने अपने कपड़े उतार रखे।

प्रेरितों के काम 7:54–60

⊡ प्रश्न....

- क्या यह व्यक्ति आदर करने के योग्य है?
- क्या यह व्यक्ति ————————— है?
- क्या यह व्यक्ति संयमी है?
- क्या यह व्यक्ति त्याग भावना के साथ देने वाला है?
- क्या यह व्यक्ति————————— के लिए समर्पित है?
- क्या यह व्यक्ति ————————— है?
- क्या यह व्यक्ति निष्कलंक है?
- क्या यह व्यक्ति क्या अपने ————————— में मसीह का आदर करने वाला है?
- ————————— के सन्दर्भ में क्या?

o अनुवाद पर ध्यान दें।
o स्थिति परिवर्तन पर ध्यान दें।
o पुरनियों की पत्नियों पर ध्यान दें।
o फिबे के कारक पर ध्यान दें।
o

मैं तुम से फीबे की, जो ह मारी बहिन और किंख्रिया की कलीसिया की सेविका है, विनती करता हूँ।

रोमियों 16:1

यह सब कैसे कार्य करता है।

- कलीसिया का प्रत्येक सदस्य सुसमाचार का ————————— है।

और उस ने कितनों को भविष्यद्वक्ता नियुक्त करके, और कितनों को सुसमाचार सुनानेवाले नियुक्त करके, और कितनों को रखवाले और उपदेशक नियुक्त करके दे दिया। जिस से पवित्र लोग सिद्ध हो जाएँ, और सेवा का काम किया जाए, और मसीह की देह उन्नति पाए। जब तक कि हम सब के सब विश्वास, और परमेश्वर के पुत्र की पहचान में एक न हो जाएँ, और एक सिद्ध मनुष्य न बन जाएँ और मसीह के पूरे

डील डौल तक न बढ़ जाएँ। ताकि हम आगे को बालक न रहें, जो मनुष्यों की ठग–विद्या और चतुराई से उन के भ्रम की युक्तियों की, और उपदेश की, हर एक बयार से उछाले, और इधर–उधर घुमाए जाते हों। वरन् प्रेम में सच्चाई से चलते हुए, सब बातों में उस में जो सिर है, अर्थात् मसीह में बढ़ते जाएँ। जिस से सारी देह हर एक जोड़ की सहायता से एक साथ मिलकर, और एक साथ गठकर उस प्रभाव के अनुसार जो हर एक भाग के परिमाण से उस में होता है, अपने आप को बढ़ाती है, कि वह प्रेम में उन्नति करती जाए।

इफिसियों 4:11–16

- अगुवे सदस्यों की ————————— करते हैं।

जो तुम्हारे अगुवे थे, और जिन्हों ने तुम्हें परमेश्वर का वचन सुनाया है, उन्हें स्मरण रखो; और ध्यान से उन के चाल–चलन का अन्त देखकर उन के विश्वास का अनुकरण करो। यीशु मसीह कल और आज और युगानुयुग एकसा है।

इब्रानियों 13:7–8

अपने अगुवों की मानो; और उनके अधीन रहो, क्योंकि वे उन की नाईं तुम्हारे प्राणों के लिये जागते रहते, जिन्हें लेखा देना पड़ेगा, कि वे यह काम आनन्द से करें, न कि ठण्डी साँस ले लेकर, क्योंकि इस दशा में तुम्हें कुछ लाभ नहीं।

इब्रानियों 13:17

अपने सब अगुवों और सब पवित्र लोगों को नमस्कार कहो। इतालियावाले तुम्हें नमस्कार कहते हैं।

इब्रानियों 13:24

और स्वामी भी न कहलाना, क्योंकि तुम्हारा एक ही स्वामी है, अर्थात् मसीह। जो तुम में बड़ा हो, वह तुम्हारा सेवक बने। जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह छोटा किया जाएगाः और जो कोई अपने आप को छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।

मत्ती 23:10–12

तब उस ने बैठकर बारहों को बुलाया, और उन से कहा, यदि कोई बड़ा होना चाहे, तो सब से छोटा और सब का सेवक बने।

मरकुस 9:35

क्योंकि मनुष्य का पुत्र इसलिये नहीं आया, कि उस की सेवा टहल की जाए, पर इसलिये आया, कि आप सेवा टहल करे, और बहुतों की छुड़ौती के लिये अपना प्राण दे।

मरकुस 10:45

- उनका अधिकार शर्तो पर आधारित है।

- उन्हे सटिकता के साथ में परमेश्वर के वचनों ———————— चाहिए।

जो प्राचीन अच्छा प्रबन्ध करते हैं, विशेष करके वे जो वचन सुनाने और सिखाने में परिश्रम करते हैं, दो गुने आदर के योग्य समझे जाएँ।

1 तीमुथियुस 5:17

- उन्होने वचन को विश्वासयोग्यता के साथ में ———————— चाहिए।

तुम मेरी सी चाल चलो, जैसा मैं मसीह की सी चाल चलता हूँ।

1 कुरिन्थियों 11:1

- उनकी जिम्मेदारी गम्भीर है।
- वे ———————— सेवा करते हैं।
- वे जिम्मेदारी के साथ में सेवा करते हैं ।
- वे ———————— में सेवा करते हैं।

- सदस्य अगुवों के ———————— में रहते हैं।
- जो वचन अगुवे सिखाते हैं सदस्य उसको मानते हैं।
- सदस्य मसीह के ———————— के नीचे हैं।
- अगुवे अन्त में मसीह के प्रति उत्तरदायी होते हैं ।

- झगड़ों के मामले में।

उन दिनों में जब चेले बहुत होने जाते थे, तो यूनानी भाषा बोलनेवाले इब्रानियों पर कुड़कुड़ाने लगे, कि प्रतिदिन की सेवकाई में हमारी विधवाओं की सुधि नहीं ली जाती। तब उन बारहों ने चेलों की मण्डली को अपने पास बुलाकर कहा, यह ठीक नहीं कि हम परमेश्वर का वचन छोड़कर खिलाने–पिलाने की सेवा में रहें। इसलिये हे भाइयों, अपने में से सात सुनाम पुरूषों को जो पवित्र आत्मा और बुद्धि से परिपूर्ण हो, चुन लो, कि हम उन्हें इस काम पर ठहरा दें। परन्तु हम तो प्रार्थना में और वचन की सेवा में लगे रहेंगे। यह बात सारी मण्डली को अच्छी लगी, और उन्हों ने स्तिफनुस नाम एक पुरूष को जो विश्वास और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण था, और फिलिप्पुस और प्रखुरूस और नीकानोर और तीमोन और परमिनास और अन्ताकीवाला नीकुलाउस को जो यहूदी मत में आ गया था, चुन लिया।

प्रेरितों के काम 6:1–5

- ———————— के मामले में।

परन्तु यदि हम या स्वर्ग से कोई दूत भी उस सुसमाचार को छोड़ जो हम ने तुम को सुनाया है, कोई और सुसमाचार तुम्हें सुनाए, तो स्रापित हो। जैसा हम पहले कह चुके हैं, वैसा ही मैं अब फिर कहता हूँ, कि उस सुसमाचार को छोड़ जिसे तुम ने ग्रहण किया है, यदि कोई और सुसमाचार सुनाता है, तो स्रापित हो। अब मैं क्या मनुष्यों को मनाता हूँ या परमेश्वर को? क्या मैं मनुष्यों को प्रसन्न करना चाहता हूँ?

गलातियों 1:8–9

- अनुशासन के मामले में।

यदि तेरा भाई तेरा अपराध करे, तो जा और अकेले में बातचीत करके उसे समझा; यदि वह तेरी सुने तो तू ने अपने भाई को पा लिया। और यदि वह न सुने, तो और एक दो जन को अपने साथ ले जा, कि हर एक बात दो या तीन गवाहों के मुँह से ठहराई जाए, यदि वह उन की भी न माने, तो कलीसिया से कह दे, परन्तु यदि वह कलीसिया की भी न माने, तो तू उसे अन्यजाति और महसूल लेनेवाले के ऐसा जान। मैं तुम से सच कहता हूँ, जो कुछ तुम पृथ्वी पर बान्धोगे, वह स्वर्ग पर बन्धेगा और जो कुछ तुम पृथ्वी पर खोलोगे, वह स्वर्ग पर खुलेगा। फिर मैं तुम से कहता हूँ, यदि तुम में से दो जन पृथ्वी पर किसी बात के लिये जिसे वे माँगें, एक मन के हों, तो वह मेरे पिता की ओर से स्वर्ग में है उन के लिये हो जाएगी। क्योंकि जहाँ दो या तीन मेरे नाम पर इकट्ठे होते हैं, वहाँ मैं उन के बीच में होता हूँ।

मत्ती 18:15–20

- सदस्य उस ————— की नकल करते हैं जो अगुवे के पास होता है।
- जिन अनुभवों का ————— अगुवे उठाते हैं सदस्य उसे बढ़ा देते हैं।

इसलिये हे मेरे प्रिय भाइयों, जिन में मेरा जी लगा रहता है, जो मेरे आनन्द और मुकुट हो, हे प्रिय भाइयों, प्रभु में इसी प्रकार स्थिर रहो।

फिलिप्पियों 4:1

भला हमारी आशा, या आनन्द या बड़ाई का मुकुट क्या है? क्या हमारे प्रभु यीशु के सम्मुख उसके आने के समय तुम ही न होगे? हमारी बड़ाई और आनन्द तुम ही हो।

1 थिस्सलुनीकियों 2:19–20

पर अभी तीमुथियुस ने जो तुम्हारे पास से हमारे यहाँ आकर तुम्हारे विश्वास और प्रेम का सुसमाचार सुनाया और इस बात को भी सुनाया, कि तुम सदा प्रेम के साथ हमें स्मरण करते हो, और हमारे देखने की लालसा रखते हो, जैसा हम भी तुम्हें देखने की। इसलिये हे भाइयों, हम ने अपनी सारी सकेती और

क्लेश में तुम्हारे विश्वास से तुम्हारे विषय में शान्ति पाई। क्योंकि अब यदि तुम प्रभु में स्थिर रहो तो हम जीवित हैं।

1 थिस्सलुनीकियों 3:6–8

- जब अगुवे सदस्यो की सेवा करते हैं और अगुवों के प्रति समर्पित होते हैं.....
  - कलीसिया में उन्नति होती है।
  - मसीह को ———————— मिलती है।

कलीसिया कहां जा रही है?

कलीसिया का भविष्य

परमेश्वर के वे लोगे जो अनुग्रह के द्वारा मसीह में विश्वास से संसार में उसकी सेवा करने के द्वारा उसकी महिमा करते हैं.....

- आईये हम परमेश्वर की विश्वासयोग्यता पर———————— हो जाएं।

  - परमेश्वर हमेशा से ही अपने लोगों के लिए अनुग्रहकारी बना रहा है।

और यहोवा उसके साम्हने होकर यों प्रचार करता हुआ चला, कि यहोवा, यहोवा, ईश्वर दयालु और अनुग्रहकारी, कोप करने में धीरजवन्त, और अति करूणामय और सत्य, हजारों पीढ़ियों तक निरन्तर करूणा करनेवाला, अधर्म और अपराध और पाप का क्षमा करनेवाला है, परन्तु दोषी को वह किसी प्रकार निर्दोष न ठहराएगा, वह पितरों के अधर्म का दण्ड उनके बेटों वरन् पोतों और परपोतों को भी देनेवाला है।

निर्गमन 34:6–7

हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो, कि उस ने हमें मसीह में स्वर्गीय स्थानों में सब प्रकार की आशीष दी है। जैसा उस ने हमें जगत की उत्पति से पहले उस में चुन लिया, कि हम उसके निकट प्रेम में पवित्र और निर्दोष हों। और अपनी इच्छा की सुमति के अनुसार हमें अपने लिये पहले से ठहराया, कि यीशु मसीह के द्वारा हम उसके लेपालक पुत्र हों, कि उसके उस अनुग्रह की महिमा की स्तुति हो, जिसे उस ने हमें उस प्यारे में सेंत मेंत दिया।

इफिसियों 1:3–6

- परमेश्वर हमेशा अपने लोगों के लिए ———————— रहा है।

यहोवा मेरा बल और मेरी ढाल है; उस पर भरोसा रखने से मेरे मन को सहायता मिली है;इसलिए मेरा हृदय प्रफुल्लित है;और मैं गीत गाकर उसका धन्यवाद करूंगा। यहोवा अपनी प्रजा का बल हैं वह अपने अभिषिक्त के लिए उद्धार का दृढ़ गढ़ है। हे यहोवा अपनी प्रजा का उद्धार कर और अपने निज भाग के लोगों को आशीष दे ; और उनकी चरवाही कर और उन्हे सदैव सम्भाले रह।

भजन संहिता 28:7–9

और इसलिये कि मैं प्रकाशनों की बहुतायत से फूल न जाऊँ, मेरे शरीर में एक काँटा चुभाया गया, अर्थात् शैतान का एक दूत, कि मुझे घूँसे मारे, ताकि मैं फूल न जाऊँ। इस के विषय में मैं ने प्रभु से तीन बार विनती की, कि मुझ से यह दूर हो जाएँ और उस ने मुझ से कहा, मेरा अनुग्रह तेरे लिये बहुत है; क्योंकि मेरी सामर्थ निर्बलता में सिद्ध होती है; इसलिये मैं बड़े आनन्द से अपनी निर्बलताओं पर घमण्ड करूँगा, कि मसीह की सामर्थ मुझ पर छाया करती रहे। इस कारण मैं मसीह के लिये निर्बलताओं, और निन्दाओं में, और दरिद्रता में, और उपद्रवों में, और संकटों में, प्रसन्न हूँ; क्योंकि जब मैं निर्बल होता हूँ, तभी बलवन्त होता हूँ।

2 कुरिन्थियों 12:7–10

- उसका उददेश्य विजयी होगा।

प्राचीनकाल की बातें स्मरण करो जो आरम्भ ही से है; क्योंकि ईश्वर मैं ही हूँ, दूसरा कोई नहीं; मैं ही परमेश्वर हूँ और मेरे तुल्य कोई भी नहीं है। मैं तो अन्त की बात आदि से और प्राचीनकाल से उस बात को बताता आया हूँ, जो अब तक नहीं हुई। मैं कहता हूँ, मेरी युक्ति स्थिर रहेगी और मैं अपनी इच्छा को पूरी करूँगा। मैं पूर्व से एक उकाब पक्षी को अर्थात् दूर देश से अपनी युक्ति के पूरा करनेवाले पुरूष को बुलाता हूँ। मैं ही ने यह बात कही है और उसे पूरी भी करूँगा; मैं ने यह विचार बान्धा है और उसे सफल भी करूँगा।

यशायाह 46:9–11

और हम जानते हैं, कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, उन के लिये सब बातें मिलकर भलाई ही को उत्पन्न करती हैं; अर्थात् उन्हीं के लिये जो उस की इच्छा के अनुसार बुलाए हुए हैं। क्योंकि जिन्हें उस ने पहले से जान लिया है, उन्हें पहले से ठहराया भी है कि उसके पुत्र के स्वरूप में हों, ताकि वह बहुत भाइयों में पहलौठा ठहरे। फिर जिन्हें उस ने पहले से ठहराया, उन्हें बुलाया भी, और जिन्हें बुलाया, उन्हें धर्मी भी ठहराया है, और जिन्हें धर्मी ठहराया, उन्हें महिमा भी दी है।

रोमियों 8:28–30

- उसका उददेश्य ———————— को साबित करेगा।

हे अन्धों, कौन बड़ा है, भेंट या वेदीः जिस से भेंट पवित्र होता है?

मत्ती 23:19

आकाश और पृथ्वी टल जाएँगे, परन्तु मेरी बातें कभी न टलेंगी।

मत्ती 24:35

- जो लोग हमसे पहले जा चुके है उनसे सबक ————————ें।
- वे जानते थे कि परमेश्वर की उनके जीवन में बुलाहट मात्र परमेश्वर की उनके जीवन पर बुलाहट की वजह से है।

यहोवा ने अब्राम से कहा, अपने देश, और अपनी जन्मभूमि, और अपने पिता के घर को छोड़कर उस देश में चला जा, जो मैं तुझे दिखाऊँगा। और मैं तुझ से एक बड़ी जाति बनाऊँगा, और तुझे आशीष दूँगा, और तेरा नाम बड़ा करूँगा, और तू आशीष का मूल होगा। और जो तुझे आशीर्वाद दें, उन्हें मैं आशीष दूँगा; और जो तुझे कोसे, उसे मैं शाप दूँगा; और भूमण्डल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे।

उत्पत्ति 12:1—3

- वे जानी पहिचानी जगह को छोड़कर ———————— जगह पर जाने से भय भीत नहीं थे।

विश्वास ही से अब्राहम जब बुलाया गया, तो आज्ञा मानकर ऐसी जगह निकल गया, जिसे मीरास में लेनेवाला था, और यह न जानता था, कि मैं किधर जाता हूँ; तौभी निकल गया।

इब्रानियों 11:8

- वे वास्तव में इस दुनिया के अन्दर परदेशी थे।

विश्वास ही से उस ने प्रतिज्ञा किए हुए देश में जैसे पराए देश में परदेशी रहकर इसहाक और याकूब समेत जो उसके साथ उसी प्रतिज्ञा के वारिस थे, तम्बूओं में वास किया। क्योंकि वह उस स्थिर नींववाले नगर की बाट जोहता था, जिस का रचनेवाला और बनानेवाला परमेश्वर है।

इब्रानियों 11:9—10

- उन्होने धीरज के साथ में परमेश्वर की प्रतीज्ञा पर भरोसा किया।

विश्वास ही से उस ने प्रतिज्ञा किए हुए देश में जैसे पराए देश में परदेशी रहकर इसहाक और याकूब समेत जो उसके साथ उसी प्रतिज्ञा के वारिस थे, तम्बूओं में वास किया। क्योंकि वह उस स्थिर नींववाले नगर की बाट जोहता था, जिस का रचनेवाला और बनानेवाला परमेश्वर है।

इब्रानियों 11:9—10

- उन्होने विश्वास किया कि परमेश्वर ही ———————— को मुमकिन कर सकता है।

इस कारण एक ही जन से जो मरा हुआ सा था, आकाश के तारों और समुद्र के तीर के बालू की नाईं, अनगिनित वंश उत्पन्न हुआ।

इब्रानियों 11:12

- इस दुनिया में उनके जीवन को मान्यता प्राप्त हुई क्योंकि उनकी आखें स्वर्ग पर लगी हुई थी।

ये सब विश्वास ही की दशा में मरे; और उन्हों ने प्रतिज्ञा की हुई वस्तुएँ नहीं पाई; पर उन्हें दूर से देखकर आनन्दित हुए और मान लिया, कि हम पृथ्वी पर परदेशी और बाहरी हैं। जो ऐसी ऐसी बातें कहते हैं, वे प्रगट करते हैं, कि स्वदेश की खोज में हैं। और जिस देश से वे निकल आए थे, यदि उस की सुधि करते तो उन्हें लौट जाने का अवसर था। पर वे एक उत्तम अर्थात् स्वर्गीय देश के अभिलाषी हैं, इसी लिये परमेश्वर उन का परमेश्वर कहलाने में उन से नहीं लजाता, अतः उस ने उन के लिये एक नगर तैयार किया है।

इब्रानियों 11:13–16

- उनके मौलिक विश्वास ने उन्हे मौलिक त्याग करने के लिए अगुवाई की ।

विश्वास ही से अब्राहम ने, परखे जाने के समय में, इसहाक को बलिदान चढ़ाया, और जिस ने प्रतिज्ञाओं को सच माना था। और जिस से यह कहा गया था, कि इसहाक से तेरा वंश कहलाएगा; वह अपने एकलौते को चढ़ाने लगा। क्योंकि उस ने विचार किया, कि परमेश्वर सामर्थी है, कि मरे हुओं में से जिलाए, अतः उन्हीं में से दृष्टान्त की रीति पर वह उसे फिर मिला।

इब्रानियों 11:17–19

- वे विश्वास के द्वारा जीवित रहते हुए ————————— के लिए तैयार थे।

संसार उन के योग्य न थाः और विश्वास ही के द्वारा इन सब के विषय में अच्छी गवाही दी गई, तौभी उन्हें प्रतिज्ञा की हुई वस्तु न मिली। क्योंकि परमेश्वर ने हमारे लिये पहले से एक उत्तम बात ठहराई, कि वे हमारे बिना सिद्धता को न पहुँचे।

इब्रानियों 11:39–40

- आईये हम उनके लिए जीवन जियें जो हमसे पीछे आने वाले हैं।

हे मेरे लोगों, मेरी शिक्षा सुनो; मेरे वचनों की ओर कान लगाओ! मैं अपना मुँह नीतिवचन कहने के लिये खोलूँगा; मैं प्राचीनकाल की गुप्त बातें कहूँगा, जिन बातों को हम ने सुना, और जान लिया, और हमारे बाप–दादों ने हम से वर्णन किया है। उन्हें हम उनकी सन्तान से गुप्त न रखेंगे, परन्तु होनहार पीढ़ी के

लोगों से, यहोवा का गुणानुवाद और उसकी सामर्थ्य और आश्चर्यकर्मों का वर्णन करेंगे। उस ने तो याकूब में एक चितौनी ठहराई, और इस्राएल में एक व्यवस्था चलाई, जिसके विषय उस ने हमारे पित्तरों को आज्ञा दी, कि तुम इन्हें अपने अपने लड़केवालों को बताना; कि आनेवाली पीढ़ी के लोग, अर्थात जो लड़केवाले उत्पन्न होनेवाले हैं, वे इन्हे जानें; और अपने अपने लड़केवालों से इनका बखान करने में उद्यत हों, जिस से वे परमेश्वर का आसरा रखें, और ईश्वर के बड़े कामों को भूल न जाएँ, परन्तु उसकी आज्ञाओं का पालन करते रहें; और अपने पित्तरों के समान न हों, क्योंकि उस पीढ़ी के लोग तो हठीले और झगड़ालु थे, और उन्हों ने अपना मन स्थिर न किया था, और न उनकी आत्मा ईश्वर की ओर सच्ची रही।

भजन संहिता 78:1–8

हम अपनी प्रार्थनाओं में तुम्हें स्मरण करते और सदा तुम सब के विषय में परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं, और अपने परमेश्वर और पिता के साम्हने तुम्हारे विश्वास के काम, और प्रेम का परिश्रम, और हमारे प्रभु यीशु मसीह में आशा की धीरता को लगातार स्मरण करते हैं। और हे भाइयों, परमेश्वर के प्रिय लोगों, हम जानतें हैं कि तुम चुने हुए हो। क्योंकि हमारा सुसमाचार तुम्हारे पास न केवल वचन मात्र ही में, वरन् सामर्थ और पवित्र आत्मा, और बड़े निश्चय के साथ पहुँचा है; जैसा तुम जानते हो, कि हम तुम्हारे लिये तुम में कैसे बन गए थे। और तुम बड़े क्लेश में पवित्र आत्मा के आनन्द के साथ वचन को मानकर हमारी और प्रभु की सी चाल चलने लगे। यहाँ तक कि मकिदुनिया और अखाया के सब विश्वासियों के लिये तुम आदर्श बने। क्योंकि तुम्हारे यहाँ से न केवल मकिदुनिया और अखाया में प्रभु का वचन सुनाया गया, पर तुम्हारे विश्वास की जो परमेश्वर पर है, हर जगह ऐसी चर्चा फैल गई है, कि हमें कहने की आवश्यकता ही नहीं। क्योंकि वे आप ही हमारे विषय में बताते हैं कि तुम्हारे पास हमारा आना कैसा हुआ; और तुम क्योंकर मूरतों से परमेश्वर की ओर फिरे, ताकि जीवते और सच्चे परमेश्वर की सेवा करो। और उसके पुत्र के स्वर्ग पर से आने की बाट जोहते रहो, जिसे उस ने मरे हुओं में से जिलाया, अर्थात् यीशु की, जो हमें आनेवाले प्रकोप से बचाता है।

1 थिस्सलुनीकियों 1:2–10

- O आइये हम दूसरों के साथ में वचन को ————————— ।
- ⊡ वे वचन को स्वीकार करेगें।

फिर वे अम्फिपुलिस और अपुल्लोनिया होकर थिस्सलुनीके में आए, जहाँ यहूदियों का एक आराधनालय था। और पौलुस अपनी रीति के अनुसार उन के पास गया, और तीन सब्त के दिन पवित्र शास्त्रें से उन के साथ विवाद किया, और उन का अर्थ खोल खोलकर समझाता था, कि मसीह का दुःख उठाना, और मरे हुओं में से जी उठना, अवश्य था; और यही यीशु जिस की मैं तुम्हें कथा सुनाता हूँ, मसीह है। उन में से कितनों ने, और भक्त यूनानियों में से बहुतेरों ने और बहुत सी कुलीन स्त्रियों ने मान लिया, और पौलुस और सीलास के साथ मिल गए।

प्रेरितों के काम 17:1–4

o आईये हम वचन को दूसरों के सामने ———————— ।

⊡ वे वचन का नमूना बनेगें।

हे भाइयों, जब हम थोड़ी देर के लिये मन में नहीं, वरन् प्रगट में तुम से अलग हो गए थे, तो हम ने बड़ी लालसा के साथ तुम्हारा मुँह देखने के लिये और भी अधिक यत्न किया। इसलिये हम ने (अर्थात् मुझ पौलुस ने) एक बार नहीं, वरन् दो बार तुम्हारे पास आना चाहा, परन्तु शैतान हमें रोके रहा, भला हमारी आशा, या आनन्द या बड़ाई का मुकुट क्या है? क्या हमारे प्रभु यीशु के सम्मुख उसके आने के समय तुम ही न होगे? हमारी बड़ाई और आनन्द तुम ही हो।

1 थिस्सलुनीकियों 2:17—20

पर अभी तीमुथियुस ने जो तुम्हारे पास से हमारे यहाँ आकर तुम्हारे विश्वास और प्रेम का सुसमाचार सुनाया और इस बात को भी सुनाया, कि तुम सदा प्रेम के साथ हमें स्मरण करते हो, और हमारे देखने की लालसा रखते हो, जैसा हम भी तुम्हें देखने की। इसलिये हे भाइयों, हम ने अपनी सारी सकेती और क्लेश में तुम्हारे विश्वास से तुम्हारे विषय में शान्ति पाई। क्योंकि अब यदि तुम प्रभु में स्थिर रहो, तो हम जीवित हैं।

1 थिस्सलुनीकियों 3:6—8

o आईये हम वचन की———————— दूसरों को दें।

⊡ वे वचन को फैलायेगें।

इसलिये हे मेरे पुत्र, तू उस अनुग्रह से जो मसीह यीशु में है, बलवन्त हो जा, और जो बातें तू ने बहुत गवाहों के साम्हने मुझ से सुनी है, उन्हें विश्वासी मनुष्यों को सौंप दे; जो औरों को भी सिखाने के योग्य हों।

2 तीमुथियुस 2:1—2

o आईये हम जगत के छोर तक पहुंचने के लिए ———————— रहें।

और राज्य ———————— सुसमाचार सारे जगत में प्रचार किया जाएगा, कि सब जातियों पर गवाही हो, तब अन्त आ जाएगा।

मत्ती 24:14

o कलीसिया के लिए परमश्वेर की योजना स्पष्ट है।

यीशु ने उन के पास आकर कहा, कि स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिये तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्रत्मा के नाम से बपतिस्मा दो। और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओः और देखो, मैं जगत के अन्त तक सदैव तुम्हारे संग हूँ।

मत्ती 28:18–20

- ⊡ संसार के अन्दर ————————— लोगों के समूह हैं।
- ⊡ करीब ————————— लोगों के समूह अभी तक सुसमाचार से वंचित हैं।

और वे यह नया गीत गाने लगे, कि तू इस पुस्तक के लेने, और उसकी मुहरें खोलने के योग्य है; क्योंकि तू ने वध होकर अपने लहू से हर एक कुल, और भाषा, और लोग, और जाति में से परमेश्वर के लिये लोगों को मोल लिया है। और उन्हें हमारे परमेश्वर के लिये एक राज्य और याजक बनाया; और वे पृथ्वी पर राज्य करते हैं।

प्रकाशितवाक्य 5:9–10

इस के बाद मैं ने दृष्टि की, और देखो, हर एक जाति, और कुल, और लोग और भाषा में से एक ऐसी बड़ी भीड़, जिसे कोई गिन नहीं सकता था। श्वेत वस्त्र पहने, और अपने हाथों में खजूर की डालियाँ लिये हुए सिंहासन के साम्हने और मेम्ने के साम्हने खड़ी है। और बड़े शब्द से पुकारकर कहती है, कि उद्धार के लिये हमारे परमेश्वर का जो सिंहासन पर बैठा है, और मेम्ने का जय–जयकार हो।

प्रकाशितवाक्य 7:9–10

- o कलीसिया के लिए परमेश्वर की योजना ————————— है।

तब वे क्लेश दिलाने के लिये तुम्हें पकड़वाएँगे, और तुम्हें मार डालेंगे, और मेरे नाम के कारण सब जातियों के लोग तुम से बैर रखेंगे। तब बहुतेरे ठोकर खाएँगे, और एक दूसरे से बैर रखेंगे। और बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे, और बहुतों को भरमाएँगे। और अधर्म के बढ़ने से बहुतों का प्रेम ठण्डा हो जाएगा। परन्तु जो अन्त तक धीरज धरे रहेगा, उसी का उद्धार होगा।

मत्ती 24:9–13

अब देखो मैं आत्मा में बंधा हुआ यरूशलेम को जाता हूँ और नहीं जानता कि वहां मुझ पर क्या क्या बीतेगा; केवल यह कि पवित्र आत्मा हर नगर में गवाही दे देकर मुझसे कहता है कि बन्धन और क्लेश तेरे लिए तैयार हैं। परन्तु मैं अपने प्राण को कुछ नहीं समझता कि उसे प्रिय जानूं वरन यह कि मैं अपनी दौड़ को और उस सेवा को पूरा करूं जो मैंने परमेश्वर के अनुग्रह के सुसमाचार पर गवाही देने के लिए प्रभु यीशु से पाई है।

प्रेरितों के काम 20:22–24

- कलीसिया के प्रति परमेश्वर की प्रतिज्ञा आ रही है।

तब मनुष्य के पुत्र का चिन्ह आकाश में दिखाई देगा,ओर तब पृथ्वी के कुलों के सब लोग छाती पीटेंगे; और मनुष्य के पुत्र को बड़ी सामर्थ्य और ऐश्वर्य के साथ आकाश के बादलों पर आते देखेगे। वह तुरही के बड़े शब्द के साथ अपने दूतों को भेजेगा, और वे आकाश के इस छोर से उस छोर तक चारो दिशाओं से उसके चुने हुओं को इकट्ठा करेगें।

मत्ती 24:30–31

- वह अपनी कलीसिया के लिए ———————— आयेगा।

यूहन्ना की ओर से आसिया की सात कलीसियाओं के नामः उस की ओर से जो है, और जो था, और जो आनेवाला है; और उन सात आत्माओं की ओर से, जो उसके सिंहासन के साम्हने है। और यीशु मसीह की ओर से, जो विश्वासयोग्य साक्षी और मरे हुओं में से जी उठनेवालों में पहलौठा, और पृथ्वी के राजाओं का हाकिम है, तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहेः जो हम से प्रेम रखता है, और जिस ने अपने लहू के द्वारा हमें पापों से छुड़ाया है। और हमें एक राज्य और अपने पिता परमेश्वर के लिये याजक भी बना दिया; उसी की महिमा और पराक्रम युगानुयुग रहे। आमीन। देखो, वह बादलों के साथ आनेवाला है; और हर एक आँख उसे देखेगी, वरन् जिन्हों ने उसे बेधा था, वे भी उसे देखेंगे, और पृथ्वी के सारे कुल उसके कारण छाती पीटेंगे। हाँ। आमीन। प्रभु परमेश्वर वह जो है, और जो था, और जो आनेवाला है; जो सर्वशक्तिमान हैः यह कहता है, कि मैं ही अल्फा और ओमेगा हूँ।

प्रकाशितवाक्य 1:4–8

- वह अपने राज्य में ———————— ।

और वे यह नया गीत गाने लगे, कि तू इस पुस्तक के लेने, और उसकी मुहरें खोलने के योग्य है; क्योंकि तू ने वध होकर अपने लहू से हर एक कुल, और भाषा, और लोग, और जाति में से परमेश्वर के लिये लोगों को मोल लिया है। और उन्हें हमारे परमेश्वर के लिये एक राज्य और याजक बनाया; और वे पृथ्वी पर राज्य करते हैं।

प्रकाशितवाक्य 5:9–10

- हम सदैव अपने परमेश्वर में ———————— होगें।

देख, मैं शीघ्र आनेवाला हूँ; और हर एक के काम के अनुसार बदला देने के लिये प्रतिफल मेरे पास है। मैं अलफा और ओमेगा, पहला और पिछला, आदि और अन्त हूँ। धन्य वे हैं, जो अपने वस्त्र धो लेते हैं, क्योंकि उन्हें जीवन के पेड़ के पास आने का अधिकार मिलेगा, और वे फाटकों से होकर नगर में प्रवेश करेंगे। पर कुत्ते, और टोन्हें, और व्याभिचारी, और हत्यारे, और मूर्तिपूजक, और हर एक झूठ का चाहनेवाला, और गढ़नेवाला बाहर रहेगा। मुझ यीशु ने अपने स्वर्गदूत को इसलिये भेजा, कि तुम्हारे आगे कलीसियाओं के विषय में इन बातों की गवाही दे: मैं दाऊद का मूल, और वंश, और भोर का चमकता हुआ तारा हूँ। और आत्मा, और दुल्हिन दोनों कहती हैं, आ; और सुननेवाला भी कहे, कि आ; और जो प्यासा हो, वह आए और जो कोई चाहे वह जीवन का जल सेंत–मेंत ले। मैं हर एक को जो इस पुस्तक की भविष्यद्वाणी की बातें सुनता है, गवाही देता हूँ, कि यदि कोई मनुष्य इन बातों में कुछ बढ़ाए, तो परमेश्वर उन विपत्तियों को जो इस पुस्तक में लिखी हैं, उस पर बढ़ाएगा। और यदि कोई इस भविष्यद्वाणी की पुस्तक की बातों में से कुछ निकाल डाले, तो परमेश्वर उस जीवन के पेड़ और पवित्र नगर में से जिस की चर्चा इस पुस्तक में है, उसका भाग निकाल देगा। जो इन बातों की गवाही देता है, वह यह कहता है, हाँ शीघ्र आनेवाला हूँ। आमीन। हे प्रभु यीशु आ। प्रभु यीशु का अनुग्रह पवित्र लोगों के साथ रहे। आमीन।

प्रकाशितवाक्य 22:12–21